RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 33 ■ अंक 347 ■ मुंबई, मंगलवार 8 जुलाई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

भक्तों की सुनवाई करते हैं बाबा बासुकीनाथ
पेज-4

यूपी बोर्ड देगा अब छात्रों को नया होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड
पेज-6

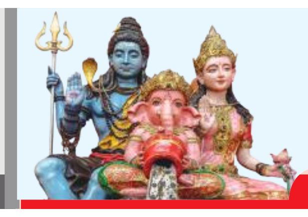
भौम प्रदोष व्रत के दिन संध्या पूजन का विशेष महत्व
पेज-8

ICC ने लिया बड़ा फैसला : संजोग गुप्ता को सौंपी गई बड़ी जिम्मेदारी
पेज-9

Short News एक नजर

मधुमक्खियों ने रोकी इंडिगो की फ्लाइट

सूरत। सूरत एयरपोर्ट पर मधुमक्खियों के झुंड के कारण सूरत से जयपुर जाने वाली फ्लाइट 1 घंटे लेट हो गई। हुआ यूं कि Indigo की फ्लाइट 6E784 को सोमवार शाम 4 .20 सूरत से जयपुर के लिए उड़ान भरनी थी। विमान में सभी यात्री भी सवार हो गए थे। उनका लगेज लोड किया जा रहा था, तभी हजारों मधुमक्खियां प्लेन के लगेज गेट पर आकर झुंड में बैठ गईं। एयरपोर्ट स्टाफ मधुमक्खियां से खुद को बचाकर भागा। सभी को लगा कि मधुमक्खियां खुद से उड़ जाएंगी, लेकिन नहीं हुआ। पानी की तेज धार के जरिए मधुमक्खियों को हटाया गया।

ट्रंप ने जापान और दक्षिण कोरिया पर फोड़ा टैरिफ बम

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर फिर झटका देना शुरू कर दिया है। एशिया में अपने दो प्रमुख सहयोगी देशों जापान और दक्षिण कोरिया से आयात होने वाले सामानों पर 25% आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा कर दी है। यह फैसला 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह कदम दोनों देशों के साथ लगातार जारी व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए उठाया गया है। ट्रंप दुनिया के 12 देशों पर टैरिफ बम फोड़ने की तैयारी कर चुके हैं। इसमें भारत और अमेरिका की डील पर पूरी दुनिया की नजर है।

रियाद से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट जयपुर डायवर्ट

रियाद। सऊदी अरब से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI926 को जयपुर एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। यह फ्लाइट रविवार शाम 5 बजे के बाद रियाद से रवाना हुई थी और इसका दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर रात 1 बजे लैंड करने का समय था, लेकिन इसे जयपुर एयरपोर्ट उतारा गया। फिलहाल फ्लाइट के डायवर्ट होने की वजह साफ नहीं है। एअर इंडिया की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

नवी मुंबई में APMC मार्केट के पास गोदाम में आग, कई वाहन जले

नवी मुंबई। नवी मुंबई (टुर्भे सेक्टर 20) में APMC मार्केट के पास ट्रक पार्किंग क्षेत्र में एक गोदाम में देर रात आग लग गई। इस आग में कई अवैध गोदाम जल गए। कई वाहन भी आग की चपेट में आकर खाक होने की जानकारी दमकल विभाग के कर्मचारियों ने दी है।

26/11 हमले के वक्त मुंबई में था आतंकी राणा

NIA की पूछताछ में कबूला- वह PAK आर्मी एजेंट, हेडली के साथ ट्रेनिंग सेशन किए

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी तहव्वुर राणा मुंबई में था। यह बात उसने NIA की पूछताछ में कबूल की है। राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है। उसने बताया कि वह डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा NIA की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी FBI ने गिरफ्तार किया था।

मुंबई में खोला था इमिग्रेशन सेंटर

राणा ने पूछताछ में बताया कि मुंबई में उसने अपनी कंपनी का इमिग्रेशन सेंटर खुद के प्लान से खोला, ताकि हमले की तैयारी के लिए जगह और सुविधाएं मिल सकें। वहां किए गए लेन-देन को बिजनेस खर्चों में दिखाया गया। उसने यह भी स्वीकार किया कि छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे स्थानों की खुद जाकर रेकी की थी।

ISI से संबंध और सऊदी अरब में तैनाती

राणा ने कहा कि 26/11 का हमला पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के साथ मिलकर किया गया था। उसने यह भी बताया कि उसे खाड़ी युद्ध के समय PAK सेना ने सऊदी अरब भेजा था।

अपने खनिजों को न बनने दें हथियार

BRICS से PM मोदी का दो सुपरपावर पर निशाना!

महानगर नेटवर्क
रियो डी जिनेरियो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि इस समूह के देशों को महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी देश इन संसाधनों का उपयोग अपने "स्वार्थी लाभ" के लिए या दूसरों के खिलाफ "हथियार" के रूप में न कर सकें। बहुपक्षवाद, वित्तीय मामलों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित सत्र में अपने संबोधन में मोदी ने पारदर्शिता बनाए रखने और दुरुपयोग को रोकने के वास्ते एआई के उपयोग के लिए वैश्विक मानक बनाने का भी आह्वान किया।

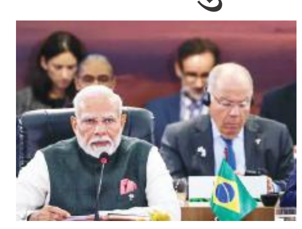

महत्वपूर्ण खनिजों पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी, इन महत्वपूर्ण संसाधनों के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों तथा इस क्षेत्र में उसकी अपारदर्शी नीतियों को लेकर वैश्विक स्तर पर जताई जा रही चिंता के बीच आई है। दूसरी तरफ, अमेरिका भी इस तरह के खनिजों की होड़ में जुटा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "हमें महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि कोई भी देश इन संसाधनों का उपयोग अपने स्वार्थ के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में न करे।"

किन खनिजों की मची है होड़?

लिथियम, निकल और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), ड्रोन और बैटरी भंडारण सहित उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। चीन वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में मोदी ने कहा कि इससे रोजमर्रा की जिंदगी में काफी सुधार आ सकता है, लेकिन दूसरी ओर इससे जोखिम, नैतिकता और पूर्वाग्रह के बारे में चिंताएं भी पैदा हुई हैं।

भारत में एयरपोर्ट सर्विस नहीं दे सकेगी टर्किश कंपनी

सुरक्षा कारणों से रोक को हाईकोर्ट ने सही माना

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विस कंपनी सेलेबी एविएशन की याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में कंपनी ने अपनी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाले से सेलेबी की मंजूरी रद्द की थी। सेलेबी एविएशन तुर्किये की कंपनी है, जो हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विसेज देती है। यानी, ये कंपनी हवाई जहाजों की लैंडिंग, पैसेंजर्स की हैंडलिंग, सामान की लोडिंग-अनलोडिंग, और कार्गो मैनेजमेंट जैसे काम करती है। कंपनी के दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, गोवा, कोचीन, और कन्नूर जैसे 9 बड़े हवाई अड्डों पर ऑपरेशन्स थे। कंपनी हर साल करीब 58,000 फ्लाइट्स और 5.4 लाख टन कार्गो को हैंडल करती थी। इसके 14,000 कर्मचारी भारत में काम करते हैं, जो सभी भारतीय हैं।

केंद्र सरकार ने 15 मई 2025 को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) के जरिए सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इसका कारण नेशनल सिक्योरिटी बताया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में तनाव बढ़ा था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए थे। इस दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया और भारत की कार्रवाई की निंदा की। रिपोर्ट के मुताबिक इस वजह से भारत सरकार ने तुर्किये से जुड़ी कंपनियों पर शक जताया था।

रिक्त पदों के लिए मेगा भर्ती : सीएम फडणवीस

एक भी आरक्षित पद खाली नहीं रखा जाएगा

एसटी वर्ग में भर्ती के लिए 6,860 पद रिक्त

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों को 150 दिवसीय कार्यक्रम दिया है। इसके तहत रोस्टर, रिक्रूटमेंट रूल में सुधार, अनुकंपा के आधार पर 100 प्रतिशत भर्ती जैसे उद्देश्य दिए गए हैं। इन उद्देश्यों को पूरा करने के बाद, रिक्त पदों के बारे में निश्चित जानकारी सामने आने पर राज्य सरकार रिक्त पदों के लिए मेगा भर्ती आयोजित करेगी।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति वर्ग में रिक्त पदों की भर्ती के संबंध में सदस्य भीमराव केराम के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों सरकार ने 75

हजार पदों पर भर्ती करने का कार्यक्रम घोषित किया था। इसके अनुसार एक लाख से अधिक पदों पर भर्ती की गई। भर्ती को लेकर सरकार आगे-पीछे नहीं देखेगी। राज्य में अनुसूचित जनजाति वर्ग में 6,860 पद ऐसे हैं, जो जाति वैधता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाए हैं। हालांकि उन्हें 20 साल या उससे अधिक समय हो गया है। सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण से इन पदों पर विचार किया है और इन पदों को अधिसंख्य कर दिया है। इन पदों पर काम करने वालों को पदोन्नति नहीं मिलेगी, लेकिन सरकार उन्हें उनके पदों से पदावनत भी नहीं करेगी। उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद ये पद समाप्त हो जाएंगे। अनुसूचित जनजाति वर्ग में बिंदु सूची के अनुसार एक भी आरक्षित पद खाली नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग में भर्ती के लिए कुल 6,860 पद रिक्त हैं। इनमें से अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर 1,343 की भर्ती की गई है। शेष पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। सरकार जाति वैधता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए ब्लॉक चेन सिस्टम पर रिकॉर्ड लाने का प्रयास कर रही है। इससे जाति प्रमाण पत्र की जांच करते समय दस्तावेजों की जांच करने में सुविधा होगी। साथ ही जाति वैधता प्रमाण पत्र सत्यापन समितियों को सशक्त बनाया जा रहा है। वैधता प्रमाण पत्र अधिक तेजी से और पारदर्शी तरीके से जारी करने के लिए सचिवों का एक समूह बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि इस समूह के माध्यम से अध्ययन करने के बाद कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने सफाई कर्मचारियों के पदों को उत्तराधिकार से भरने पर लगी रोक हटा दी है। लाड-पागे समिति की सिफारिशों के अनुसार इन पदों को उत्तराधिकार से भरने की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में पांच लोगों को जिंदा जलाया

महानगर नेटवर्क
पूर्णिया

बिहार के पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। उरांव जाति के पांच लोगों को डायन बताकर पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर उन्हें जिंदा जला दिया गया। इस जघन्य कांड में तीन महिलाएं और दो पुरुषों की जान गई है। मामला रजीगंज पंचायत के अंतर्गत मुफ्फसिल थाना क्षेत्र का है। वारदात के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग अपने-अपने घरों में बंद हो गए हैं। लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी, एसडीपीओ और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और पूरे गांव में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद शवों को छुपा दिया

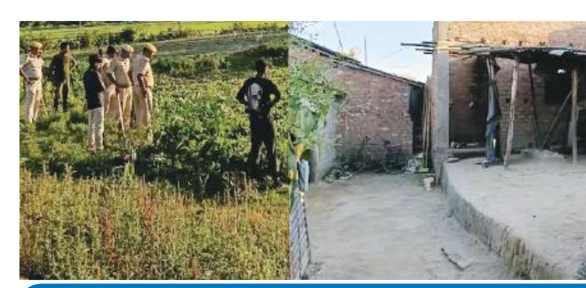

डरे सहमे इकलौते चश्मदीद ने खोली परतें

पीड़ित परिवार का एकमात्र जीवित सदस्य, 16 वर्षीय लड़का, डर के कारण अपने ननिहाल भाग गया था। उसने बताया कि पूरे गांव की संलिप्तता इस घटना में है और उसने चार मुख्य आरोपियों के नाम भी बताए हैं। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

अंधविश्वास बना हत्याकांड का कारण

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गांव में झाड़फूंक और टोने-टोटके के विवाद को लेकर ही इस घटना को अंजाम दिया गया। गांव का कोई भी व्यक्ति पुलिस को जानकारी देने को तैयार नहीं है, जिससे पुलिस को जांच में कठिनाई हो रही है।

गया है, जिन्हें अब डॉग स्क्वाड और FSL टीम की मदद से खोजा जा रहा है। गांव में पुलिस कैंप कर रही है।

PM मोदी ने दलाई लामा को दी बधाई तो जल-भुन उठा चीन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

तिब्बती समुदाय के सबसे बड़े आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को 90वें जन्मदिन पर रविवार को पीएम मोदी ने बधाई दी थी और अपने शुभकामना संदेश में कहा था कि वह प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के स्थायी प्रतीक रहे हैं। पड़ोसी देश चीन को पीएम मोदी की बधाई पर भी मिर्ची लग गई है। चीन ने सोमवार को कहा कि उसने पीएम मोदी द्वारा दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई देने और उनके जन्मदिवस समारोह में भारतीय अधिकारियों के शामिल होने

के मुद्दे पर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को कहा कि भारत को तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर की संवेदनशीलता को पूरी तरह समझना चाहिए और उसे अलगाववादी प्रकृति की पहचान करनी चाहिए। माओ निंग ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि तिब्बत से संबंधित मामलों पर चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है तथा यह सभी को पता है।

दूसरी तरफ भारत के लगभग 80 सांसदों ने दलाई लामा को भारत रत्न सम्मान देने की आवाज उठाकर चीन के जले पर नमक छिड़क दिया है।

जस्टिस वर्मा केस में तुरंत FIR की जरूरत

उपराष्ट्रपति बोले-कैश कहां से आया, ये जानना जरूरी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को जस्टिस वर्मा के घर में मिले अधजले नोटों के मामले में तुरंत FIR की बात कही। उन्होंने कहा- यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है।

इस मामले की जड़ तक जाने की जरूरत है। कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी है। केंद्र स्तर पर सरकार मजबूर है, क्योंकि 90 के दशक की शुरुआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जस्टिस पर FIR दर्ज नहीं की जा

सकती है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर चिंता जताई : 'मैं न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करता हूं। जजों को सुरक्षा प्रदान करना जरूरी है क्योंकि वे जटिल परिस्थितियों में काम करते हैं। लेकिन जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो हमें सच का सामना करना होगा।' उन्होंने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले नकदी का हवाला दिया।

जांच की मांग की : उन्होंने कहा, यह नकदी कहां से आई? क्या यह काला धन है? इसका मालिक कौन है? इसकी जांच होनी चाहिए। यह एक आपराधिक कृत्य है, और इसके लिए तत्काल एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

शक्तियों के अलगाव पर जोर दिया : उपराष्ट्रपति ने शक्तियों के अलगाव पर जोर देते हुए कहा, 'न्यायपालिका, कार्यपालिका, और विधायिका को एक-दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

पुतिन के करीबी नेता ने खुद को मारी गोली

कुछ घंटे पहले ही राष्ट्रपति ने छीना था मंत्री पद

महानगर नेटवर्क
मास्को

रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट ने सोमवार को खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उन्हें कुछ घंटे पहले ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बिना कारण बताए पद से बर्खास्त कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें मॉस्को के पास ओडिंटसोवो में मृत

पाया गया। फिलहाल घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। रूस की जांच समिति ने बताया कि स्टारोवोइट का शव उनकी कार में मिला। स्टारोवोइट की जगह एक पूर्व गवर्नर आंद्रेई निकितिन को अस्थायी परिवहन मंत्री नियुक्त किया गया है। स्टारोवोइट परिवहन मंत्री बनने से पहले पांच साल तक यूक्रेन की सीमा से सटे कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर थे।

ट्रम्प बोले- बेकाबू ट्रेन जैसे हुए मस्क

महानगर नेटवर्क
वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि इलॉन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है। ट्रम्प ने कहा,अमेरिका की व्यवस्था ऐसी पार्टियों के लिए बनी ही नहीं है। तीसरी पार्टियों का एक ही काम होता है, अव्यवस्था और अराजकता फैलाना। और हमारे पास पहले से ही पर्याप्त अराजकता है, जिसे रैडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट्स फैला रहे हैं।

अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है।

'मां बहुत ज्यादा खुश थी', गर्भवती महिला की जान बचाकर हीरो बने मेजर रोहित

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को मेजर बचवाला रोहित की जमकर तारीफ की। उन्होंने झांसी रेलवे स्टेशन पर एक गर्भवती महिला की मदद की थी। मेजर रोहित आर्मी मेडिकल कोर के मेडिकल ऑफिसर हैं। मेजर बचावाला ने कहा कि मैंने उस महिला से कहा कि आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं एक मेडिकल अधिकारी हूं और आपको या बच्चे को कुछ नहीं होगा। मेजर बचावाला ने कहा, 'मैंने कुछ चीजों की तलाश की थी। मैंने बच्चे को सुरक्षित रूप से जन्म देने में महिला की मदद की थी। पहले तो बच्चा कोई भी प्रतिक्रिया नहीं कर रहा था, लेकिन फिर मैंने उसे फिर से जिंदा करने की कोशिश की और फिर उसने प्रतिक्रिया भी दी और मुझे वास्तव में इस बात से बहुत

खुशी हुई। मां बहुत खुश थी। बच्चा रोने लगा और यह सब भगवान की कृपा थी कि मुझे लगा कि मां और बच्चा बिल्कुल स्थिर और ठीक हैं। मैं रेलवे कर्मचारियों का विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने उस समय मेरी मदद की।'

आर्मी चीफ ने की तारीफ

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मेजर रोहित की सराहना करते हुए कहा कि यह इंडियन आर्मी और सेना के जज्बे और सेवा भाव का बेहतरीन उदाहरण है। इसी के लिए हमारी आर्मी जानी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि मेजर रोहित ने जो किया, वह सिर्फ फर्ज नहीं, बल्कि इंसानियत और सेना की सच्ची परंपरा का परिचायक है। भारतीय सेना के जवान केवल देश की ही सेवा नहीं करते हैं बल्कि वह हर एक परिस्थिति में आम लोगों की मदद भी करते हैं।

अब पूरे मामले की बात करें तो हैदराबाद जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे मेजर रोहित बचवाला ने महिला को बहुत दर्द में देखा। महिला अपने पति और बच्चे के साथ पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस 15066 में पनवेल से बाराबंकी जा रही थी। उसके पति ने मेडिकल हेल्प के लिए रेलवे को एसओएस किया था और परिवार को झांसी स्टेशन पर उतार दिया गया था। बिना सोचे-समझे रोहित ने अपनी जानकारी और अपने पास मौजूद एक पॉकेट चाकू और हेयर क्लिप के साथ महिला की मदद की।

समंदर में दिखी पाक की संदिग्ध नाव

हाई सिक्योरिटी के बीच तलाश जारी

महानगर नेटवर्क
रायगढ़

रायगढ़ से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां के रेवदांडा तटीय क्षेत्र के पास एक संदिग्ध नाव की तलाश की जा रही है, जिसको लेकर अनुमान जताया जा रहा है कि वह एक मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नाव है। इस नाव को लेकर अधिकारियों का कहना कि नाव के कब्जे में आने के बाद ही पुष्टि की जा सकेगी लेकिन फिलहाल के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

इस संदिग्ध नाव को लेकर एक अधिकारी ने बताया है कि रविवार रात को भारतीय नौसेना के रडार पर यह नाव रेवदांडा में कोरलाई तट से करीब दो समुद्री मील दूर देखी गई है। उन्होंने बताया कि यह मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नाव हो सकती है। एक अधिकारी ने पहले बताया था कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ऐसा संदेह है कि नाव बहकर रायगढ़

तट तक आ हो गई है। नाव देखे जाने के बाद रायगढ़ तट पर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

अधिकारियों ने बताया है कि सूचना मिलने के बाद रायगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ते, रैपिड एक्शन टीम, भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड्स के जवान रात को मौके पर पहुंचे और तलाश अभियान शुरू किया। हालांकि भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण रात में नाव तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा है कि रायगढ़ की पुलिस अधीक्षक अंचल दलाल स्थिति की निगरानी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ लगे हुए हैं।

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों का काम बंद आंदोलन

मनपा के स्वास्थ्य सेवा पर पड़ा असर

महानगर संवाददाता

मुंबई

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों ने सरकार पर अपनी विभिन्न मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। कर्मचारियों ने सोमवार को मनपा एफ साऊथ वार्ड कार्यालय पर मोर्चा निकाल आंदोलन किया। कर्मचारियों ने मांग नहीं माने जाने पर बेमुद्दत आंदोलन किया जा रहा है।

मुंबई में विभिन्न मांगों को लेकर म्युनिसिपल कर्मचारी कामगार सेना ने अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन शुरू किया है। हजारों कर्मचारियों के आंदोलन में शामिल होने के कारण शहर की स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रभाव पड़ा है। कर्मचारियों की मुख्य मांगों में अनुबंधित कर्मचारियों को हर महीने की 5 तारीख से पहले वेतन दिया जाए, वार्षिक वेतन वृद्धि नियम के अनुसार दी जाए, महिलाओं को प्रसूति अवकाश और सवेतन छुट्टियां मिलें, वर्ष 2018 से लागू वेतन वृद्धि, वार्षिक वेतन बढ़ोतरी और अनुभव भत्ता प्रदान किया जाए, जैसी मांगें शामिल हैं। परेल स्थित एफ साउथ विभाग के वार्ड कार्यालय के बाहर डीएस इंटरप्राइजेस ठेकेदार के खिलाफ आंदोलन किया गया। इस दौरान म्युनिसिपल कर्मचारी कामगार सेना के अध्यक्ष बाबा कदम और सचिव संजय वाघ की मौजूदगी में कर्मचारियों ने काम बंद आंदोलन में हिस्सा लिया। बताया गया कि राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत मुंबई महानगरपालिका के अधीन 2016 से काम कर रहे डीएस इंटरप्राइजेस ठेकेदार द्वारा पिछले एक महीने का वेतन अब तक नहीं दिया गया है। समय पर वेतन नहीं मिलने के साथ ही महिलाओं पर अतिरिक्त काम का दबाव बनाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। वहीं अन्य लंबित मांगें भी पूरी नहीं की जा रही हैं। इसी वजह से आज सुबह से डीएस इंटरप्राइजेस के खिलाफ अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन शुरू किया गया। हजारों कर्मचारियों के आंदोलन में उतरने से रोजाना की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर असर देखने को मिल रहा है। पिछले सप्ताह इन कर्मचारियों ने अपने संगठन प्रमुखों को काम बंद आंदोलन को लेकर ज्ञापन भी सौंपा था। बावजूद इसके कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

रायगढ़ में मिले संदिग्ध बोट की मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है जांच

मुंबई। मुंबई से सटे रायगढ़ जिले के मुरुड इलाके में एक संदिग्ध पाकिस्तानी बोट देखे जाने की सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इस घटना के बाद मुंबई पुलिस को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है और समुद्री तटवर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की इंटेलिजेंस यूनिट (सीआईयू) ने रायगढ़ पुलिस के साथ संपर्क साधा है और समानांतर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि रायगढ़ की समुद्री सीमा मुंबई से ज्यादा दूर नहीं है, ऐसे में किसी भी संभावित खतरे को लेकर मुंबई पुलिस ने एहतियातन कदम उठाए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें जैसे ही रायगढ़ में संदिग्ध बोट देखे जाने की जानकारी मिली, हमने तुरंत मुंबई के समुद्री इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी। हमारी टीमें तटीय क्षेत्रों में सतत निगरानी रख रही हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

गोरेगांव मोतीलाल नगर की म्हाडा कॉलोनी के पुनर्विकास को अब मिलेगी गति

- म्हाडा और अडानी में एग्रीमेंट
- रहिवासियों को मिलेगा 1600 फुट का घर

महानगर संवाददाता

मुंबई

गोरेगांव पश्चिम स्थित मोतीलाल नगर 1, 2 और 3 की म्हाडा कॉलोनियों के पुनर्विकास प्रोजेक्ट को अब गति मिलेगी। म्हाडा और अदानी समूह के बीच सोमवार को इस परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर अनुबंध हुआ।

म्हाडा मुख्यालय में हुए अनुबंध कार्यक्रम में म्हाडा उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जायसवाल और अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रणव अदाणी उपस्थित थे। इस अवसर पर परियोजना की विस्तृत जानकारी दी गई। संजीव जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एवं गृहनिर्माण मंत्री एकनाथ शिंदे की दूरदृष्टि के कारण इस परियोजना को नई दिशा और आशा मिली है। मोतीलाल नगर के निवासियों का वर्षों पुराना सपना अब पूरा होने जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह देश का सबसे बड़ा पुनर्विकास प्रोजेक्ट होगा, जिसे पारदर्शिता, गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाएगा। इस परियोजना के तहत मोतीलाल नगर की 142 एकड़ जमीन पर निर्माण और विकास पद्धति से देश का सबसे बड़ा पुनर्विकास प्रोजेक्ट किया जाएगा। इसमें यहां के निवासियों को 1600 वर्ग फुट के अत्याधुनिक फ्लैट में मुफ्त पुनर्वास दिया जाएगा।इस प्रोजेक्ट के तहत म्हाडा को डेवलपर से कुल 3,97,100 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र मिलेगा। इससे म्हाडा के पास भविष्य में बड़ी संख्या में अतिरिक्त घरों का स्टॉक तैयार होगा। राज्य सरकार ने इस प्रोजेक्ट को 'विशेष प्रोजेक्ट' का दर्जा दिया है और मुंबई उच्च न्यायालय ने म्हाडा को निर्माण और विकास एजेंसी के माध्यम से पुनर्विकास करने की अनुमति दी है। मोतीलाल नगर 1, 2 और 3 में कुल 3,700 घर हैं, जिनका पुनर्वास लगभग 5,84,100 वर्ग मीटर जमीन पर किया जाएगा।

नशेड़ियों पर शुरू हुई कार्रवाई

महानगर संवाददाता

भायंदर

Impact हमारा महानगर

मीरा - भायंदर के शौचालयों में नशेड़ियों द्वारा कब्जा करके नशा करने की खबर हमारा महानगर में शुक्रवार को प्रकाशित की गयी थी। खबर के प्रकाशन के बाद मनपा प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए यहां पर इन नशेड़ियों पर कार्रवाई शुरू की है। भायंदर पश्चिम के जय अंबे नगर एवं गणेश देवोल नगर के शौचालयों को इन नशेड़ियों ने नशा करने का अड्डा बना रखा था। इन नशेड़ियों के कारण यहां पर लोग जाने से डरते थे। इन शौचालयों में नशा करने वाले झुंड में बैठ कर नशा करते हुए पाए जाते थे। यह नशा करने वाले कहीं हमला ना कर दें इस डर से कोई भी इनका विरोध नहीं करता था। हमारा महानगर ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसके बाद मनपा अधिकारियों ने इन शौचालयों की सुध ली है। अब यह सभी शौचालय इन नशा करने वालों से मुक्त हो गए हैं। हालांकि अभी यह शौचालय इन नशेड़ियों से मुक्त हो चुके हैं परन्तु सवाल यह भी है कि क्या इस समस्या का समाधान हो गया।

पालघर पुलिस ने जब्त किया 16 लाख का अवैध गुटखा, आरोपी फरार

महानगर संवाददाता

पालघर

जिले में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख द्वारा जारी किए गए कड़े निर्देशों के तहत, तलासरी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 16 लाख से अधिक का अवैध गुटखा जब्त किया है। हालांकि, इस दौरान आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस को 6 जुलाई को अवैध गुटखा परिवहन की गोपनीय जानकारी मिली थी, जिसके बाद तलासरी पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। 7 जुलाई 2025 की सुबह करीब 3:20 बजे, मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित तलासरी के हिवाल पाडा, ताशकंद होटल के सामने नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी में पुलिस ने एक संदिग्ध क्रेटा कार (क्रमांक एमएच-02-ईयू-6632) को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही कार चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल रहा। कार की तलाशी लेने पर, पुलिस को उसमें महाराष्ट्र में प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद (गुटखा) मिला, जिसकी अनुमानित कीमत 4,05,964 है। जब्त किए गए गुटखे और वाहन सहित इस कार्रवाई में कुल 16,05,964 का माल जब्त किया गया है।

आधी रात को श्मशान भूमि में तंत्र- मंत्र क्रिया करते पकड़े गये दो युवक

भिवंडी। ठाणे जिले के भिवंडी तालुका के पिंपलसगांव क्षेत्र में दो युवकों के खिलाफ जादूटोना और अंधविश्वास फैलाने के आरोप में कोनगांव पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई महाराष्ट्र जादूटोना, अमानवीय, अंधश्रद्धा प्रतिबंधक अधिनियम, 2013 की धारा 3(2) और 3(3) के तहत की गई। पुलिस के मुताबिक पिंपलासगांव के पुलिस पाटील अशोक उमाकांत जाधव द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, इसी गांव के रहने वाले कबीर दिलीप चौधरी और निखिल संतोष पाटील ने गांव की स्मशानभूमि में जाकर रात के समय तांत्रिक क्रियाएं कीं। घटना बीते 29 जून की रात की है। शिकायत में बताया गया है कि दोनों आरोपियों ने कुछ महिलाओं के फोटो लेकर उन पर तांत्रिक प्रयोग करने की कोशिश की। साथ ही, धार्मिक प्रतीकों और सामग्री का इस्तेमाल कर गांव में भय और अंधविश्वास फैलाने का प्रयास किया।

बाबा सिद्दीकी का मोबाइल नंबर लेने की कोशिश, मेल से भंडाफोड़

मुंबई। दिवंगत पूर्व एनसीपी विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने दिल्ली के बुराड़ी इलाके से एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो बाबा सिद्दीकी के पुराने मोबाइल नंबर को नए सिम पर दोबारा सक्रिय करने की कोशिश कर रहा था। आरोपी की पहचान विवेक सबरवाल के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ पहले से दो साइबर क्राइम के मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल जमानत पर था।

पुलिस के अनुसार, विवेक सबरवाल इस नंबर का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड में करना चाहता था। यह नंबर सिद्दीकी परिवार ने दिवंगत नेता की स्मृति में अब तक सक्रिय रखा था और यह नंबर उनकी बेटी डॉ. अर्शिया सिद्दीकी की रेस्टोरेंट वेंचर 'फ्लेवर फूड वेंचर' और पत्नी शहज़ीन सिद्दीकी की रियल एस्टेट कंपनी 'ज़ेयर्स बिझनेस इंडिया एलएलपी' से जुड़ा हुआ है।

यह मामला 24 जून को तब सामने आया, जब टेलीकॉम कंपनी को शहज़ीन सिद्दीकी के नाम से एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें इस नंबर को दोबारा चालू करने की अधिकृत अनुमति मांगी गई थी। ईमेल में आधार कार्ड, पैन, जीएसटी और परिवार की फर्जी लेटरहेड के साथ नकली दस्तावेज अटैच किए गए थे। ईमेल की कॉपी डॉ. अर्शिया सिद्दीकी को भी भेजी गई थी, जिससे उन्हें शक हुआ और उन्होंने तुरंत बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद पुलिस दिल्ली पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया।

दिनदहाड़े प्रतिबंधित गुटखे की तस्करी का भंडाफोड़

महानगर संवाददाता

भिवंडी

भिवंडी शहर और उसके आस-पास का इलाका इन दिनों प्रतिबंधित गुटखा, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी का अड्डा बनता जा रहा है। पान की टपरियों पर खुलेआम प्रतिबंधित गुटखे की बिक्री हो रही है, जबकि इन नशे के सामानों की आपूर्ति दूसरे शहरों तक की जा रही है। इसी सिलसिले में नारपोली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने धामणकर नाका से अंजूर फाटा की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित जर्नादन पेट्रोल पंप के पास एक संदिग्ध ऑटो रिक्शा को रोका। जांच करने पर उस रिक्शा (MH-05/DL-1635) में एस.जी.आर ब्रांड के प्रतिबंधित गुटखे की बड़ी खेप बरामद हुई, जिसकी बाजार कीमत करीब 2,68,600 रुपये बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से एक आरोपी कामील शकील अहमद अंसारी, निवासी गैबीनगर, आनंद टॉकीज के सामने की चाली में रहने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसका साथी फरार है। घटना 6 जुलाई दोपहर करीब 12:30 बजे की है।

नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

उल्हासनगर। रविवार को रिद्धि सिद्धि चैरिटेबल पॉलीक्लीनिक, उल्हासनगर में पूर्व नगरसेवक महेश सुखरामानी के मार्गदर्शन में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में रक्तचाप बीपी, बोन मिनरल डेन्सिटी, न्यूरोपैथी परीक्षण एवं ब्लड शुगर जैसी महत्वपूर्ण जांच निःशुल्क की गईं। इसमें प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति रही। डॉ. गौरव आर. त्रिवेदी न्यूरोसाइकेट्रिस्ट, डॉ. राहुल शर्मा – हड्डी रोग विशेषज्ञ (भारत भूषण व महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार प्राप्त, डॉ. दर्पण सुचक – मधुमेह रोग विशेषज्ञ, डॉ. भावना के. वाधवा – दंत चिकित्सक ने उपस्थित नागरिकों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक परामर्श प्रदान किया। शिविर में विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों एवं मधुमेह पीड़ितों को लाभ हुआ। रिद्धि सिद्धि चैरिटेबल पॉलीक्लीनिक के संस्थापक मुकेश खेमचंदानी ने बताया कि महेश सुखरामानी के सहयोग और प्रेरणा से यह शिविर संभव हो सका। शिविर के दौरान महेश सुखरामानी ने सभी डॉक्टरों को शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया और कहा "हम सब एक परिवार की तरह हैं और साथ मिलकर जरूरतमंदों की सेवा करते रहेंगे। शिविर में सुनील दूसेजा, कैंप व्यवस्था गंगाराम शर्मा और भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने आयोजन को और भी सशक्त बनाया।

अगले सप्ताह पेश हो सकता है जन सुरक्षा विधेयक

महानगर संवाददाता

मुंबई

विधान भवन में अधिनियम को लेकर समीक्षा बैठक

महाराष्ट्र विधानमंडल के वर्षाकालीन सत्र के तीसरे सप्ताह में विशेष जन सुरक्षा विधेयक के पेश होने की संभावना है। सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अधिनियम को लेकर समीक्षा बैठक की। इस विधेयक को तैयार करते हुए 13 हजार सुझावों को शामिल किया गया है।

इस विधेयक के अनुसार नक्सलवाद का खतरा केवल नक्सल प्रभावित राज्यों के दूरदराज के इलाकों तक ही सीमित नहीं है बल्कि नक्सली संगठनों के माध्यम से शहरी इलाकों में भी इसकी मौजूदगी बढ़ रही है। सरकार के अनुसार ये फ्रंटल संगठन सशस्त्र नक्सली कैडरों को रसद व सुरक्षित शरण प्रदान करते हैं, जिससे निपटने के लिए मौजूदा कानून अप्रभावी व अपर्याप्त हैं। इससे निपटने के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है। पिछले

26 जून को विधान भवन में विशेष जन सुरक्षा विधेयक समिति की अंतिम बैठक हुई थी।

उस वक्त समिति के अध्यक्ष और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था कि युवाओं को राष्ट्रविरोधी वामपंथी विचारों से प्रभावित होकर नक्सलवाद की ओर जाने से रोकने तथा देश के संविधान को चुनौती देने वाले खतरनाक नक्सली विचारों पर अंकुश लगाने के लिए यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम होगा। विधेयक को लेकर 13 हजार सुझाव-संशोधन प्राप्त हुए। इन सभी पर विचार करते हुए समिति सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण विचार रखे और विधेयक में कई संशोधन किए। इन संशोधनों के साथ विधेयक को अंतिम रूप दिया गया है।

नक्सलवाद की ओर आकर्षित होने वाले लोगों, विशेषकर कुछ समूहों में नक्सलवादी संगठनों की ओर आकर्षित होने की प्रवृत्ति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। समिति ने सरकार से यह भी संस्तुति की है कि इस पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा विशेषकर इस आंदोलन की ओर आकर्षित होने वाले युवाओं को हतोत्साहित करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए एक व्यापक नीति बनानी चाहिए।

पिता के मनसे में होने की धौंस बताकर दादागिरी

मुंबई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर राजश्री बाबूराव मोरे (39) की कार को एक नशे में धुत युवक द्वारा टक्कर मारने की घटना सामने आई है। आरोपी की पहचान मनसे नेता जावेद शेख के बेटे राहिल शेख के रूप में हुई है। हादसे के बाद आरोपी ने महिला के साथ न केवल गाली-गलौच की, बल्कि धमकी भी दी। अंबोली पुलिस ने मामले में राहिल शेख के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी कार जब्त कर ली है। हालांकि, आरोपी को पूछताछ के बाद नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

घटना 6 और 7 जुलाई की दरम्यान रात करीब 1:30 बजे की है। शिकायतकर्ता राजश्री मोरे सिद्धार्थ अस्पताल से अपने घर लौट रही थीं। वीरा देसाई रोड स्थित कंट्री क्लब के सामने नशे की हालत में गाड़ी चला रहे राहिल शेख ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इसके बाद मोरे के ड्राइवर ने ओवरटेक कर शेख की कार को रोका।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को राहिल अर्धनग्न और पूरी तरह नशे में मिला। जैसे ही पुलिस ने उसे कार से बाहर निकाला, उसने राजश्री मोरे और पुलिसकर्मियों को गालियां देना शुरू कर दीं। उसने यह कहते हुए धौंस जमाई कि उसके पिता महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से जुड़े हैं। एफआईआर के अनुसार, राहिल ने शिकायतकर्ता पर हमला करने की भी कोशिश की।

इसके बाद पुलिस उसे अंबोली थाने ले गई और राजश्री मोरे की शिकायत पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नालासोपारा में गिरी जर्जर इमारत: प्रशासन की त्वरित कार्रवाई पर उठे सवाल

महानगर संवाददाता

नालासोपारा

बीते रविवार को नालासोपारा पूर्व के अलकापुरी इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब एक जर्जर इमारत 'साईं राज अपार्टमेंट' अचानक भरभराकर गिर गई। यह घटना एक दुकान में चल रहे मरम्मत कार्य के दौरान दुकानदार द्वारा मुख्य पिलर तोड़ने के प्रयास के बाद हुई, जिसके चलते शुक्रवार शाम से ही इमारत एक तरफ झुक गई थी। हालांकि, वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने तत्परता दिखाते हुए इमारत को गिरने से पहले ही खाली करा लिया था, लेकिन इस कार्रवाई ने कई परिवारों के सपनों और जीवन भर की जमा-पूंजी को मलबे में बदल दिया।

मनपा अधिकारियों, दमकल विभाग और पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। 'साईं राज अपार्टमेंट' के साथ सटी 'कुसुम बिल्डिंग' को भी एहतियातन खाली कराया गया। निवासियों को एक निजी हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन उन्हें अपना कीमती सामान निकालने का मौका नहीं दिया गया। नतीजा यह हुआ कि लोगों के महत्वपूर्ण दस्तावेज, गहने, नकदी और रोजमर्रा के घरेलू सामान मलबे के ढेर में दब गए।

शादी का सपना टूटा, 8 लाख नकद और गहने मलबे में समाए

'कुसुम बिल्डिंग' में रहने वाले एक परिवार के लिए यह हादसा और भी त्रासदपूर्ण रहा। उनकी बेटी की जल्द ही शादी होनी थी, जिसके लिए रखे गए लगभग 8 लाख नकद और गहने भी इस हादसे की भेंट चढ़ गए। परिवार गहरे सदमे में है और प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है।

मनपा की त्वरित कार्रवाई और सवालों के घेरे में लापरवाही

घटना की गंभीरता को देखते हुए मनपा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पास की तीन और जर्जर इमारतों को खाली करवाकर गिरा दिया। इन इमारतों के निवासियों को भी अपना सामान निकालने का समय नहीं मिला। मनपा की यह तत्परता सराहनीय है ,कि उसने बड़े जानमाल के नुकसान को टाला, लेकिन यह सवाल भी खड़ा करती है कि इन जर्जर इमारतों को पहले ही क्यों नहीं चिन्हित कर खाली कराया गया। निवासियों का आरोप है कि उन्हें प्रशासन से अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है।

हमाली मजदूर पर चाकू से हमला, भर्ती

भिवंडी। भिवंडी तालुका के पिंपलास गांव स्थित भूमि वर्ल्ड परिसर में रविवार सुबह पानी भरने के दौरान हुए मामूली विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। इस विवाद में दो युवकों ने मिलकर एक हमाली मजदूर पर चाकू से हमला कर दिया। घायल मजदूर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोनगांव पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल मजदूर की पहचान विशाल सुरेश मस्कर (निवासी कलवा, ठाणे) के रूप में हुई है, जो पिंपलास गांव के गोदामों में हमाली का काम करता है। रविवार सुबह करीब पौने दस बजे वह काम पर जा रहा था, तभी उसका साबीर मोहम्मद तारीक और सय्यद महमूद जसीमूद्दीन सय्यद नामक दो युवकों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि साबीर ने अचानक चाकू निकाल कर विशाल पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इस हमले में विशाल के गले, हाथ और शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, सय्यद महमूद ने विशाल के एक मित्र पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह बच निकलने में सफल रहा।

IRCTC के कन्फर्म ट्रेन टिकट के साथ रेल टूर पैकेज

महानगर संवाददाता

मुंबई

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (IRCTC) भारत सरकार की एक नवरत्न कंपनी है। 1999 में स्थापित, IRCTC पिछले 25 वर्षों से भारत में रेल पर्यटन को फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विशाल रेलवे नेटवर्क का लाभ उठाकर और इसे क्यूरेटेड टूर सेवाओं के साथ जोड़कर, IRCTC पेशेवर, बजट-अनुकूल और सुव्यवस्थित पर्यटन में अग्रणी के रूप में उभरा है। IRCTC के कन्फर्म ट्रेन टिकट के साथ साप्ताहिक रेल यात्राएँ भारत के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के लिए उपलब्ध हैं। IRCTC पश्चिमी क्षेत्र (मुंबई) वर्तमान में मुंबई और पुणे से शुरू होने वाले 10 से अधिक रेल टूर पैकेज संचालित करता है, जो पर्यटकों को शिमला-मनाली, वैष्णो देवी, इंदौर, उज्जैन, हैदराबाद, द्वारका, सोमनाथ, शिरडी, कोल्हापुर, केवडिया, ओंकारेश्वर, ग्वालियर, खजुराहो, तिरुपति जैसे प्रतिष्ठित तीर्थ और पर्यटन स्थलों से जोड़ता है। इन टूर पैकेजों में आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और विश्राम स्थल शामिल हैं। आध्यात्मिक स्थलों में माता वैष्णो देवी, तिरुपति बालाजी मंदिर, महाकालेश्वर, द्वारकाधीश मंदिर, सोमनाथ, शिरडी साईं बाबा मंदिर, ओंकारेश्वर, घृष्णेश्वर, महालक्ष्मी मंदिर, नागेश्वर मंदिर आदि शामिल हैं। इन पर्यटनों में शामिल ऐतिहासिक और मनोरंजक स्थल हैं कुफरी, शिमला का मॉल रोड, अजंता-एलोरा गुफाएँ, महेश्वर, राजवाड़ा पैलेस (इंदौर), जय विलास पैलेस (ग्वालियर), खजुराहो मंदिर, ग्वालियर किला, न्यू पैलेस म्यूजियम (कोल्हापुर), आदि। आईआरसीटीसी रेल टूर पैकेज में निम्नलिखित शामिल हैं: 1.) स्लीपर, 3एसी या 2एसी क्लास में कन्फर्म ट्रेन टिकट; 2). डीलक्स होटलों में आवास; 3). स्थानीय यात्रा और दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एसी वाहन; 4. यात्रा कार्यक्रम के अनुसार भोजन; 5). यात्रा बीमा; 6). सभी कर (जीएसटी)। इन पैकेजों की अवधि 1 रात/2 दिन से लेकर 7 रात/8 दिन तक है, यात्री निर्धारित ट्रेन यात्रा कार्यक्रम के अनुसार मुंबई और चुनिंदा स्टेशनों से उतर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट www.irctctourism.com पर विजिट कर सकते हैं।

विबग्योर स्कूल के डिप्टी अकाउंट मैनेजर पर एफआईआर

महानगर संवाददाता

मुंबई

मलाड स्थित, विबग्योर हाईस्कूल और मिराबो ग्लोबल फाउंडेशन के हेड ऑफिस से एक बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। संस्था के अकाउंट्स हेड पवन मांगिलाल लोहिया (34) ने बांगुरनगर पुलिस थाने में दर्ज कराई शिकायत में बताया है कि डिप्टी अकाउंट्स मैनेजर ताहिर नूर खान (34) ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए संस्थान के 1.44 करोड़ रुपये का गबन किया है।

शिकायत के अनुसार, लोहिया वर्ष 2023 से मिराबो ग्लोबल फाउंडेशन में अकाउंट्स हेड के पद पर कार्यरत हैं और उनकी जिम्मेदारी विभिन्न स्कूलों के अकाउंट्स, रिफंड और पेमेंट से जुड़ी है। संस्था में फीस रिफंड की एक तय प्रक्रिया है, जिसमें पहले सूची जूनियर अकाउंटेंट द्वारा तैयार होती है, फिर डिप्टी मैनेजर उस पर फाइनल पेमेंट फाइल बनाता है।

आरोप है कि ताहिर खान ने इस प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए रिफंड की वास्तविक सूची में छेड़छाड़ कर कुछ फर्जी बैंक खातों को जोड़ा, जिनमें नीलोफर शेख नाम से जुड़े एक ही खाते में कई बार पैसे ट्रांसफर किए गए। जांच में पता चला कि इस खाते में कुल 44,86,042 रुपये की रकम ट्रांसफर हुई। अन्य फर्जी खातों को मिलाकर कुल रकम 1,44,03,866 हो गई। पवन लोहिया ने यह भी बताया कि ताहिर खान के मेल आईडी और पासवर्ड तक सिर्फ उसकी ही पहुंच थी और संस्था का उस पर पूरा विश्वास था, जिसका उसने गलत फायदा उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ताहिर खान के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र में कृत्रिम फूलों पर लगेगा बैन?

फलोत्पादन मंत्री ने कहा, सरकार लेगी नीतिगत निर्णय

महानगर संवाददाता

मुंबई

फलोत्पादन मंत्री भरत गोगावले ने विधानसभा में कहा कि राज्य के फूल उत्पादक किसानों के हित के लिए कृत्रिम फूलों पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में पर्यावरण मंत्री के साथ बैठक लेकर नीतिगत निर्णय लिया जाएगा।

विधानसभा सदस्य महेश शिंदे ने इस संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किया था। उनका कहना था कि कृत्रिम फूलों का अत्यधिक उपयोग होने से सभी प्रकार के फूलों का बाजार प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य में हर समारोह, शादी समारोह, मंदिर या अन्य खुशी और दुख के अवसर पर कृत्रिम फूलों के अत्यधिक उपयोग के कारण सभी प्रकार के फूलों का बाजार पूरी तरह से नष्ट हो गया है। शुरुआती दिनों में केवल ग्रीन हाउस किसान ही इससे प्रभावित थे। सातारा जिले में तकरीबन 1300 ग्रीन हाउस थे। इस पर संपूर्ण गांव खड़े थे, इनमें वर्णे गांव भी था,

इस एक गांव में 375 ग्रीन हाउस थे। पिछले पांच से सात साल में कृत्रिम फूलों का उपयोग बढ़ने से असली फूल दुर्लभ हो गए। अब सातारा जिले में 50 से कम ग्रीन हाउस बचे हैं। शिंदे ने कहा कि अब हर जगह कृत्रिम या नकली गेंदा और गेंदे की माला देख सकते हैं। इसके कारण ये किसान पूरी तरह से हतोत्साहित हैं। हर साल हजारों करोड़ के आर्थिक कारोबार को देखते हुए, सरकार को इस संबंध में तत्काल निर्णय लेने की जरूरत है।

जवाब में मंत्री भरत गोगावले ने कहा कि बाजार में प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए फूल उत्पादक किसानों को फूलों की खेती, कटाई के बाद प्रशिक्षण, ग्रीनहाउस में आधुनिक तकनीक का आधुनिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हालांकि, बाजार में कृत्रिम फूलों के आने से किसानों को नुकसान हो रहा है। इस संबंध में सत्र के दौरान ही पर्यावरण विभाग के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी और इस पर नियंत्रण के संबंध में रणनीतिक निर्णय लिया जाएगा। चर्चा में कैलास पाटिल (घाडगे) और नारायण कुचे ने चर्चा में भाग लिया।

फर्जी प्रमाण पत्र देने वालों पर होगा एक्शन

प्रश्नकाल के दौरान उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि जिला परिषदों में भर्ती प्रक्रिया में फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र के संबंध में फिर से सत्यापन करने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को आदेश दिए जाएंगे। साथ ही फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र के संबंध में मुंबई महापालिका आयुक्त द्वारा समीक्षा की जाएगी। फर्जी प्रमाण पत्र को मंजूरी देने वाले चिकित्सा अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में सरोज अहिरे ने सवाल पूछा था। मंत्री ने कहा कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अंतर्गत 11 दिव्यांग उम्मीदवारों की नायर अस्पताल में दोबारा जांच की गई। इसमें पाया गया कि 2 उम्मीदवारों की दिव्यांगता दर 40 प्रतिशत से कम है, इसलिए उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया और नियुक्ति आदेश नहीं दिए गए। नाशिक महानगरपालिका में भर्ती किए गए हिंदी और उर्दू माध्यम के दो शिक्षकों के पास दिव्यांग यूनिक आईडी वैध है।

'होटल व्यवसाय पर अन्यायकारी कर वृद्धि रद्द करे सरकार'

नवी मुंबई। राज्य सरकार द्वारा होटल व परमिट बार व्यवसायियों पर लागू की गई नई करप्रणाली और दरवृद्धि के विरोध में नवी मुंबई होटल ओनर्स असोसिएशन ने सरकार को आंदोलन की चेतावनी दी है। सोमवार को नेरुल में आयोजित बैठक में अध्यक्ष दयानंद शेट्टी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि यह अन्यायकारक दरवृद्धि वापस नहीं ली गई, तो राज्यभर के होटल मालिक, परमिट रूम संचालक और ग्राहक सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे। बैठक में दयानंद शेट्टी ने कहा कि राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने राजस्व बढ़ाने के नाम पर खुदरा बिक्री क्षेत्र पर अन्यायपूर्ण नीति लागू की है। इस निर्णय का होटल व्यवसाय पर गंभीर असर हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि होटल व्यवसाय को औद्योगिक दर्जा प्राप्त होने के बावजूद न तो कोई रियायत मिलती है, न ही व्यवसायिक सहूलियतें। संघ के उपाध्यक्ष जयप्रकाश शेट्टी और सरचिटणीस महेश शेट्टी ने बताया कि सरकार ने न तो होटल उद्योग के प्रतिनिधियों से चर्चा की, न ही किसी को विश्वास में लिया। अचानक की गई करवृद्धि का सीधा असर होटल मालिकों के साथ-साथ ग्राहकों पर भी हो रहा है। यह निर्णय आर्थिक रूप से पहले से जूझ रहे उद्योग को और संकट में डाल रहा है। बैठक में पारित प्रमुख रूप से मांग किया गया कि वार्षिक उत्पादन शुल्क में की गई वृद्धी रद्द की जाए।

हटाए गए झोपडों पर दोबारा न बनें झोपड़े

पीयूष गोयल ने मनपा को चेताया

महानगर संवाददाता

मुंबई

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और उत्तर मुंबई के सांसद पीयूष गोयल ने मनपा अधिकारियों को चेताया कि हटाए गए झोपडों पर दोबारा अवैध निर्माण का झोपड़ा नहीं तैयार होना चाहिए। उन्होंने मनपा अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा अवैध निर्माण हुआ तो उसके जिम्मेदार मनपा अधिकारी होंगे।

पीयूष गोयल मालाड पश्चिम स्थित शंकर लेन (मिसिंग लिंक) सड़क चौड़ीकरण परियोजना के अंतर्गत परियोजना प्रभावित लोगों को वैकल्पिक पुनर्वास योजना के तहत घर वितरित किया गया। इस सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत कुल 550 मीटर लंबी और 18.30 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण में प्रभावित हुए 64 परिवारों को पीयूष गोयल ने सोमवार को घरों की चाबियां सौंपीं। इस परियोजना के तहत कुल

357 निर्माण हटाए जाने हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले वर्ष यह निर्णय लिया गया था कि उत्तर मुंबई के झोपड़ी वासियों को संभव हो तो उसी इलाके में ही अच्छे मकान मिलें। शंकर लेन के प्रभावितों को अच्छी गुणवत्ता वाले मकान उपलब्ध कराए गए हैं। तीन चरणों में बनने वाली इस सड़क से पश्चिमी द्रुतगति मार्ग (वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे) तक पहुंचने वाला यातायात आसान होगा और क्षेत्र में जलजमाव की समस्या भी नहीं आएगी।

यह भारत की आत्मा पर प्रहार : सपकाल

पुणे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर हमला

महानगर संवाददाता

मुंबई

पुणे रेलवे स्टेशन पर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस की तरफ से इस घटना की कड़ी निंदा की गई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि यह हमला सिर्फ एक मूर्ति पर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा पर किया गया घाव है। हमलावर सुरज शुक्ला को मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्ति बताकर मामले को छोटा करने की कोशिश होगी, लेकिन हकीकत यह है कि वह संघ और भाजपा द्वारा वर्षों से बोए जा रहे नफरत के बीजों से उपजे जहरीले वृक्ष का एक फल है। इस विष वृक्ष का असर आज पूरे देश के लिए खतरनाक बन गया है। अब इसका बंदोबस्त करना अनिवार्य है। सपकाल ने कहा कि महात्मा गांधी केवल स्वतंत्रता संग्राम के नेता नहीं थे, बल्कि भारत की नैतिक आत्मा के शिल्पकार थे। सत्य, अहिंसा, धर्मनिरपेक्षता और सर्वसमावेशी विचारधारा गांधीजी की देन है, जो भारतीय लोकतंत्र की नींव में समाहित है। लेकिन देश में कुछ कट्टरपंथी विचारधाराएं और संगठन गांधीजी के विचारों से चिढ़ते हैं।

मनपा का टनल कनेक्टिविटी पर जोर

ट्रैफिक की समस्या से मिलेगी निजात

महानगर संवाददाता

मुंबई

शहर में ट्रैफिक समस्या को दूर करने के लिए मुंबई मनपा प्रशासन एक बार फिर अपने महत्वाकांक्षी मल्टी-मॉडल टनल कनेक्टीविटी प्रोजेक्ट को शुरू करने का फैसला किया है। मनपा का मानना है कि टनल बनाकर सड़क से जोड़ने पर ट्रैफिक की समस्या दूर होगी। मनपा मल्टी-मॉडल टनल कनेक्टीविटी प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 4,392 करोड़ रुपये है। इस परियोजना के तहत प्रत्येक छह किलोमीटर लंबी सुरंग पर लगभग 732 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

मनपा प्रशासन ने मुंबई में ट्रैफिक की समस्या दूर करने और जगह की उपलब्धता कम होने के कारण मल्टी-मॉडल टनल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। जिसका उद्देश्य मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में ट्रैफिक की भीड़ को कम करना और क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। प्रस्तावित टनल नेटवर्क एमएमआर में परिवहन व्यवस्था का एक नया विकल्प तैयार करेगा। अक्टूबर 2023 में महाराष्ट्र सरकार ने इस स्मार्ट टनल नेटवर्क का मास्टर प्लान तैयार करने के लिए आठ सदस्यीय समिति गठित की थी जो अगले 30 वर्षों में एमएमआर के विकास को ध्यान में रखते हुए काम करेगी। मनपा प्रशासन ने फरवरी 2024 में इस परियोजना को लागू करने के लिए परामर्शदाताओं की नियुक्ति हेतु निविदा जारी की थी, लेकिन तकनीकी दिक्कतों और कमजोर प्रतिक्रिया के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। मनपा ने अब दोबारा निविदा जारी करते हुए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की है जो व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करेंगे, मास्टर प्लान बनाएंगे, टेंडर प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और निर्माण कार्य की देखरेख भी करेंगे। मनपा अधिकारियों के मुताबिक, परामर्शदाताओं को ट्रैफिक अध्ययन, व्यवहार्यता परीक्षण और टनल नेटवर्क का डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक साल में तकनीकी कारणों और नियमों के चलते प्रक्रिया में देरी हुई थी लेकिन अब नई निविदा में ऐसे परामर्शदाताओं को आमंत्रित किया गया है जो हाई-ट्रैफिक क्षेत्रों का विश्लेषण कर सकें संभावित स्थान तय कर सकें और टनल नेटवर्क का डिजाइन तैयार कर सकें।

विट्स होटल की निविदा की उच्च स्तरीय जांच करेगी समिति

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर में विट्स होटल को लेकर जारी टेंडर की उच्चस्तरीय समिति से जांच की जाएगी। जांच पूरी होने तक होटल से संबंधित निविदा प्रक्रिया को रद्द कर दी गई है। पूरी प्रक्रिया को नए सिरे से लागू किया जाएगा। सोमवार को विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष अम्बादास दानवे ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से विट्स होटल का मुद्दा उपस्थित किया था। दानवे ने आरोप लगाया कि होटल की नीलामी को लेकर जारी की गई निविदा में भारी गड़बड़ी है। दानवे के इस सवाल का फडणवीस जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ढांडा कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाले विट्स होटल की निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति नियुक्त साथ ही पूरे मामले में पारदर्शिता के सिद्धांत का पालन किया जाएगा। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि कंपनी द्वारा 25 प्रतिशत राशि का भुगतान नहीं करने के कारण निविदा प्रक्रिया रद्द कर दी गई है। निविदा की प्रक्रिया को नए सिरे से लागू करते समय पारदर्शिता बरती जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत अत्यंत आवश्यक

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को लिखा पत्र

महानगर संवाददाता

मुंबई

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर पुणे-नाशिक और नाशिक-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्गों की तुरंत मरम्मत की मांग की है। पवार ने कहा कि इन दोनों राजमार्गों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और इनकी हालत बेहद खराब हो गई है। सड़कों की खस्ता हालत के चलते दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

अपने पत्र में अजित पवार ने उल्लेख किया कि पुणे-नाशिक राजमार्ग औद्योगिक, वाणिज्यिक और यात्री

यातायात की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्तमान में इस मार्ग पर कई स्थानों पर गहरे गड्ढे हैं, जिससे वाहनों को भारी नुकसान हो रहा है और दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आम नागरिकों को समय की बर्बादी, ईंधन की खपत और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मार्ग पर नियमित रूप से टोल वसूला जा रहा है, फिर भी सड़क की गुणवत्ता और सुरक्षा में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

इसके अलावा पवार ने नाशिक-मुंबई राजमार्ग की खतरनाक स्थिति की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से कसारा घाट और इगतपुरी क्षेत्रों में, जहां सड़क की खराब गुणवत्ता, घटिया डायवर्जन और अधूरे पुल यात्रियों के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। इस मार्ग पर भी कई गंभीर दुर्घटनाएं सामने आई हैं।

सहार पुलिस थाने में कस्टोडियल डेथ

- क्राइम ब्रांच कर रही है मामले की जांच

मुंबई। सहार पुलिस थाने में लॉकअप के भीतर एक 26 वर्षीय युवक, अंकित राय, ने कथित तौर पर आत्महत्या करने की घटना सामने आई है। यह घटना कई सवाल खड़े कर रही है, जिसको लेकर अब मुंबई क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, अंकित राय एयरपोर्ट क्षेत्र में स्थित एक होटल में शेफ के रूप में कार्यरत था और वह 4-5 मित्रों के साथ घर में रहता था। आरोप है कि अंकित अपने ही रूममेट्स के मोबाइल फोन चोरी करता था। पुलिस के मुताबिक हाल ही में उसके साथियों के पांच मोबाइल चोरी हुए थे, जिनमें से तीन मोबाइल अंकित के पास से बरामद किए गए। इसके बाद सहार पुलिस ने उसे चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि अंकित ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस लॉकअप में ही गमछा का फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस लॉकअप में अंकित के पास गमछा आया कहां से? नियमों के मुताबिक, लॉकअप में कोई भी निजी सामान रखने की अनुमति नहीं होती, ऐसे में आत्महत्या का तरीका संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है।

नौ सालों में 102 मामले दर्ज, 196 आरोपी गिरफ्तार

महानगर संवाददाता

मुंबई

आर्थिक धोखाधड़ी और निवेशकों के हितों की सुरक्षा को लेकर मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) ने वर्ष 2015 से 2024 तक के बीच नौ वर्षों में सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 102 आपराधिक मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में कुल 196 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी मामले महाराष्ट्र निवेशक हित संरक्षण अधिनियम (एमपीआईडी एक्ट) के अंतर्गत दर्ज किए गए थे और इनकी जांच मुंबई पुलिस की 13 विशेष यूनिट द्वारा की गई।

एमपीआईडी के तहत एफआईआर हैं दर्ज

इस अवधि में सबसे अधिक सक्रियता यूनिट 8 की रही, जिसने अकेले 67 मामले दर्ज किए और 141 लोगों को गिरफ्तार किया। इसी यूनिट ने 45 मामलों में चार्जशीट दाखिल की जबकि 22 मामले अब भी जांच के अधीन हैं। यह यूनिट वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में सबसे अधिक प्रभावी साबित हुई है। अन्य इकाइयों ने भी विभिन्न आर्थिक अपराधों में कार्रवाई की है। यूनिट 1 (हाउसिंग-1) ने 12 मामलों में कार्रवाई की, जिसमें 10 गिरफ्तारियां और 8 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई, जबकि 4 मामलों की जांच अभी चल रही है। यूनिट 3 (जनरल चीटिंग-1) ने 6 मामलों में 10 गिरफ्तारियां कीं और 3 मामलों में चार्जशीट दायर की, वहीं 3 मामलों की जांच जारी है। यूनिट 6 (जनरल चीटिंग-4) ने 7 मामलों में 10 लोगों को गिरफ्तार किया और सभी मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई। यूनिट 7 (शेयर घोटाले) ने 4 मामलों में 21 गिरफ्तारियां कीं और 2 मामलों में चार्जशीट दाखिल की, जबकि 2 अन्य की जांच जारी है। यूनिट 13 (एनएसईएल) में दो मामले दर्ज हुए, जिसमें एक आरोपी गिरफ्तार किया गया, पर अब तक कोई चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है।

महात्मा ज्योतिबा फुले आरोग्य योजना के नाम पर हो रही वसूली

मुंबई। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा कि केईएम और सायन अस्पतालों में महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के नाम पर मरीजों से की जा रही वसूली की जांच की जाएगी। दोनों अस्पताल मुंबई मनपा के अंतर्गत आते हैं सरकार से कोई वास्ता नहीं है फिर भी शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की जाएगी। सोमवार को भाजपा सदस्य चित्रा वाघ ने सायन और केईएम अस्पतालों में महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के लाभार्थी मरीजों से पैसा वसूलने का मुद्दा उठाया था जिसके जवाब में मंत्री आबिटकर ने कहा कि यह योजना पूरी तरह से मुक्त है। इसके लिए मरीज को कोई फंड नहीं देना है अगर कोई योजना के नाम पर फंड लेता है तो गलत है शिकायत मिलने के बाद उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत मरीजों से पैसे लेना गंभीर मामला है। महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत निधि के वितरण में अनियमितता मुद्दे पर आबिटकर ने कहा कि सरकारी अस्पतालों को इस योजना से अभी केवल 12 प्रतिशत राशि ही मिलती है। इसे 50 प्रतिशत से अधिक करने के लिए नई नीति पर काम चल रहा है। सत्र के बाद जल्द मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

मध्य वैतरणा तालाब 90 प्रतिशत भरा

- एहतियातन डैम के तीन गेट खोले गए
- सभी सात तालाबों में जमा हुआ 68 प्रतिशत पानी

मुंबई। मानसून का अभी जुलाई महीने के दूसरे सप्ताह की अभी शुरुआत हुई है। मुंबई शहर को जलापूर्ति करने वाले सात तालाब में मध्य वैतरणा तालाब 90 प्रतिशत भर गया है। तालाब भरने से समय रहते तालाब का गेट नहीं खोला गया तो आगे चलकर तालाब के फटने का खतरा बन जाता है इतना ही नहीं एक साथ तालाब का पानी छोड़ा गया तो आस पास के गांव डूबने की संभावना बन जाती है। मनपा प्रशासन ने इसी के चलते तालाब के तीन गेट खोलने का निर्णय सोमवार को लिया। मुंबई को जलापूर्ति करने वाले सात तालाबों में 68 प्रतिशत पानी जमा हो चुका है

मनपा प्रशासन ने पालघर जिले के मोखाडा तालुका में 102.4 मीटर ऊंचा और 565 मीटर लंबा यह मध्य वैतरणा तालाब 2014 में बनाया था। इस तालाब का निर्माण मनपा नेअपने खर्च पर रिकॉर्ड समय में बनाकर पूरा किया था। इसका नाम 'हिंदुहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बाळासाहेब ठाकरे मध्य वैतरणा तालाब रखा गया। इस तालाब की कुल भंडारण क्षमता 19,353 करोड़ लीटर (193,530 मिलियन लीटर) है। तालाब सोमवार को 90 प्रतिशत भर गया है जिससे तालाब के तीन गेट (क्रमांक 1, 3 और 5) खोल दिदिया गया। तीनों गेटों से 3000 क्यूसेक की दर से पानी छोड़ा जा रहा है।

स्कूल और स्वास्थ्य प्राथमिक केंद्र के निर्माण को लेकर दो अधिकारी सस्पेंड

विधान परिषद में ग्रामीण विकास मंत्री गोरे ने दी जानकारी

मुंबई। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री जय कुमार गोरे ने माना की छत्रपति संभाजी नगर जिले स्कूल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है.स्कूल और प्राथमिक केंद्र के निर्माण के पहले ही ठेकेदार को 147 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है.इस पूरे मामले की प्राथमिक जांच के बाद जिला परिषद के निर्माण विभाग के इंजीनियर और एक्जिटिवि इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है.। इन अधिकारियों की अगले दो महीने में विभागीय जांच की जाएगी और इसमें पाए गए तथ्यों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी. सोमवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने स्कुल और स्वास्थ्य प्राथमिक केंद्र के निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा उपस्थित किया था जिसके जवाब में मंत्री गोरे बोल रहे थे. गोरे ने कहा कि इस निर्माण के संबंध में जांच की गई है और माप पुस्तिका में वास्तविक कार्य से अधिक का मूल्यांकन दर्ज किया गया है।

जल्द ही महाराष्ट्र आएगी ऐतिहासिक तलवार

मुंबई। सांस्कृतिक कार्य व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि मराठों के पराक्रम की गवाही देने वाली नागपुर के भोसले राजवंश की ऐतिहासिक तलवार को जल्द ही महाराष्ट्र में वापस लाया जाएगा और यह पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। वे विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। शेलार ने कहा कि इतिहास की एक बहुत ही मूल्यवान वस्तु प्राप्त करके मराठों के पराक्रम की याद को फिर से ताजा किया जा रहा है। लंदन में नीलाम की गई नागपुर के भोसले राजवंश की ऐतिहासिक तलवार को महाराष्ट्र में वापस लाने की पहल सफल रही है। इस तलवार का इस्तेमाल रघुजी भोसले (प्रथम) ने छत्रपति शाहू महाराज के शासनकाल के दौरान बंगाल और ओडिशा में लड़े गए सैन्य अभियानों के दौरान किया था। उन्होंने बताया कि इस तलवार को लंदन की एक कंपनी की नीलामी में बिक्री के लिए रखा गया था।

पश्चिम रेलवे

एलएचबी में आपातकालीन बैटरी चार्जर का प्रावधान

उप मुख्य विद्युत अभियंता (डब्ल्यू), पश्चिम रेलवे, कैरिएज मरम्मत वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400 013 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : ईएल/डब्ल्यूए/पीएल/2025-26/01, दिनांक : 01.07.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : दरों की अनुसूची और कार्य के विस्तार के अनुसार एलएचबी नॉन-एसी तथा एलएचबी एसी कोचेस में 4.5 केडब्ल्यू अंडर स्लंग कॉन्स्टेंट वोल्टेज रेग्युलेटेड सह आपातकालीन बैटरी चार्जर का प्रावधान. **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹16,23,666.40/–, **ईएमडी** : ₹ 32,500/–. **जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 25.07.2025 को 12.00 बजे तक, **खुलने की तिथि एवं समय** : 25.07.2025 को 12.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0363

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पनवेल महानगरपालिका

ता. पनवेल, जिल्हा - रायगड, पनवेल ४१०२०६

कार्यालय :-२७४५८०४०/४१/४२ | ई मेल:-panvelcorporation@gmail.com

अग्निशमनविभाग:- २७४६१५०० | फॅक्स नं.: ०२२-२७४५२२३३

दिनांक: ०७/०७/२०२७५

द्वितीय मुदतवाढ

अनु. क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव
१.	निविदा क्र./प.म.पा./अ.वि./२६२१/ प्र.क्र.१६/१०६९/२०२५	पनवेल महानगरपालिका अग्निशमन / आपत्ती व्यवस्थापन. विभागाकरीता अत्याधुनीक साधन सामुग्री खरेदी करणेकामी.

या ई-निविदे बाबतची विस्तृत माहिती शासनाच्या http://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि. ०८/०७/२०२५ ते दि. १४/०७/२०२५ रोजी दुपारी ०३.०० वाजे पर्यंत उपलब्ध होईल. संबंधित निविदा धारकांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-
उप आयुक्त (I)
पनवेल महानगरपालिका

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-PnU-25-6	18.07.2025 को 13.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	PnU-BCT-ST-WRL-44-22-1 (Pay and Use Lounges/Waiting / Retiring/ Cloak Rooms)	05 (पांच) वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल के सूरत (एसटी) स्टेशन पर क्लोक रूम सर्विसेस का नवीनीकरण, प्रबंधन, अनुरक्षण, संचालन और मैनिंग.	1826	18-07-2025 13:30:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-20	18.07.2025 को 14.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1(Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के जरिए चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	18-07-2025 14:30:00
2	MSS-BCT-NSP-MedStn-46-24-1(Misc-Static-Services Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर आपात चिकित्सा कक्ष के जरिए चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	18-07-2025 14:40:00
3	MSS-BCT-DDR-STGen-57-25-1 (Misc-Static-Services Static General)	दादर स्टेशन पर डिजिटल लाउंज/को-वर्किंग स्पेस के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1826	18-07-2025 14:50:00
4	MSS-BCT-ADH-STGen-58-25-1 (Misc-Static-Services Static General)	अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं के साथ डिजिटल लाउंज/को-वर्किंग स्पेस के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1826	18-07-2025 15:00:00
5	MSS-BCT-BVI-STGen-59-25-1 (Misc-Static-Services Static General)	बोरीवली स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं के साथ डिजिटल लाउंज/को-वर्किंग स्पेस के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1826	18-07-2025 15:10:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-21	18.07.2025 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-STC-OSN-300-25-1 (Advertising -On Station Premise (Non-Digital))	डिस्प्ले बोड्र्स के जरिए तीन वर्षों की अवधि हेतु सीढ़ियों की लैंडिंग्स और एस्केलेटर्स के पिलर्स पर सांताक्रूज (एसटीसी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	18-07-2025 15:30:00
2	ADVT-BCT-PL-OH-409-25-2 (Advertising - Out of Home)	लोअर परेल में 180 वर्गफीट के डिस्प्ले एरिया के साथ 10फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई के आयाम के 03 नये एलसीडी/एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	18-07-2025 15:40:00
3	ADVT-BCT-BA-OH-412-25-2 (Advertising - Out of Home)	बाउंड्री दीवार के बांद्रा पश्चिमी तरफ पश्चिम रेलवे कॉलोनी में 480 वर्गफीट के डिस्प्ले एरिया के साथ 10फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई के आयाम के 05 नये एलसीडी/एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	18-07-2025 15:50:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0365

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

जनगणना में जाति के निहितार्थ

जनसंख्या दिवस पर चारों तरफ से एक जैसी ही आवाजें भारत में चारों तरफ़ से उठती हैं कि जैसे भी हो, सुरसा के मुख सी बढ़ती जनसंख्या पर लगाम लगे। बेशक, भारत में जनविस्फोट एक बड़ी समस्या है और बावजूद सारे उपाय के जनवृद्धि दर पर नियंत्रण दुष्कर सिद्ध हो रहा है। आज़ादी के बाद से ही जनसंख्या हैरतअंगेज तेजी से बढ़ी है। बेतहाशा बढ़ती हुई जनसंख्या ने अच्छी खासी विकास दर को भी बेमानी सिद्ध कर दिया है। अशिक्षा, गरीबी, रूढ़िवादिता, धार्मिक कट्टरता और अपने संप्रदाय विशेष को हावी करने की कुटिल इच्छा जैसे कितने ही कारण हैं जनसंख्या के निरंतर बढ़ते जाने के। 1947 में 36 करोड़ लोगों का देश महज 78 साल में ही 143 करोड़ जनसंख्या वाले राष्ट्र में बदल गया यानि आज़ादी के बाद भारत की जनसंख्या 3 गुना से भी ज्यादा बढ़ी। प्रतिवर्ष न्यूजीलैंड व ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की कुल जनसंख्या से भी ज्यादा लोग हमारे देश की जनसंख्या में जुड़ रहे हैं। स्वाभाविक रूप से इससे खाने, पहनने और रहने की समस्याएं विकराल रूप लेती गईं। राष्ट्रीय सरकारों ने जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याओं पर ध्यान तो दिया मगर जो प्रतिबद्धता चाहिए थी वह नजर नहीं आई। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह रही देश के एक खास वर्ग का वोट पैकेज में तब्दील हो जाना। 1911 के बाद 1921 में होने वाली जनगणना चार साल पिछड़ चुकी है लेकिन जल्दी ही भारत में एक बार फिर से जनगणना शुरू होने वाली है। विपक्ष और बिहार में नीतीश कुमार द्वारा बार-बार की जाने वाली मांग के बाद केंद्र सरकार ने भी स्वीकार कर लिया है कि इस बार इस जनगणना में लोगों का जातिगत ब्यौरा भी दर्ज किया जाएगा। जातिगत ब्यौरे का इस्तेमाल कैसे किया जाएगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन फिलहाल आशंकाएं हैं कि यदि इस आंकड़े का उपयोग राजनीतिक लक्ष्य साधना के लिए किया गया तो फिर 'सबका साथ, सबका विकास' जैसा मुद्दा पीछे छूट जाएगा एवं जातिगत जनगणना एक राजनीतिक औजार बनकर रह जाएगी। राजनीति के एक खास वर्ग द्वारा लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि कभी धर्मगुरुओं का हवाला देकर तो कभी इस्लामिक स्टेट के सपने दिखाकर वर्ग विशेष के कट्टर धार्मिक नेता बरगलाते हैं और जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि जारी रहती है। हालांकि शिक्षा एवं जागरूकता बढ़ने के साथ जहां उच्च वर्गों में 'हम दो हमारे दो' के नारे से जन जागृति आई, वहीं अब तो 'बच्चा एक ही अच्छा' के सिद्धांत पर एक बहुत बड़ा वर्ग चल रहा है। साफ सी बात है इस वर्ग ने जनसंख्या की वृद्धि पर काफी हद तक नियंत्रण कर लिया है हालांकि समाज के भी निचले तबकों में अभी वह जागृति देखने को नहीं आती जो होनी चाहिए। जहां भारत क्षेत्रफल के हिसाब से दुनिया में सातवें नंबर पर है, वहीं जनसंख्या की दृष्टि से शिखर पर है। अब यह समय की मांग है कि सरकारों को निष्पक्ष तरीके से बिना डरे पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरे देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू कर ही देना चाहिए। बढ़ती हुई जनसंख्या के दृष्टिगत जनसंख्या नियंत्रण कानून के अंतर्गत इस प्रकार के प्रावधानों का होना आवश्यक हो कि एक सीमित संख्या तक परिवार बढ़ने पर ही लोगों को सब्सिडी, लोन या राशन आदि की सुविधा मिले। निर्धारित संख्या से ऊपर संतान उत्पत्ति पर प्रतिबंधात्मक प्रावधान हों। यह सच है कि ऐसी नीति एकदम लागू नहीं की जा सकती और इसमें धार्मिक एवं सामाजिक प्रतिरोध भी आड़े आएगा। तब जनसंख्या नियंत्रण कानून को चरण दर चरण लागू करने की नीति अपनाई जा सकती है। जिस प्रकार से कई दूसरे देशों में संतान उत्पत्ति के नियम हैं उसी प्रकार से देश की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकारों को भी ऐसे प्रावधान अस्तित्व में लाने ही चाहिएं। तार्किक तो यह होगा कि जबरदस्ती कानून थोपने के बजाय प्रेरक तरीके से जन जागरण अभियान चलाए जाएं खास तौर पर कम शिक्षित या अशिक्षित एवं धार्मिक अंधविश्वास से अधिक प्रभावित लोगों के लिए ऐसे धार्मिक संस्थानों की सहायता ली जा सकती है जो उन्हें बताएं कि संतान केवल ईश्वर की देन नहीं है अपितु यह एक शारीरिक प्रजनन क्षमता का परिणाम है। उन्हें यह समझाया जाए कि जितने अधिक बच्चे होंगे उसी अनुपात में उन्हें उतना ही कम खाना-पीना, पहनना एवं रहने का स्थान उपलब्ध हो पाएगा जिसके परिणाम स्वरूप उनका जीवन स्तर भी निम्न श्रेणी का ही रहेगा। स्कूलों एवं कॉलेजों तथा दूसरे प्रशिक्षण संस्थानों में भी विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से जन वृद्धि के दुष्परिणाम एवं उन्हें रोकने की व्यवहारिक उपायों की जानकारी दी जानी जरूरी है। यह कार्य केवल सरकारी स्कूलों वह कॉलेजों में ही नहीं अपितु धार्मिक स्कूलों व महाविद्यालय में भी लागू किया जाए। साथ ही साथ कम बच्चे पैदा करने वाले लोगों के लिए मुफ्त शिक्षा एवं अन्य सुविधाएं बढ़ाई जानी चाहिए इससे भी एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यदि सरकारों में प्रतिबद्धता हो तो बिजली, पानी जैसी आवश्यक आपूर्ति वाली वस्तुओं की दरें भी एकल परिवारों के सदस्यों की संख्या के आधार पर तय करने में भी कोई बुराई नहीं है। यदि जनसंख्या नियंत्रण पर ढुलमुल नीति जारी रही और प्रतिबंधात्मक व नकारात्मक प्रेरणा देते उपाय नहीं किए गए तो देश में प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति उपलब्ध संसाधन, रोटी, कपड़ा, मकान और क्रय क्षमता जैसी चीजों में हम नीचे की ओर खिसकते चले जाएंगे। यदि हमें गर्त में जाने से बचना है तो जनसंख्या पर नियंत्रण करना ही होगा, कैसे भी और किसी भी तकनीक से, उसके लिए चाहे जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना पड़े या लोगों में जन जागरण करके एक चेतना लानी पड़े अथवा कुछ और करना पड़े। आज हम उस स्थिति में खड़े हैं जहां एक ओर देश को जहां जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण करना पड़ेगा, वहीं ऐसी नीतियां भी बनानी पड़ेगी जिसमें जनसंख्या एक बोझ नहीं बल्कि ताकत बनकर सामने आए।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

लागे पुनः बिहार में, लौटा जंगलराज
थू-थू उन पर हो रहा, कल था जिन पर नाज
कल था जिन पर नाज, अरे वो पलटू चाचा
कितने दिन तक आप करोगे आंचा-बांचा
कह सुरेश दिन रात गोलियां गुंडा दागे
ललुआ के दिन का मौसम फिर आया लागे

15वें दलाई लामा की खोज से परेशान चीन!

> दलाई लामा के बयान पर चीन बौखला गया है। क्योंकि धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा, नए दलाई लामा का चुनाव करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के लोगों पर होगी। यह दलाई लामा का कार्यालय है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में और कोई दखल नहीं दे सकता है। उन्होंने नए दलाई लामा के चुनाव को लेकर यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी 'आजाद देश' में पैदा होंगे।

तिब्बती बौद्ध समुदाय के सबसे बड़े धर्मगुरु दलाई लामा ने ऐलान किया है कि उनका पद उनके निर्वाण के बाद भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा है कि उनके जाने के बाद भी दलाई लामा का पद जारी रहेगा और नए दलाई लामा की खोज उनका ट्रस्ट करेगा। उन्होंने यह भी साफ़ कर दिया है कि उनका पुनः अवतार किसी 'आजाद देश' में होगा। दलाई लामा ने यह घोषणा अपने 90वें जन्मदिन से पहले की हैं। दलाई लामा के बयान पर चीन बौखला भी गया है। धर्मगुरु दलाई लामा द्वारा 2 जुलाई, 2025 को इस संबंध में अपना बयान जारी कर उन्होंने कहा, "24 सितंबर 2011 को तिब्बती आध्यात्मिक परंपराओं के प्रमुखों की एक बैठक में, मैंने तिब्बत में और उसके बाहर रहने वाले साथी तिब्बतियों, तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुयायियों के सामने एक बयान दिया था। इसमें मैंने पूछा था कि क्या दलाई लामा की पदवी जारी रहनी चाहिए। 1969 में ही मैंने स्पष्ट कर दिया था कि यह सम्बन्धित लोगों को तय करना होगा कि यह जारी रहे या नहीं।' उन्होंने 2011 में बताया था, "जब मैं लगभग 90 वर्ष का हो जाऊँगा तो मैं तिब्बती बौद्ध परंपराओं के लामाओं, तिब्बती जनता और तिब्बती बौद्ध धर्म का पालन करने वाले अन्य लोगों से विचार करूँगा कि दलाई लामा की संस्था जारी रहे या नहीं। धर्मगुरु दलाई लामा ने इस बयान में कहा कि उन्होंने कोई सार्वजनिक चर्चा नहीं की है कि लेकिन उनसे अलग-अलग जगह के तिब्बतियों और तिब्बती धर्म गुरुओं और यहाँ तक चीन के लोगों ने यह संस्था बनाए रखने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, " इन सभी अनुरोधों के अनुसार, मैं पुष्टि कर रहा हूँ कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी।' सर्वोच्च तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु ने यह भी स्पष्ट किया कि अगला दलाई लामा कौन होगा, इसकी प्रक्रिया 2011 में ही तय कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि नए दलाई लामा का चुनाव करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग

ट्रस्ट के लोगों पर होगी। यह दलाई लामा का कार्यालय है। दलाई लामा ने कहा कि इस प्रक्रिया में और कोई दखल नहीं दे सकता है। उन्होंने नए दलाई लामा के चुनाव को लेकर यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी 'आजाद देश' में पैदा होंगे। दलाई लामा ने यह ऐलान 6 जुलाई, 2025 को उनके 90वें जन्मदिन से पहले किया हैं। तिब्बत से बौद्धों और दलाई लामा को बाहर करके 1950 के दशक में कब्जा करने वाला चीन इस ऐलान के बाद भड़क गया है। उसने इसको लेकर एक बयान जारी किया है। चीन ने कहा है कि वर्तमान दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति को चीनी सरकार से अनुमति लेनी होगी। चीन ने यह भी कहा है कि नए दलाई लामा की पहचान भी उसी के यहाँ की जाएगी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, "दलाई लामा, पंचेन लामा और अन्य महान बौद्ध हस्तियों के पुनर्जन्म का चयन सोने के कलश से लॉटरी निकालकर किया जाना चाहिए और चीन की केन्द्रीय कमिटी द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।' चीन ने एक और बयान जारी किया है जिसमें उसने एक एक्सपर्ट ली देचेंग के हवाले से कहा है कि कभी भी पवित्र बौद्ध पदवियों का पुनर्जन्म उनके जीवित रहते डिसाइड नहीं होता। उसने कहा है कि यह दलाई लामा के मामले में सीधे सोने के बॉक्स से लॉटरी निकाल कर जारी होता है। दलाई लामा को चुनने और उनकी नियुक्ति का क्या इतिहास रहा है, इसका पूरा इतिहास बखान करते हुए चीन ने 14वें और वर्तमान दलाई लामा का विरोध किया है। जानकारी के अनुसार वर्तमान दलाई लामा 1950 के बाद तिब्बत से भारत आ गए थे। उनके साथ हजारों तिब्बती भी भारत आ गए थे। दलाई लामा तिब्बत के प्रमुख माने जाते हैं लेकिन चीन के कब्जे के खिलाफ जब तिब्बती सेना नहीं लड़ पाई, तो उन्होंने भारत आने का फैसला लिया और हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत की निर्वासित सरकार बनाई। वह तिब्बत को चीन का हिस्सा नहीं मानते और कम्युनिस्ट सरकार की तिब्बत की संस्कृति मिटाने के प्रयासों के खिलाफ खड़े रहे हैं। तिब्बत की बौद्ध जनता का बड़ा हिस्सा उनके वहाँ से आने के 7 दशकों के बाद भी उनके प्रति समर्पित हैं। चीन, तिब्बत को अपना हिस्सा बताता है और दलाई लामा उसका विरोध करते हैं। दलाई लामा ने चीन की नास्तिक सरकार से समझौता करने से इनकार भी कर दिया था। ऐसे में वहाँ की कम्युनिस्ट सरकार उनके प्रति जहर उगलती रहती है। तिब्बत के लोगों को अपने पाले में करने के लिए वह दलाई लामा के विरोध में खड़ी है। चीन ने तिब्बत में अपना प्रभाव जमाने को एक फर्जी पंचेन लामा भी नियुक्त किया हुआ है। पंचेन लामा तिब्बती बौद्ध धर्म में दूसरी सबसे बड़ी पदवी है। वर्ष 1995 में 6 वर्ष के एक बच्चे को दलाई लामा ने 11वां पंचेन लामा घोषित किया था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने उन्हें किडनैप कर लिया और अपना आदमी उनकी जगह नियुक्त कर दिया। दलाई लामा की नियुक्ति के मामले में भी चीन यही करना चाहता था लेकिन उन्होंने अब पुनः अवतार की बात करके चीन की नींद उड़ा दी है। इसलिए वह अलग-अलग तरह से प्रोपेगेंडा कर रहा है और उन्हें झुठलाने का प्रयास कर रहा है। जानकारी के अनुसार तिब्बती बौद्ध धर्म में अब तक 14 दलाई लामा हुए हैं। सारे दलाई लामा बोधिसत्व का अवतार माने जाते हैं। दलाई लामा को खोजने के लिए एक प्रक्रिया पहले से ही निर्धारित है। यह प्रक्रिया दलाई लामा की मृत्यु के बाद चालू होती है। मृत्यु के बाद दुख का एक काल होता है जिसके बाद नए दलाई लामा को ढूंढा जाता है। यह काम तिब्बती बौद्ध धर्म के बड़े धर्मगुरु या लामा करते हैं। उनका एक समूह इसके लिए संकेतों का सहारा लेते हैं। नए दलाई लामा की तलाश के लिए, निवर्तमान दलाई लामा के अंतिम संस्कार के दौरान उनके सिर की दिशा, उनकी मृत्यु के समय उनके देखने की दिशा समेत तमाम ऐसे संकेत इस्तेमाल किए जाते हैं। इसके बाद उस दिशा में तलाश के लिए बौद्ध धर्मगुरु और बाकी विद्वान जाते हैं। सामान्यतः, इन दिशाओं में और संकेत मिलते हैं तथा इसके बाद कुछ बच्चों को इस प्रक्रिया में सेलेक्ट किया जाता है। हालाँकि, असल दलाई लामा पहचानने के लिए मृत हुए दलाई लामा से जुड़ी बातें पूछी जाती हैं और उसने जुड़ी चीजें दिखाई जाती हैं। बौद्ध धर्मगुरु पूरी संतुष्टि के बाद ही यह ऐलान करते हैं कि नए दलाई लामा का आगमन हो चुका है। दलाई लामा के मिलने के बाद उनकी शिक्षा दीक्षा होती है और उनकी ताजपोशी भी होती है। वर्तमान दलाई लामा को वर्ष 1937 में तिब्बत में ऐसी ही एक प्रक्रिया में ढूँढा गया था।

– रामस्वरूप रावतसरे

भक्तों की सुनवाई करते हैं बाबा बासुकीनाथ

श्रावण माह भगवान शिव को समर्पित है। भगवान शिव तो 'संहारक' है, सृजनकर्ता और 'नवनिर्माणकर्ता' भी है। 'शिव' अर्थात कल्याणकारी, सर्वसिद्धिदायक, सर्वश्रेयस्कर 'कल्याणस्वरूप' और 'कल्याणप्रदाता' है। जो हमेशा योगमुद्रा में विराजमान रहते हैं और हमें जीवन में योगस्थ, जीवंत और जागृत रहने की शिक्षा देते है। पुराणों में उल्लेख है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष के विनाशकारी प्रभावों से इस धरा को सुरक्षित रखने के लिये भगवान शिव में उस हलाहल विष को अपने कंठ में धारण किया और पूरी पृथ्वी को विषाक्त होने से; प्रदूषित होने से बचा लिया। भगवान शिव ने विष शमन करने के लिये अपने सिर पर अर्धचंद्राकार चंद्रमा को धारण किया तथा सभी देवताओं ने माँ गंगा का पवित्र जल उनके मस्तक पर डाला ताकि उनका शरीर शीतल रहे तथा विष की उष्णता कम हो जाये। चूंकि ये घटना श्रावण मास के दौरान हुई थीं, इसलिए श्रावण में शिवजी को माँ गंगा का पवित्र जल अर्पित कर शिवाभिषेक किया जाता है, कांवड यात्रा इसी का प्रतीक है। शिवाभिषेक से तात्पर्य दिव्यता को आत्मसात कर आत्मा को प्रकाशित करना है। प्रतीकात्मक रूप से शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित करने का उद्देश्य है कि हमारे अन्दर की और वातावरण की नकारात्मकता दूर हो तथा सम्पूर्ण ब्रह्मण्ड में सकारात्मकता का समावेश हो। तीर्थ नगरी देवधर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा बैधनाथ और सुलतानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में सुरभ्य वातावरण में स्थित बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं, वरन् राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैव-स्थल के रूप में होती है। देवघर-दुमका मुख्य मार्ग पर स्थित इस पावन धाम में श्रावणी- मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवरिया तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती हैं। ऐसी मान्यता है कि बासुकीनाथ की पूजा के बिना बाबा बैद्यनाथ की पूजा अधूरी है। यही कारण है कि भक्तगण बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ साथ यहां आकर नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बाबा बासुकीनाथ

की आराधना करते हैं। सावन के महीने में तो हजारों लाखों भक्तगण सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में भरते हैं। फिर एक सौ किलोमीटर से भी अधिक पहाड़ी जंगली रास्ते पैदल पारकर इसे देवघर में बैधनाथ ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं। इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योतिर्लिंग पर जल-अर्पण करते हैं। भगवान शिव औघड़दानी कहलाते हैं। भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर तुरंत वरदान देनेवाले। तभी तो शिवभक्तों की नजरों में यहां भगवान शंकर की अदालत लगती है। शिव-भक्त मानते हैं कि जहां (बैद्यनाथ धाम) भगवान शंकर की दीवानी अदालत है, वही बासुकीनाथ धाम उनकी फौजदारी अदालत है। बाबा बासुकीनाथ के दरबार में मांगी गयी मुरादों की तुरंत सुनवाई होती है। यही कारण है कि साल के बारहों महीने यहां देश के कोने-कोने से भक्तों का आवागमन जारी रहता है। प्राचीन काल में बासुकीनाथ घने जंगलों से घिरा था। उन दिनों यह क्षेत्र दारूक-वन कहलाता था। पौराणिक कथा के अनुसार इसी दारूक-बन में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निवास था। शिव पुराण में वर्णित है कि दारूक-बन दारूक नाम के असुर के अधीन था। कहते हैं, इसी दारूक-बन के नाम पर संताल परगना प्रमंडल के मुख्यालय दुमका का नाम पड़ा है। बासुकीनाथ शिवर्लिंग के आविर्भाव की कथा अत्यंत निराली है। एक बार की बात है- बासु नाम का एक व्यक्ति कंद की खोज में भूमि खोद रहा था। उसके शस्त्र से शिवलिंग पर चोट पड़ी। बस क्या था- उससे रक्त की धार बह चली। बासु यह दृश्य देखकर भयभीत हो गया। उसी क्षण भगवान शंकर ने उसे आकाशवाणी के द्वारा धीरज दिया - डरो मत, यहां मेरा निवास है। भगवान भोलेनाथ की वाणी सुन बासु श्रद्धा-भक्ति से अभिभूत हो गया और उसी समय से उस लिंग की मूर्ति-पूजन करने लगा। बासु द्वारा पूजित होने के कारण उनका नाम बासुकीनाथ पड़ गया। उसी समय से यहां शिव-पूजन की जो परम्परा शुरू हुई, वो आज तक विद्यमान है। आज यहां भगवान भोले शंकर और माता पार्वती का विशाल मंदिर है। मुख्य मंदिर के बगल में शिव गंगा है जहां भक्तगण स्नान कर अपने आराध्य को बेल-पत्र, पुष्प और गंगाजल समर्पित करते हैं तथा अपने कष्ट क्लेशों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं। यह माना जाता है कि वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में हुई। हिंदुओं के कई ग्रंथों में सागर मंथन का वर्णन किया गया है, जब देवताओं और असुरों ने मिलकर सागर मंथन किया था। बासुकीनाथ मंदिर का इतिहास भी सागर मंथन से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए वासुकी नाग को माध्यम बनाया गया था। इन्हीं वासुकी नाग ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यही कारण है कि यहाँ विराजमान भगवान शिव को बासुकीनाथ कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर के विषय में एक स्थानीय मान्यता भी है। कहा जाता है कि यह स्थान कभी एक हरे-भरे वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था। कुछ समय के बाद यहाँ मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे। ये मनुष्य कंदमूल की तलाश में वन क्षेत्र में आया करते थे। इसी क्रम में एक बार बासुकी नाम का एक व्यक्ति भी भोजन की तलाश में जंगल आया। उसने कंदमूल प्राप्त करने के लिए जमीन को खोदना शुरू किया। तभी अचानक एक स्थान से खून बहने लगा। बासुकी घबराकर वहाँ से जाने लगा तब आकाशवाणी हुई और बासुकी को यह आदेशित किया गया कि वह उस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना प्रारंभ करे। बासुकी ने जमीन से प्रकट हुए भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी, तब से यहाँ स्थित भगवान शिव बासुकीनाथ कहलाए।

– कुमार कृष्णन

नए रिश्ते, नए शब्द

भारत विश्व का सबसे सुंदर और व्यवस्थित समाज व्यवस्था का देश है। युगों-युगों से भारतीय समाज में रिश्ते नातों को लेकर जिया गया है। हम अपनी पौराणिक और शास्त्री कथाओं को भी उठाकर देखें तो हमें अपने समाज, परिवार के प्रति प्रेम, स्नेह, त्याग, तपस्या, आज्ञा, परोपकार आदि कितने ही गुण मिल जाएंगे। संयुक्त परिवार की जीवन व्यवस्था ही हमारे सामाजिक जीवन का आधार रही है। दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची, बुआ, सास-ससुर, साला, साली आदि इन सभी रिश्तों के साथ हम सभी बंधे रहे हैं। इनकी संतानों के प्रति भी हमारे मधुर बंधन रहे हैं। भाई का भाई के प्रति त्याग, आज्ञाकारी होना आदि गुण पाया जाता है। पति-पत्नी के मधुर संबंध, माता-पिता की आज्ञा का पालन करना आदि। हर समय और कालखंड में कुछ अपवाद भी रहे लेकिन उन अपवादों की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया है। आगे आने वाली पीढ़ियों ने उन्हें ना तो अपना आदर्श माना है और ना ही उन्हें सराहा है। युग परिवर्तन के साथ ही वर्तमान महानगरीय या शहरी और अब कुछ-कुछ ग्रामीण जीवन शैली में भी पारिवारिक रिश्तों को लेकर अजब सी रस्साकशी दिखाई देती है। पाश्चात्य समाज का कुप्रभाव अब हम सभी की जीवन शैली पर धीरे-धीरे पड़ने लगा है। एक छत के नीचे रहने वाला हर एक प्राणी अपनी स्वतंत्रता को लेकर समाज पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। चारदिवारी को तोड़ो, सभी कुछ खुल्लम खुल्ला करो। बिना किसी रोक-टोक के किसी की कोई इज्जत मत करो। सभी संबंध केवल दैहिक सुख से जोड़ दिए गए हैं। देह का खुला भोग, संबंधों से दूर, अपने जीवन में किसी का अधिकार नहीं, एक जंगली व्यवस्था सी दिखाई दे रही है। चारों तरफ भागम-भाग मची हुई है। शादी को तो वर्तमान पीढ़ी एक ऐसा बंधन मानने लगी है कि इसके बाद तो जीवन ही समाप्त हो जाएगा। यह बात सभी पर लागू नहीं होती लेकिन देखा ऐसा ही जा रहा है। घर बसाने की जिम्मेदारी उठाने से कतराती नई युवा पीढ़ी कौन सा संदेश देना चाहती है? यह बड़ा प्रश्न है। विचार करें तो यदि उनके माता-पिता ही नहीं होते तो वह इस धरा धाम पर कैसे आते? यदि माता-पिता उनकी देख-रेख या परवरिश नहीं करते तो क्या वह आज को देख पाते? यह बहुत बड़े प्रश्न हैं जिस पर उन्हें सोचने की जरूरत है ना कि उन्हें भोगने की। बदलती पीढ़ियों के दौर के साथ रिश्तों अर्थात संबंधों के नाम भी तेजी से बदल रहे हैं। कभी बचपन में हमें माई बेस्ट फ्रेंड पढ़ाया गया और हमें बताया गया कि बेस्ट फ्रेंड क्या होता है। समय बदला तो बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड शब्द चल निकले जो कि समय की मांग कहे जाने लगे। समय परिवर्तनशील है फिर रिलेशनशिप शब्द चल पड़ा। युवा पीढ़ी इन सभी शब्दों और संबंधों के बारे में हमसे अधिक जानते-समझते हैं। समय के साथ सिचुएशनशिप शब्द चल पड़ा, अब यह समझ नहीं आ रहा कि इस शिप कल्चर में हो क्या रहा है? समय बदला तो नैनोशिप शब्द चल निकला। इसके अलावा भी युवाओं में बहुत सारे शिप और संबंध भीतर ही भीतर चल रहे हैं। विचार करें तो युवाओं में यह सभी शब्द और परिस्थितियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। हॉस्टल कल्चर या पीजी ने बच्चों को माता-पिता की छत से दूर रखा, बालक कुछ बनकर बाहर निकालेगा लेकिन परिस्थितियाँ इससे कुछ अलग ही रूप ले रही है।

– डॉ. नीरज भारद्वाज

आज का कार्टून | साभार

जीव को मनुष्य बनाने का माध्यम है गुरु

गुरुर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है - अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है - उसका निरोधक। अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। यह सर्वज्ञात है कि 1 वर्ष में 12 मास और हर माह पूर्णिमा होती है। परंतु अनेक लोगों के मन में यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा ही गुरु पूर्णिमा क्यों? शरद पूर्णिमा की बहुत महिमा है तो फिर हमारे मनीषी ऋषियों ने उसे क्यों नहीं चुना गया? आषाढ़ पूर्णिमा ही क्यों? वे जरूर इसके माध्यम से कोई संदेश देना चाहते होंगे। गुरु सदैव पूर्णिमा जैसा तो शिष्य आषाढ़ जैसा होता है। शरद पूर्णिमा का चांद निश्चित सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, पर प्रकाश फैलाने वाला गुरु अकेला है। जबकि आषाढ़ पूर्णिमा ऐसी जैसे गुरु बादलों रूपी शिष्यों से घिरा हो। यह भी स्मरणीय है कि गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं। सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरु शरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन महाभारत ग्रन्थ के रचयिता महर्षि वेदव्यास जी का जन्मदिन भी है। उन्होंने चारो वेदों की रचना की थी। इसी कारण उनका नाम वेद व्यास पड़ा, उन्हें आदि गुरु भी कहा जाता है। उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। प्रश्न तो यह भी उठ सकता है कि चंद्रमा में शीतलता है। चंदमा की बजाय यदि सूर्य को चुनते तो क्या ज्यादा उचित नहीं होता? यह भी स्मरणीय है कि चंदमा के पास अपना प्रकाश नहीं है। उसकी रोशनी तो उधार की है। जैसे दीये को दर्पण के समक्ष रखने पर उसमें जो प्रकाश उजास प्रकट होता है वह वास्तव में दीये के प्रकाश का परावर्तन है। इसी तरह चंदमा भी दर्पण है, प्रकाश तो सूरज का है। गुरु के पास भी परमात्मा की कृपा से प्राप्त ज्ञान है। वह भी प्रतिफलन है। दर्पण है। जैसे सूर्य की तरफ सीधे देखना मुश्किल है, ठीक उसी तरह प्रभु के विराट स्वरूप को देखना -समझना असंभव है। कुरुक्षेत्र के मैदान में जब भगवान श्री कृष्ण ने अपना विराट स्वरूप दिखाया तो सदा उनके साथ रहने वाला धनुर्धर अर्जुन भी घबरा गया था। ऐसे ही असाधारण तेज के समक्ष टिकना शिष्य की सामर्थ्य के बिल्कुल बाहर है। इसलिए हमारे ऋषियों ने अपने ही बीच रहने वाले सहज व्यक्तित्व को गुरु के रूप में स्वीकारा है। गुरु रूपी यह दर्पण ज्ञान रूपी प्रकाश का गुणधर्म बदल देता है। सूर्य जितना प्रखर है, चंद्रमा उतना ही शीतल है। इसीलिए तो संत शिरोमणि कबीर कहते हैं -गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागूं पांय। बलिहारी गुरु आपकी, जो गोविंद दियो बताय। महर्षि दत्तात्रेय ने समस्त जगत में मौजूद हर वनस्पति, प्राणियों, ग्रह-नक्षत्रों को अपना गुरु माना। इनमें प्रमुख रुप से पृथ्वी, आकाश, वायु, जल, सूर्य, चंद्र, कबूतर, मधुमक्खी, हाथी, अजगर, पतंगा, हिरण, मछली, गरुड़, मकड़ी, बालक, वैश्या, कन्या, बाण प्रमुख थे। जिनसे उन्होंने कोई गुरु मंत्र और शिक्षा नहीं ली। मात्र इनकी गति, प्रकृति, गुणों को देखकर अपनी दृष्टि और विचार से शिक्षा पाई और आत्म ज्ञान पा लिया। इससे ही श्री दत्तात्रेय जगद्गुरु बन गए। उन्होंने जगत को बताया कि मात्र देहधारी कोई मनुष्य या देवता ही गुरु नहीं होता। बल्कि पूरे जगत की हर रचना में गुरु मौजूद है। यहां तक कि हमारे स्वयं के अंदर भी। भारत जगद्गुरु रहा है फिर भी न जाने क्यों कुछ लोग सवाल उठाते हैं कि जब गीता में माता-पिता की सेवा का कोई स्पष्टतः उल्लेख नहीं हैं तो संत माता पिता की सेवा, संत सेवा, राष्ट्र सेवा, समाज सेवा की चर्चा क्यों करते हैं? ऐसे सवाल उठाने वालों को समझना चाहिए कि भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद् भागवत गीता के माध्यम से गृहस्थ जीवन का त्याग करने की बजाय उसे निभाने की बात कही है। माता पिता भी तो गृहस्थी का ही भाग हैं, न कि भिन्न। उनके बिना हमारा कोई अस्तित्व हो ही कैसे होता है। हम उनकी गृहस्थी का विस्तार हैं तो वह हमारी गृहस्थी शीर्ष हैं। इसी प्रकार समाज भी तो हमारा वृहद परिवार है। जो व्यक्ति गृहस्थ धर्म का पालन करता है वह अपनी परिवार (गृहस्थी) में शामिल हर सदस्य के प्रति अपना कर्तव्य निभाता है।

- डा. विनोद बब्बर

बिहार का वोटर लिस्ट मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

10 जुलाई की सुनवाई पर टिकी नजर

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार का वोटर लिस्ट मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। बिहार में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' कराने के अभियान को चुनौती दी गई है। निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को तुरंत सूचीबद्ध करने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी सहमति जताई। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी, गोपाल शंकरनारायणन और शादान फरासत ने न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की आंशिक कार्यकाल वाली पीठ के समक्ष इस मामले का संयुक्त रूप से उल्लेख किया और तत्काल सुनवाई की मांग की। अब इस मामले पर 10 जुलाई को सुनवाई होगी।

दरअसल, बिहार में वोटर लिस्ट को अपडेट करने को लेकर एक अभियान चलाया जा रहा है। इसे 'विशेष गहन पुनरीक्षण' कहा जा रहा है। कुछ लोगों ने निर्वाचन आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उनका कहना है कि यह अभियान ठीक चुनाव से पहले गैरजरूरी है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी, गोपाल शंकरनारायणन और शादान फरासत ने सुप्रीम कोर्ट से जल्दी सुनवाई करने की मांग की। उन्होंने न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की बेंच के सामने ये मामला रखा। वकीलों ने कोर्ट से कहा कि इस मामले की सुनवाई जल्द होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी बात मान ली है। अब इस मामले पर 10 जुलाई को सुनवाई होगी। कपिल सिब्बल ने कहा कि निर्वाचन आयोग का फैसला गलत है।वहीं, विपक्ष ने चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण पर आपत्ति जताई है। राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दाखिल की है।

बिहार में वोटर लिस्ट पर सियासी संग्राम चल रहा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे 'वोटबंदी' करार दिया। उन्होंने कहा कि दलित-पिछड़ा-अतिपिछड़ा और अल्पसंख्यक के वोट काटने के साथ फर्जी वोट जोड़ने की साजिश चल रही है। वोटर लिस्ट को अपडेट करने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ आरजेडी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी भी दी है। राज्यसभा सांसद मनोज झा ने चुनौती दी है। वोटर लिस्ट अपडेट की प्रक्रिया पर रोक की मांग आरजेडी कर रही है। तेजस्वी ने भी ट्वीट कर रहा कि बिहार में वोटबंदी की गहरी साजिश। दलित-पिछड़ा-अतिपिछड़ा और अल्पसंख्यक के वोट काटने और फर्जी वोट जोड़ने का खेल शुरू। मोदी-नीतीश संविधान और मतदाता का मत ही समाप्त कर देंगे तो का अधिकार छिनने के लिए संकल्पित होकर चुनाव आयोग के माध्यम से कार्य कर रहे है। ये लोग प्रत्यक्ष हार देखकर अब बौखला गए हैं। जब मतदाता का मत ही समाप्त कर देंगे तो बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

चुनाव आयोग कन्फ्यूज, हर दिन बदले जा रहे नियम : तेजस्वी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने आज सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए सवाल पूछे। तेजस्वी यादव ने कहा कि '4 जुलाई को हम लोग इलेक्शन कमीशन गए थे। अपनी सारी बातों को हम लोगों ने EC के समक्ष रखा। हम लोगों का डेलीगेशन दिल्ली जाकर निर्वाचन आयोग से मिला और अपने सवाल रखे, लेकिन आज तक हम लोगों को कोई जवाब नहीं मिला। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव आयोग कुछ कन्फ्यूज है। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को निर्वाचन आयोग ने इश्तिहार निकाला। चुनाव आयोग ने एक दिन में तीन अलग-अलग जानकारी विज्ञापन के माध्यम से दी। एक विज्ञापन में कहा गया कि अगर फ़ोटो और पहचान पत्र नहीं भी है तो तत्काल भरकर आप BLO के पास जमकर कर सकते हैं, लेकिन दूसरे विज्ञापन में कुछ और है। तीसरे में कुछ और।

बिहार के नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए कहा कि FB पोस्ट के माध्यम से भी निर्वाचन आयोग अलग-अलग जानकारी मतदाताओं को दे रही है, ऐसा क्यों? बिहार के मतदाता और हम लोगों का पवित्र मतदान प्रक्रिया पर गहरा विश्वास है। लेकिन बिहार में वोटबंदी की साजिश की जा रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरा एक और सवाल चुनाव आयोग है।

पटना के अपार्टमेंट में भड़की आग

खाली कराए गए फ्लैट्स

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार की राजधानी पटना के बहादुरपुर इलाके में स्थित सिद्धांत अपार्टमेंट में सोमवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई, जिसके कारण प्रशासन को पूरे अपार्टमेंट को खाली कराना पड़ा। आग एक फ्लैट में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, और खबर लिखे जाने तक फायर ब्रिगेड की बड़ी गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची थी। स्थानीय लोग फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच की मांग कर रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों में पटना में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। राजधानी पटना के बहादुरपुर इलाके में स्थित सिद्धांत अपार्टमेंट में सोमवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग अपार्टमेंट के एक फ्लैट में लगी, जिसकी चपेट में आने से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही आग की लपटें उठीं, लोग तुरंत अपने-अपने फ्लैट खाली करके बाहर निकलने लगे। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनज़र पूरे अपार्टमेंट को खाली करा दिया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने की संभावित वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हादसे के बाद एहतियातन पूरे इलाके की बिजली सप्लाई भी काट दी गई है।

मोहर्रम की ताजिया जुलूस बनी रणभूमि!

लाठी-लठौअन का वीडियो देख सिहर जाएगी पूरी बॉडी

महानगर नेटवर्क
गोपालगंज

मोहर्रम पर निकलने वाले ताजिया के बहाने बिहार में कई जगह उपद्रव की घटनाएं हुईं। इसी कड़ी में गोपालगंज जिले में मोहर्रम जुलूस के दौरान मारपीट की खबरें सामने आई। ताजा मामला शहर के जंगलिया मोड का है। जहां का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा का सकता है कि कैसे दो पक्षों के लोग एक दूसरे पर लाठियां बरसा रहे हैं। लाठी बरसाने और भगदड़ का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक रविवार को मोहर्रम को लेकर ताजिया जुलूस निकाला गया था। यह जुलूस अलग अलग गांवों और अलग समूहों की ओर से निकाला गया था। बताया जाता है कि रविवार शाम को शहर के जंगलिया मुहल्ले का ताजिया जुलूस जैसे ही शहर के आंबेडकर चौक के पास पहुंचा। वहां पहले से ही नगर थानाक्षेत्र के मीरअलीपुर गांव का ताजिया जुलूस निकला हुआ था, जिसमें लोग गदा और लाठियां भांज रहे थे। इसी लाठी भांजने में जंगलिया और मीरअलीपुर के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत करा दिया गया। लेकिन ये दोनों गुट थोड़ी देर बाद जैसे ही आंबेडकर चौक से शहर के जंगलिया मोड के समीप पहुंचे। यहां गदा और लाठी भांजने लगे। लेकिन लाठी भांजते भांजते कब दोनों गुट आपस में भिंड गए पता ही नहीं चला। थोड़ी देर बाद ही दोनों गुटों ने एक दूसरे पर लाठियां बरसानी शुरू कर दी। लाठीबाजी के दौरान जंगलिया मोड पर भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों गुटों की इस लाठीबाजी में दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। लोगों के मुताबिक मीर अलीपुर के एक दर्जन और जंगलिया मुहल्ले के एक दर्जन कुल दो दर्जन से ज्यादा लोगों को गंभीर चोटें आई है। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उनका प्राइमरी ट्रीटमेंट करने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक से दस लाख की लूट

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने ग्रामीण बैंक से दस लाख लूट लिए। उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक की गायघाट शाखा में लूट की घटना घटी। गायघाट के बेरुआ स्थित उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक से बाइक सवार हथियार बंद अपराधियों ने करीब 11 लाख रुपए लूट लिया। दिन दहाडे. हुई वारदात के समय बैंक मे चार पांच ग्राहक थे। नकाबपोश अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर कैश काउंटर और लॉकर से 10 लाख 98 हजार रुपए लूट लिए और बाइक पर सवार होकर मैठी चौक की तरफ फरार हो गये। पुलिस काड़ की छानबीन में जुट गई है। ग्रामीण एसपी गायघाट थाने की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रहे हैं। वारदात को लेकर ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि ग्याल लाख कि लूट की वारदात में तीन अपराधी शामिल थे।

गोपाल खेमका का हत्यारा गिरफ्तार

● पटना में सुपारी किलर ने मारी थी गोली

पटना। पटना के बड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मारने वाले शूटर को पटना पुलिस की विशेष टीम ने गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों की मानें तो शूटर उमेश कुमार को पटना सिटी इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके साथ चार अन्य संदिग्ध भी पकड़े गये हैं जिनसे पूछताछ की जा रही है। रेंज आईजी जितेंद्र राणा के नेतृत्व में पिछले दो दिनों से पुलिस टीम पटना सिटी के इलाके में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही थी। इसी बीच पुलिस को शूटर की खबर मिली जिसके बाद वहां छापेमारी कर दी गई।

सीसीटीवी कैमरे से शूटर के चेहरे का मिलान करवाया गया तो वह सही निकला। कैमरा दिख रहा शूटर उमेश ही था। पुलिस टीम उसकी निशानदेही पर छापेमारी कर रही है। उस हथियार को बरामद करने की कोशिश जारी है जिससे गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या की गई थी। आपको बता दें गोपाल खेमका की बीते शुक्रवार की देर रात गांधी मैदान के समीप उनके अपार्टमेंट के गेट पर एक अपराधी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। शूटर पहले से गेट के समीप घात लगाये बैठा था। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था।

'बिहार में कानून नहीं, गुंडाराज है'

राहुल गांधी के सिपहसालार ने डायरेक्ट खोल दिया मोर्चा

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार की राजधानी पटना में उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के बाद विपक्ष सत्तारूढ़ नीतीश सरकार पर सवाल उठा रहा है। इसी बीच सोमवार को कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने राज्य की गिरती कानून-व्यवस्था और बढ़ते अपराध को लेकर एनडीए सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोगों की हत्याएं हर दिन हो रही हैं। सवाल यह है कि मौजूदा सरकार क्यों है? पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरु ने कहा, 'आम लोगों की हत्या हर दिन हो रही है। बड़े व्यापारियों की भी उनके घर के बाहर हत्या हो रही है। अगर कोई भी पटना में आकर

लोगों की हत्या कर सकता है, चाहे वो अमीर हो या गरीब, तो सरकार को बिहार के लोगों को जवाब देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'बिहार में गुंडाराज है। भाजपा के शासन में यह देश की 'क्राइम कैपिटल' बन गया है। आम लोग मर रहे हैं, बड़े व्यापारी मारे जा रहे हैं। जब ऐसा हो रहा है तो वो सरकार क्यों चला रहे हैं? केंद्र सरकार को बिहार की जनता को जवाब देना चाहिए, क्योंकि नीतीश कुमार को मुखौटा बनाकर वो खुद पिछले दरवाजे से शासन कर रहे हैं।' पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा, 'प्रधानमंत्री का स्वागत है, लेकिन दौरे से पहले उन्हें बिहार की जनता को जवाब देना चाहिए। डबल इंजन की सरकार को 11 साल हो चुके हैं, अब तक बिहार को क्या दिया गया? काम कुछ नहीं होता, दिनदहाड़े मर्डर होते हैं। बड़े लोग-छोटे लोग, किसी का कोई ख्याल नहीं है। राज्य में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। जमीनी हकीकत ये है कि हालत हर मोर्चे पर बदतर हो चुकी है।' कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि जनता के मुद्दों पर प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री दोनों को जवाब देना चाहिए। दूसरी तरफ, कांग्रेस नेता ने आरोप लगाए कि बिहार में चुनाव आयोग भाजपा की गोद में बैठकर चुनाव चुराने का काम कर रहा है।

ओवैसी के तीसरे मोर्चे के प्लान को मायावती का झटका

बोलीं- बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन में शामिल होने की तमाम कोशिशों के नाकाम होने के बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने थर्ड फ्रंट बनाने का ऐलान किया है। तीसरे मोर्चे में कई दलों को शामिल करने की कवायद भी तेज कर दी गई है। हालांकि ओवैसी के तीसरे मोर्चे के प्लान को बीएसपी चीफ मायावती ने झटका दे दिया है। सोमवार को जारी बयान में मायावती ने कहा कि बिहार में उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। बसपा सभी 243 सीटों पर लड़ेगी। आपको बता दें 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में मायावती की बसपा, उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएसपी जो अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा है, ओवैसी की एआईएमआईएम, वेंद्र

प्रसाद यादव की एसजेडीडी, ओम प्रकाश राजभर की एसबीएसपी और संजय चौहान की जनवादी पार्टी ने ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेकुलर फ्रंट के तौर पर तीसरा मोर्चा बनाया था। तब मायावती की पार्टी ने ओवैसी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। जिसके चलते चर्चा थी, शायद इस बार भी मायावती की बसपा और ओवैसी की AIMIM तीसरे मोर्चे के तहत चुनाव लड़े। लेकिन बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने साफ कर दिया है, कि बिहार में बसपा अकेले चुनाव लड़ेगी। जो थर्ड फ्रंट बनने से पहले ही ओवैसी के लिए झटका हो सकता है। बीते चुनाव में रालोसपा 104, बसपा 80, एआईएमआईएम 19, सुभासपा 5, जनवादी पार्टी 5 और एसजेडीडी 25 सीटों पर लड़ी थी। जिसमें उपेंद्र कुशवाहा, सुभासपा, सजद-डी और जनवादी पार्टी का खाता तक नहीं खुला था। ओवैसी की पार्टी ने 5 सीटें जीती थीं। वहीं बसपा एक सीट जीतने में सफल रही है। हालांकि बाद में ओवैसी की पार्टी के 4 विधायक आरजेडी में चले गए थे। वहीं बसपा के एकमात्र विधायक जमा खान जदयू में शामिल हो गए थे।

मनीष कश्यप जन सुराज में शामिल

प्रशांत किशोर ने दी सदस्यता, बोले- बदलाव चाहने वाले साथ आएं

पटना। चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने प्रशांक किशोर की जन सुराज का दामन थाम लिया है। सोमवार उन्होने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान प्रशांत किशोर ने स्वागत करते हुए कहा कि बिहार में व्यवस्था परिवर्तन की चाहत रखने वाले सभी लोगों को साथ आना चाहिए। जन सुराज ज्वाइन करने के मौके पर मनीष कश्यप ने कहा कि वो भाजपा में 13 महीने रहे। इस बार का चुनाव बिहार के भाग्य का चुनाव है। कश्यप ने दावा करते हुए कहा कि अगला 5 साल आपका होगा। बिहार की हकीकत आप सबको पता है। बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है। बिहार को अगर सुरक्षित करना चाहते हैं तो जन सुराज की सरकार बनाए। इससे पहले मनीष कश्यप ने सोशल मीडिया पर प्रशांत किशोर, जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह के साथ तस्वीरें शेयर की थी। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि 7 जूलाई को बापू सभागार।

व्यापार

सरकारी बैंकों से बड़ी राहत

मिनिमम बैलेंस पर जुर्माना हो सकता है खत्म

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

कई सरकारी बैंक अब बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि यानी मिनिमम बैलेंस का नियम हटाने पर विचार कर रहे हैं। वित्त मंत्रालय के साथ हुई बैठक में इसकी चर्चा हुई, क्योंकि बैंकों के कुल जमा में 'करंट-सेविंग अकाउंट' (CASA) की हिस्सेदारी घट रही है। कैनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक पहले ही यह शर्त हटा चुके हैं। अब ग्राहकों को न्यूनतम बैलेंस न रखने पर जुर्माना नहीं देना होगा।

हाल की बैठक में मंत्रालय ने बैंकों से पूछा, ₹जिन ग्राहकों के पास न्यूनतम बैलेंस नहीं है, उन पर पेनाल्टी क्यों लगाई जाती है?₹ चिंता की वजह

थी CASA जमाओं की गिरती हिस्सेदारी। RBI की 'फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट' के मुताबिक, बैंकों की जमा राशि में महंगी टर्म डिपॉजिट की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सस्ते CASA डिपॉजिट घट रहे हैं। बैंकर्स का कहना है कि जन धन खातों में शुरू में पैसा कम था, लेकिन अब बैलेंस बढ़ रहा है। इसी ने नीति बदलने को प्रेरित किया।

SBI ने 2020 में ही किया था यह कदम

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने 2020 में सबसे पहले मिनिमम बैलेंस की अनिवार्यता खत्म की थी। ऐसा तब हुआ जब एक RTI से पता चला कि बैंक ने जुर्माने से जो कमाई की थी, वह उसके नेट प्रॉफिट से भी ज्यादा थी! पहले सरकारी बैंकों में निजी बैंकों के मुकाबले न्यूनतम बैलेंस कम रखा जाता था। जन धन खातों पर यह शर्त पहले से ही नहीं लगती। निजी बैंक भी सैलरी अकाउंट या ऐसे खातों (जहां 'रिलेशनशिप वैल्यू' जैसे FD/निवेश हों) पर यह नियम माफ कर देते हैं।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ शेयर बाजार बंद

सेंसेक्स नौ अंक चढ़ा, निफ्टी 25400 के पार

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सोमवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। अमेरिकी टैरिफ की 9 जुलाई की समयसीमा से पहले सतर्कता, एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी फंडों की निकासी ने बाजार पर असर डाला। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 85.88 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंक या 0.01 प्रतिशत बढ़कर 83,442.50 अंक पर बंद हुआ।

प्राइम डे पर अमेजन लेकर आया खास ऑफर

महानगर नेटवर्क
बेंगलुरु

प्राइम डे एक बार फिर वापस आ गया है और इस बार यह पहले से भी बड़ा, बेहतर और ज्यादा फैशनेबल है! 12 जुलाई से 14 जुलाई तक, अमेजन प्राइम मेंबर्स को मिलेगा 72 घंटे तक फैशन और ब्यूटी की लगातार खोज का मौका।

इस अमेजन प्राइम डे का लें आनंद

अमेजन इंडिया अपने सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट – प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए आयोजित किया जा रहा है। 12 जुलाई की मध्यरात्रि 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग के लिए तैयार हो जाइए, जहां मिलेगा सबसे बड़ा कलेक्शन, सबसे तेज डिलीवरी, बेमिसाल डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट।

'अमेजन ब्यूटीवर्स 2025' में सौंदर्य प्रेमियों का संगम

अमेजन इंडिया ने अमेजन ब्यूटीवर्स के दूसरे एडिशन का आयोजन किया । यह कार्यक्रम मेबेलिन द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसमें बेला वीटा, विशकेयर और एक्सिस-वाई सहयोगी ब्रांड्स के रूप में शामिल थे। प्राइम डे 2025 (12 से 14 जुलाई) से पहले आयोजित इस विशेष इनवाइट-ओनली इवेंट में 1400 से अधिक ब्यूटी प्रेमियों को एक ही छत के नीचे आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें विभिन्न वर्कशॉप्स और इंटरएक्टिव सत्रों के जरिए एक शानदार सौंदर्य अनुभव प्राप्त हुआ। इस इवेंट की शोभा बढ़ाई बॉलीवुड की नामचीन हस्तियों, भूमि पेडनेकर, नीना गुप्ता, कृति सेनन और सुशांत दिवगिकर आदि ने।

रसोई और आउटडोर जीवनशैली को करें तरोताज़ा

Amazon.in एक बार फिर लेकर आया है अपना नौवां प्राइम डे, जो 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक चलेगा। अपने घर को दीजिए एक नया लुक, टॉप ब्रांड्स जैसे हार्ले डेविडसन, यूरेका, बॉश और अन्य के होम, किचन और आउटडोर प्रोडक्ट्स के नए लॉन्च के साथ। स्मार्ट होम सोल्यूशन्स और मोटरबाइक्स से लेकर फर्नीचर तक, ग्राहक आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक ट्रांजैक्शन्स पर 10% का इंस्टेंट डिस्काउंट भी प्राप्त कर सकते हैं।

मुंबई में पहला प्रोजेक्ट लांच करने जा रहा डीएलएफ

● रेरा से मिली मंजूरी

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ को मुंबई में अपने पहले प्रीमियम आवासीय प्रोजेक्ट के लिए रेरा से मंजूरी मिल गई है। यह प्रोजेक्ट अंधेरी के पॉश इलाके में बनेगा और इसे अगले दो हफ्तों में लॉन्च किए जाने की संभावना है। यह डीएलएफ के पश्चिम भारत में विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। रेरा की फाइलिंग के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में 3, 4 और 5 बीएचके के बड़े और शानदार फ्लैट होंगे, जिनमें प्रीमियम क्वालिटी की सुविधाएं दी जाएंगी। प्रोजेक्ट का पहला फेज

चार टावरों में करीब 416 फ्लैट्स के साथ शुरू होगा, जिसकी मंजूरी मिल चुकी है। यह प्रोजेक्ट डीएलएफ ट्राइडेंट रियल्टी के साथ मिलकर बना रही है। महारेरा पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, इन फ्लैट्स का साइज 1,048 से 2,278 वर्ग फुट के बीच होगा। इन चार टावरों का निर्माण 7,788 वर्ग मीटर के प्लॉट पर होगा और इसे जून 2032 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

झेन मल्टीस्पेशलिटी ने लांच किया 'झेन एनेक्स'

मुंबई। झेन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ने चेंबूर में 'झेन एनेक्स' नाम से एक नया १०० बिस्तरों वाला नया अस्पताल शुरू किया है। यह सेंटर खासतौर पर यूरोलॉजी (मूत्र रोग) और किडनी (गुर्दा) से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए बनाया गया है। यहां मरीजों के इलाज के लिए नई तकनीक, अनुभवी डॉक्टर और २४ घंटे वैदयकीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस झेन एनेक्स केंद्र में मूत्र और किडनी की समस्या से पीड़ित मरीजों का इलाज किया जाएगा। इस केंद्र में मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक सर्जरी के लिए चार ऑपरेशन थिएटर, १४ बेड का आईसीयू जिसमें आइसोलेशन यूनिट्स भी शामिल हैं, और नियमित डायलिसिस के लिए ५ डायलिसिस बेड्स उपलब्ध कराए गए हैं। भविष्य में यहां किडनी ट्रांसप्लांट भी किया जाएगा। यह सेंटर खास मशीनों और जांच की सुविधाओं से लैस है। महिलाओं के लिए अलग यूरोलॉजी इलाज की सुविधा भी उपलब्ध है।

10 जुलाई को खुलेगा स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेस का IPO

मुंबई। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेस 10 जुलाई को सार्वजनिक सदस्यता के लिए अपनी आरंभिक शेयर बिक्री शुरू करने के लिए तैयार है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) 14 जुलाई को समाप्त होगी और एंकर निवेशकों के लिए बोली 9 जुलाई को एक दिन के लिए खुलने वाली है। कंपनी ने अपने आईपीओ के आकार को संशोधित कर घटा दिया है। नए निर्गम को पहले नियोजित 550 करोड़ रुपये से घटाकर 445 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि प्रमोटरों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) को 67.59 लाख शेयरों से घटाकर 33.79 लाख शेयर कर दिया गया है। कुल आय में से लगभग 226 करोड़ रुपये का उपयोग नए केंद्रों में फिट-आउट और इन नए केंद्रों के लिए सुरक्षा जमा से संबंधित पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा, 114 करोड़ रुपये ऋण के भुगतान के लिए आवंटित किए जाएंगे, और शेष धनराशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेस कार्यालय अनुभव और प्रबंधित परिसरों के लिए एक अग्रणी मंच है। यह प्रमुख स्थानों पर बड़ी, खाली-खोल वाली संपत्तियों को पट्टे पर देने और उन्हें आधुनिक सुविधाओं के साथ पूरी तरह से सेवायुक्त, तकनीक-सक्षम परिसरों में बदलने में माहिर है।इन परिसरों में कैफेटेरिया, खेल क्षेत्र, जिम, चिकित्सा केंद्र और बहुत कुछ शामिल हैं, जो एक आधुनिक और आकर्षक कार्य वातावरण प्रदान करते हैं।

एचजीएच इंडिया के 17वें संस्करण का समापन

मुंबई। होम टेक्सटाइल, होम डेकोर, फर्नीचर, हाउसवेयर और उपहारों के लिए देश के अग्रणी द्वि-वार्षिक व्यापार शो एचजीएच इंडिया ने मुंबई में अपने 17वें संस्करण का समापन किया, जिसमें होम और लाइफस्टाइल उद्योग तथा व्यापार से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली. बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 1 से 4 जुलाई तक आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम में 710 भारतीय शहरों और 32 देशों से 43,920 व्यापार से संबंधित आगंतुकों का स्वागत किया गया, जिसने घरेलू श्रेणी में नवाचारों के लिए भारत के प्रभावशाली मंच के रूप में अपनी स्थिति को स्पष्ट किया।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

प्राथमिक स्कूलों के विलय का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाएं की खारिज

महानगर संवाददाता
लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से स्कूलों के विलय मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने प्राथमिक स्कूलों के विलय के आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाओं को सोमवार को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों समेत एक अन्य याचिका पर यह फैसला सुनाया। इनमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था, जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है।

याचियों ने इसे मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला कहा था। साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूल दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया था। याचियों की ओर से खासतौर पर दलील दी गई थी कि स्कूलों को विलय करने का सरकार का आदेश, 6 से 14 साल के बच्चों के मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उलंघन करने वाला है। उधर, राज्य सरकार की ओर से याचिकाओं के विरोध में प्रमुख दलील दी गई कि विलय की कार्रवाई, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए बच्चों के हित में की जा रही है। सरकार ने ऐसे 18 प्राथमिक स्कूलों का हवाला दिया था, जिनमें एक भी विद्यार्थी नहीं है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिहाज से लिया गया निर्णय

कहा कि ऐसे स्कूलों का पास के स्कूलों में विलय करके शिक्षकों और अन्य सुविधाओं का बेहतर उपयोग किया जाएगा। सरकार ने पूरी तरह शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिहाज से ऐसे स्कूलों के विलय का निर्णय लिया। कोर्ट ने बीते शुक्रवार को सुनवाई के बाद में फैसला सुरक्षित कर लिया था। इसे सोमवार की दोपहर में सुनाया।

सरकार ने बंद कर दिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट : अखिलेश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि भाजपा के लोग जहां देखों जमीन कब्जा करने पहुंच जाते हैं। अयोध्या में लोगों के घर उजाड़े गए। उन्हें ठीक से मुआवजा भी नहीं मिला। गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर लोगों के घर उजाड़े गए।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार आस्था को व्यापार बना रही है। कारिडोर के नाम पर विरासत खत्म की जा रही है। गलियां खत्म की जा रही हैं। कारोबार या किसी भी प्रकार के आयोजन लोगों को आपस में जोड़ते हैं। मेले और पर्व हमें खुशियां देते हैं। लेकिन, ये लोग किसी को खुश नहीं देख सकते। इस सरकार में सभी अवैध काम हो रहे हैं। संगी साथी सब अवैध काम कर रहे हैं। आज पार्क, तालाब, ट्रस्टों में कब्जा किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने शिल्पग्राम में आयोजित किए गए तीन दिवसीय आम महोत्सव के आखिरी दिन आम लेने के लिए मची लूट पर सरकार की चुटकी ली। कहा कि यदि हादसे में किसी की मौत हो जाती, तो खबर बनती। ये सरकार किसी कार्यक्रम का आयोजन ठीक से नहीं कर पाती।

नालों का पानी सीधे नदियों में डाला जा रहा

उन्होंने आगे कहा कि पूरे प्रदेश के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए हैं। नालों का पानी और गंदगी सीधे नदियों में डाली जा रही है। बुंदेलखंड की नदियों को इतना खोद दिया गया कि हर जिले में सड़क पर, खेत के किनारे टीले बने हुए हैं। हमने सुना है कि नोएडा के लोगों की 'प्रति व्यक्ति आय' जापान के लोगों से ज्यादा है। ये लोग इस तरह के आंकड़े लेकर आते हैं।

जिले-जिले जाकर पौधे लगाएंगे योगी के मंत्री

अयोध्या-आजमगढ़ में सीएम, बाराबंकी में राज्यपाल करेंगी पौधरोपण

महानगर संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 9 जुलाई से पौधरोपण महाभियान-2025 शुरू होने जा रहा है। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके तहत एक दिन में पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सभी 75 जिलों में मंत्री पौधरोपण करेंगे। इससे पहले जनपदों में शासन स्तर के अधिकारियों को नोडल अफसर बनाया गया है। ये 8 जुलाई की सुबह जिलों में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेंगे। इसको लेकर वन विभाग के अधिकारी विभिन्न विभागों, मंत्रालयों से समन्वय स्थापित कर रहे हैं।

9 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण करेंगे। उनके साथ वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक मौजूद रहेंगे। वहीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी में पौधरोपण करेंगी। इस मौके पर राज्यमंत्री सतीश शर्मा मौजूद रहेंगे। इसके अलावा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य- मेरठ और ब्रजेश पाठक- लखनऊ में पौधे लगाएंगे। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना- शाहजहांपुर, सूर्यप्रताप शाही- अयोध्या, स्वतंत्र देव सिंह- गोरखपुर, बेबीरानी मौर्य- अलीगढ़, चौधरी लक्ष्मी नारायण- मथुरा, जयवीर सिंह- मैनपुरी, धर्मपाल सिंह- बरेली, नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी'- प्रयागराज, अनिल राजभर- आजमगढ़, राकेश सचान- कानपुर देहात, एके शर्मा- जौनपुर, योगेंद्र उपाध्याय- आगरा, आशीष पटेल- मीरजापुर, डॉ. संजय निषाद- अंबेडकरनगर में पौधारोपण करेंगे।

वहीं ओमप्रकाश राजभर- गाजीपुर, दारा सिंह चौहान- देवरिया, सुनील कुमार शर्मा- गाजियाबाद और अनिल कुमार- बिजनौर में पौधरोपण करेंगे। सात ही राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल- कानपुर नगर, कपिलदेव अग्रवाल- मुजफ्फरनगर, रविंद्र जायसवाल- वाराणसी, संदीप सिंह- एटा, गुलाब देवी- संभल, गिरीश यादव- प्रतापगढ़, धर्मवीर प्रजापति- झांसी, असीम अरुण- कन्नौज, जेपीएस राठौर- मुरादाबाद, दयाशंकर सिंह- बलिया, नरेंद्र कश्यप- हापुड़, दिनेश प्रताप सिंह- रायबरेली, दयाशंकर मिश्र दयालु- चंदौली में पौधरोपण महाभियान का हिस्सा बनेंगे।

यूपी बोर्ड देगा अब छात्रों को नया होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) अब छात्रों के पूर्ण विकास को देखेगा। इससे कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को पारंपरिक मार्कशीट के साथ एक नया "होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड" भी मिलेगा। इस कार्ड में सिर्फ उनके शैक्षिक प्रदर्शन की ही जानकारी नहीं होगी, बल्कि उनकी अन्य गतिविधियों जैसे- खेल, कला, व्यवहार, नेतृत्व क्षमता और समाजिक सोच को भी शामिल किया जाएगा. इसका उद्देश्य छात्रों के सभी पहलुओं का सही मूल्यांकन करना है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड को तैयार करने के लिए एक खास योजना बनाई गई है। इसके लिए NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) और यूपी बोर्ड मिलकर काम कर रहे हैं। 7 से 11 जुलाई तक प्रयागराज के झूंसी में गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में एक कार्यशाला (ट्रेनिंग कैंप) चलाई जा रही है। इस कार्यशाला में एनसीईआरटी के जानकार (रिसोर्स पर्सन) करीब 60 अधिकारियों और विशेषज्ञों को प्रशिक्षण देंगे, ताकि वे इस नए प्रोग्रेस कार्ड को बेहतर ढंग से समझ सकें और लागू कर सकें। कार्यशाला का उद्देश्य यूपी बोर्ड की परीक्षा प्रणाली को अन्य राष्ट्रीय बोड्र्स की तर्ज पर और अधिक प्रभावी व समकालीन बनाना है। इसके तहत हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की रूपरेखा भी नए सिरे से तैयार की जाएगी। प्रश्नपत्रों के मानकीकरण और गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश भी तैयार किए जाएंगे।

निषाद पार्टी बढ़ा सकती है भाजपा की मुश्किल!

महानगर संवाददाता
गोरखपुर

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव के पहले एनडीए की सहयोगी दल निषाद पार्टी में एक बार फिर से संबंधित जातियों के आरक्षण की मांग उठने लगी है। इसे लेकर निषाद पार्टी के दफ्तर के सामने पोस्टर लगाए गए हैं। जिसमें आरक्षण की मांग की गई है। पार्टी के मुखिया और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने उम्मीद जताई है जल्द ही सरकार आरक्षण की मांग को पूरा करेगी।

दरअसल निषाद पार्टी के मुखिया संजय निषाद अपने से संबंधित जातियों का ओबीसी से एससी में आरक्षण देने की मांग लंबे समय से उठा रहे हैं। बीजेपी ने अलग-अलग समय पर वादा भी किया है लेकिन, लगभग भाजपा के साथ रहते हुए 6 साल का वक्त होने के बावजूद अभी तक की मांग पूरी नहीं हुई है।

सरकार से की आरक्षण की मांग

इस मामले पर संजय निषाद ने कहा कि केवट, मल्लाह, बिंद रैकवार, बाथम, मांझी, जातियों को पिछड़ी जातियों में आरक्षण खारिज कर मझवार आरक्षण देना होगा। उन्होंने कहा कि इस आरक्षण के न लागू होने के कारण इन जातियों ने 2024 में अपनी नाराजगी वोट के माध्यम से दिखाई जिस कारण भारतीय जनता पार्टी को बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा था। संजय निषाद ने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी के मित्र हैं और भाजपा अपने मित्रों का ख्याल रखती है इसलिए भाजपा यह आरक्षण 2027 चुनाव के पहले जारी करेगी।

बिजली निगम के एसडीओ की कार से टकराई बाइक, चार लोगों की मौत

गोरखपुर। बिजली निगम के एसडीओ विपिन सिंह की कार और एक बाइक की रविवार को गाजीपुर के जंगीपुरा थानाक्षेत्र में भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल था। इलाज के दौरान इसकी भी मौत हो गई। एसडीओ सुबह वाराणसी से वापस गोरखपुर लौट रहे थे कि इसी दौरान हादसा हो गया।

विपिन सिंह विद्युत विभाग में एसडीओ हैं। गोरखपुर कार्यालय से तीन दिन के अवकाश पर वाराणसी गए थे। बताया जाता है कि रविवार को वापस गोरखपुर लौटने के दौरान अचानक जंगीपुर में एक बाइक सवार से उनकी कार की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि विपिन सिंह की कार का एयरबैग खुल गया। बैग खुलने से अचानक गाड़ी अनियंत्रित हो गई और पास में खड़े ट्रक से जा भिड़ी। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

जंगीपुर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घायलों को जिला हॉस्पिटल गाजीपुर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने संजीत पाल, चंद्र ज्योति और अश्विन पाल को मृत घोषित कर दिया। कुंती पाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। संजीत पाल, चंद्र ज्योति और अश्विन पाल नसीरपुर, कोतवाली गाजीपुर के रहने वाले थे। कुंती पाल बांसुचक, रामपुर मांझा की निवासी थी। एसओ जंगीपुर ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की जान गई है। गोरखपुर में बिजली विभाग के किसी अधिकारी की कार बताई जा रही है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को इलाहाबाद कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनकी डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दी थी। अधिवक्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ कर रही है।

दिवाकर त्रिपाठी ने केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन दाखिल किया था, जिसे कोर्ट ने सुनवाई के बाद 25 मई को आर्डर रिजर्व कर लिया था। सोमवार को क्रिमिनल रिवीजन याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

यह याचिका चुनाव लड़ने के लिए फर्जी शैक्षणिक डिग्री जमा करने के आरोपों पर आधारित थी। न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ ने 25 मई को सुरक्षित किए गए आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका में लगाए गए आरोपों में कोई दम नहीं है।

दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि केशव प्रसाद मौर्य ने अमान्य डिग्री पर चुनाव में हलफनामा दायर करने के साथ ही पेट्रोल पंप आवंटित कराया। इसलिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना की जाए। इससे पहले जिला अदालत ने भी इस याचिका को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट द्वारा भी याचिका खारिज होने के बाद दिवाकर नाथ त्रिपाठी सुप्रीम कोर्ट चले गए थे, जिसने हाई कोर्ट को यह मामला सुनने के लिए निर्देशित किया था। हाईकोर्ट के इस निर्णय को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ इससे पहले भी कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनमें उनकी डिग्री को फर्जी बताया गया था।

झाड़-फूंक करने वाले ने महिला को पीटा, मौत

आजमगढ़। तहबरपुर थाना क्षेत्र के नयापुरा निवासी अनुराधा (35) पत्नी रंजीत यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला एक माह से अपने मायके कंधरापुर थाना क्षेत्र के पहलवानपुर गांव में पिता बलिराम यादव के घर रह रही थी। बताया जा रहा है कि उसकी कोई संतान नहीं थी, जिसे लेकर वह मानसिक तनाव में रहती थी। इस बीच गांव के ही एक कथित सोखा चंदू ने 22000 रुपये लेकर महिला को संतान होने की गारंटी दी थी। रविवार की रात उसने झाड़फूंक के नाम पर महिला को न सिर्फ पीटा बल्कि गला दबाया और कथित रूप से नाबदान का गंदा पानी भी पिला दिया।

महिला की हालत बिगड़ने पर आरोपी उसे ऑटो से लेकर जिला अस्पताल पहुंचा, लेकिन चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बावजूद सोखा चंदू महिला को घर लाकर कहता रहा कि वह बेहोश है, होश में आने पर मायके भेज देंगे। देर रात जब महिला की मौत की सूचना परिजनों और ग्रामीणों को हुई तो गांव में हड़कंप मच गया।

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र स्थित सैदपुर चौकी के पास रविवार देर रात पुलिस चेकिंग के दौरान बाइक सवार तीन बदमाश बैरियर तोड़कर भागने लगे। सूचना पर सक्रिय हुई करेली पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने घेराबंदी कर उन्हें रोकने की कोशिश की, जिस पर बदमाशों ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी जिसका का नाम शाकिर है। उसके साथ ही दो अन्य बदमाशों को दबोच लिया गया। बदमाशों के पास से अवैध पिस्टल और चोरी की बाइक बरामद की गई है। पकड़े गए सभी आरोपी घरों में घुसकर डकैती और चोरी जैसे गंभीर मामलों में वांछित थे।

शादी से बचने के लिए युवक ने खुद को ही कर लिया किडनैप

महानगर संवाददाता
अमरोहा

जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां प्रेमिका के शादी का दबाव बनाने से परेशान युवक ने एक ऐसा प्लान बनाया जिसे जानकर हर कोई हैरान रह गया है। दरअसल युवक ने शादी से बचने के लिए खुद के ही अपहरण की कहानी रच डाली। यहां तक कि अपने परिवार से 5 लाख की फिरौती भी मांगी। हालांकि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया।

ये मामला रहरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के मुताबिक बीती 5 जुलाई को थाना क्षेत्र के गांव गंगेश्वरी के रहने वाले अरविंद ने थाने पर तहरीर दी कि दो जुलाई से हरिओम घर से लापता है। काफा ढूंढने के बाद भी उसका पता नहीं चल सका है। किसी ने उसके भाई हरिओम सैनी का अपहरण कर लिया गया है। अरविंद के मुताबिक व्हाट्सएप कॉल के जरिए आरोपी पांच लाख रुपये की फिरौती मांग रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद थाना पुलिस व सर्विलांस टीम ने मामले में जांच पड़ताल शुरू की। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को पता चला कि हरिओम गुरुग्राम में छिपा बैठा है। पुलिस ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान हरिओम ने पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी दी।

अवैध धर्मांतरण के सरगना जमालुद्दीन ने बनाई करोड़ों की प्रॉपर्टी

महानगर संवाददाता
लखनऊ

यूपी में अवैध धर्मांतरण के नेक्सस को चला रहे जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक अवैध धर्मांतरण के नेक्सस को चला रहे जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने पुणे में करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई थी। उसने लोनावला में 16 करोड़ की प्रॉपर्टी रुपये की प्रॉपर्टी खरीदी थी। एसटीएफ के मुताबिक छांगुर बाबा के नेटवर्क को विदेशों से फंडिंग मिल रही थी।

बताया जा रहा है कि छांगुर ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पूरा नेक्सस चला रहा था। उसने पुणे में करोड़ों की प्रॉपर्टी में नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन और अपने गुर्गे मोहम्मद अहमद खान को भी पार्टनर बनाया था। इसी डील में बलरामपुर के सीजेएम कोर्ट में तैनात क्लर्क राजेश उपाध्याय की पत्नी संगीता को प्रॉफिट का शेयर होल्डर बनाया गया था। छांगुर बाबा के खिलाफ आवाज उठाने वालों के लिए कोर्ट से केस दर्ज करने के नेटवर्क में राजेश उपाध्याय मददगार था। उसके बदले में बाबा ने उसकी पत्नी को पुणे की प्रॉपर्टी का शेयर होल्डर बना दिया था। एटीएस की रिपोर्ट में बाबा को लेकर कई और बड़े खुलासे हुए हैं। उसके धर्मांतरण के गैंग में 18 सदस्य शामिल हैं, जिसमें अब तक छांगुर समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि 14 अन्य की तलाश जारी है। जांच में पता चला है कि छांगुर बाबा का गोंडा, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, औरैया व पुणे से जुड़ाव रहा है. उसने धर्मांतरण के काम करने के लिए तहसील और न्यायालयों तक साजिशों की जड़े जमाई हुई थीं।

खड़े ट्रक में जा घुसी कार, दो की मौत, दो घायल

गजरौला। खड़े ट्रक में कार घुसने से स्पेशल ब्रांच के सिपाही जावेद जव्वाद जैदी (38) और उनकी पत्नी उर्शी (35) की मौत हो गई। उनके दो बेटे घायल हो गए। हादसा हाईवे पर दोपहर तीन बजे हुआ। पुलिस ने कार व ट्रक कब्जे में ले लिए। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के कस्बा खतौली निवासी जावेद जव्वाद जैदी खुफिया विभाग की स्पेशल ब्रांच में अमरोहा ऑफिस में तैनात थे। वह हेड मुख्य आरक्षी थे। सोमवार को कार से अपने घर से लौट रहे थे। कार में उनकी पत्नी उर्शी (35) व दो बेटे थे। उनकी कार गजरौला में हाईवे पर केंद्रीय एवं वस्तु कर कार्यालय के सामने पहुंची थी। यहां पर ट्रक खड़ा था। जिसमें कार घुस गई। जिससे कार चला रहे जावेद जव्वाद जैदी, उनकी पत्नी उर्शी और दोनों बेटे घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में लाया गया। यहां पर जावेद जव्वाद जैदी, उनकी पत्नी उर्शी को मृत घोषित कर दिया गया। उनके दोनों बेटों को रेफर कर दिया गया। सीओ अंजलि कटारिया ने हादसे में मौत की पुष्टि की है।

मुहर्रम पर नजरबंद किए जाने पर भड़के राजाभैया के पिता

प्रतापगढ़। शासन प्रशासन सिर्फ दबाव मानता है। जिस समाज का दबाव बन गया, प्रशासन उसी की सुनता है। अभी वह एक समुदाय की सुन रहे हैं, क्योंकि हिंदुओं की तरफ से इस तरह से कोई दबाव नहीं है। दूसरे समुदाय से एक दम दब गए हैं। उक्त बातें प्रशासन द्वारा नजरबंद किए गए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजाभैया के पिता राजा उदय प्रताप सिंह ने कही। इस दौरान उन्होंने कई आरोप लगाए। निर्भय सिंह ने कड़ी सुरक्षा के बीच हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजन अर्चना किया।

भारत-रूस की 'दोस्ती' को मजबूत बना रही हिंदी

महानगर संवाददाता
वाराणसी

भारत और रूस के संबंधों को मजबूत बनाने का काम हिंदी भाषा कर रही है. इन दिनों रूस में हिंदी भाषा का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। वहां के छात्र मुंशी प्रेमचंद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, महादेवी वर्मा की किताबों को पढ़ने में खास रुचि दिखा रहे हैं।

इस ट्रेंड के बाबत काशी हिंदू विश्वविद्यालय और विद्यापीठ के प्रोफेसर रूस में जाकर हिंदी का ककहरा विद्यार्थियों को सिखा रहे हैं, जिसका परिणाम है कि रूस और भारत के बीच में हिंदी और रूसी भाषा को लेकर अप्रैल-2025 में MOU भी साइन किया गया है। इसके तहत अब विद्यापीठ के छात्र जहां रूस के साहित्य को उनकी लाइब्रेरी के जरिए पढ़ सकेंगे तो वहीं वहां की लाइब्रेरी की किताबें भी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रहेंगी। इस एमओयू के तहत संस्कृत भाषा साहित्य का भी आदान-प्रदान किया जाएगा।

संस्कृत साहित्य का भी होगा आदान-प्रदान

बता दें कि, रूस और भारत के बीच पुराना संबंध है। अब इस संबंध को प्रगाढ़ करने का काम हिंदी भाषा कर रही है। रूसी बच्चों में हिंदी का क्रेज बढ़ रहा है, जिसको देखते हुए वहां पर हिंदी को लेकर के एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया था, जिसमें भारत से काशी हिंदू विश्वविद्यालय एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से दो प्रोफेसर प्रोफेसर सत्यपाल शर्मा और डॉ. नीरज धनखड़ को आमंत्रित किया गया था। जहां इन दोनों भारतीय शिक्षकों ने रूसी स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर ह्यूमैनिटीज के अंतर्राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र द्वारा भाषा विज्ञान प्रोफाइल पर बच्चों को शिक्षा दी और उन्हें हिंदी ट्रांसलेशन के बारे में बताया।

अब रूसी लाइब्रेरी की किताबों को पढ़ सकेंगे विद्यापीठ के छात्रः डॉ. नीरज धनखड़ ने बताया कि समय-समय पर रूसी छात्रों का दल भारत में यहां के संस्कृत साहित्य परंपराओं को स्थान पर जाकर के समझता है। यहां के विद्यार्थियों को भी रूस के साहित्य का ज्ञान मिल सके लाभ मिल सके उसको लेकर रूस भारत के विश्वविद्यालय के मध्य एक MOU साइन किया गया है, जो संस्कृति और साहित्य का आदान-प्रदान कर रहा है। ये MOU रशियन स्टेट लाइब्रेरी फॉर यंग एडल्ट एवं डॉ भगवान दास केंद्रीय पुस्तकालय के बीच अप्रैल में साइन हुआ है, जिसमें विद्यार्थी रूस की लाइब्रेरी का रजिस्ट्रेशन करके वहां का हिस्सा बन सकते हैं, वहां की किताबों को पढ़ सकते हैं।

हिंदी पढ़ने को आगे आ रहे रशियन बच्चे

इस बारे में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी के प्रोफेसर सत्यपाल शर्मा ने बताया कि हिंदी भाषा की बारीकियां को रूसी बच्चों को समझने के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया था, जिसमें उन्हें आमंत्रित किया गया था। इस संबंध में वह पिछले दिनों रूस गए थे। उन्होंने जो रशियन बच्चे हिंदी पढ़ रहे हैं, उन्हें हिंदी के बारे में बताया और समझाया कि हिंदी कविता को कैसे पढ़ना है? कैसे उसका उच्चारण करें? एक सप्ताह की यह कार्यशाला थी, जहां उन्होंने रशियन बच्चों को हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताया। उनसे बातचीत करके यह पता चला कि वह हिंदी को न सिर्फ अच्छे से बोल और समझ रहे हैं, बल्कि हिंदी साहित्य का ट्रांसलेशन भी कर रहे हैं जो अपने आप में अनूठा है। उन्होंने अपने अलग-अलग साहित्य लिखे हैं, जिसमें उन्होंने वोल्गा से लेकर गंगा तक की कहानी को बताया है।

यूपी पंचायत चुनाव : आरक्षण से पहले तय करना होगा आधार वर्ष

लखनऊ। आने वाले चुनाव में हमारी ग्राम पंचायत, क्षेत्र या जिला पंचायत किस वर्ग के लिए आरक्षित होगी? हर ग्रामीण के मन में इसे जानने की प्रबल इच्छा है। लेकिन, यह तय होगा आरक्षण के लिए निर्धारित किए जाने वाले आधार वर्ष से। माना जा रहा है कि इसके लिए इस माह के अंत तक पंचायतीराज विभाग कैबिनेट में प्रस्ताव लेकर जाएगा।

इसे ऐसे समझ सकते हैं कि आधार वर्ष में जो सीट जिस वर्ग के लिए आरक्षित थी, वर्ष 2026 में होने वाले चुनाव में वो सीट यथासंभव उस वर्ग को नहीं मिलेगी। वर्ष 2021 के त्रिस्तरीय चुनाव में 2015 को आधार वर्ष माना गया था। यानी, 2015 में जो सीट जिस वर्ग के लिए आरक्षित थी वह 2021 में उस वर्ग के लोगों को उस सीट पर चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला।

जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के पंचायत चुनाव के लिए आधार वर्ष 2021 का चुनाव माना जाए या 2015 का चुनाव या फिर उससे पहले का कोई वर्ष, इसका निर्धारण होना शेष है। इसके बाद ही आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हो सकेगी।

'सामान पैक कर लिया है सरकारी आवास छोड़ दूंगा'

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बयान

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सरकारी आवास में तय समय से अधिक समय तक रहने को लेकर उठे विवाद के बाद मचे बवाल पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को विराम लगा दिया। पूर्व सीजेआई ने स्थिति साफ करते हुए कहा कि उनका सामान पैक कर दिया गया है। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जल्द ही दूसरे सरकारी आवास में चले जाएंगे, जिसका खर्च वह खुद वहन करेंगे। डीवाई चंद्रचूड़, उनकी पत्नी कल्पना, बेटियां प्रियंका और माही (दोनों ही दिव्यांग हैं) नई दिल्ली के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित सीजेआई के आधिकारिक आवास में रह रहे थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बंगले में तय समय से अधिक समय तक रहने के कारणों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, "हमने अपना सामान पैक कर लिया है। हमारा सामान पहले से ही पूरी तरह से पैक है। कुछ सामान पहले ही नए घर में जा चुका है और कुछ वहां स्टोररूम में रखा हुआ है।' देश 50वें सीजेआई 8 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। वे कथित तौर पर निर्धारित समय से अधिक समय तक रहने के कारण आधिकारिक बंगला खाली करने के लिए केंद्र को सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के पत्र का जवाब दे रहे थे। पूर्व सीजेआई ने विवाद पर दुख जाहिर किया और अपनी बेटियों की सेहत का जिक्र किया, जिन्हें व्हीलचेयर-फ्रेंडली घर की जरूरत थी।

उन्होंने कहा, 'मैं आपको नहीं बताऊंगा कि मैं कैसा महसूस करता हूं, लेकिन आप खुद कल्पना कर सकते हैं कि मैं इसके बारे में कैसा महसूस कर रहा हूं। एक बात जो मैं बताना चाहूंगा, वह यह है कि हम दो बच्चों, प्रियंका और माही के माता-पिता हैं। वे खास बच्चे हैं और उनकी विशेष जरूरतें हैं।

उन्हें नेमालाइन मायोपैथी नाम की एक बीमारी है। आप जानते हैं, यह एक बहुत ही दुर्लभ आनुवांशिक विकार है, जो मांसपेशियों को प्रभावित करता है।'

भोपाल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

डायरेक्टर को भेजे ई-मेल की जांच में जुटी टीम

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल मिलते ही सनसनी फैल गई। ये ईमेल रविवार को एयरपोर्ट डायरेक्टर को भेजा गया। इसमें बताया गया कि एयरपोर्ट परिसर में विस्फोटक उपकरण लगाए गए हैं और किसी भी वक्त विस्फोट कर एयरपोर्ट को उड़ा दिया जा सकता है।

बता दें कि बीते कुछ महीनों से लगातार भोपाल में अलग-अलग जगह बम उड़ाने की धमकी मिल रही है। ये चौथी धमकी है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने भोपाल के गांधीनगर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। गांधीनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (IPC) और विमानन सुरक्षा नियमों के तहत आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है। बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने ऐहतियातन जांच की। हालांकि एयरपोर्ट पर संचालन नहीं रोका गया। पुलिस और साइबर सेल की टीमें अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। बीते कुछ महीनों में भोपाल में यह चौथी ऐसी घटना है, जहां एयरपोर्ट सहित अन्य स्थानों जैसे निजी लैब और स्कूलों को भी बम की धमकियां मिल चुकी हैं। जो बाद में फर्जी साबित हुई थीं। हाल के महीनों में देश के कई अन्य हवाई अड्डों जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता को भी इसी तरह की धमकियां मिली हैं, जो जांच में फर्जी पाई गई थीं।

इसरो प्रमुख को शुभांशु ने किया फोन

ISS तक सुरक्षित यात्रा के लिए कहा- शुक्रिया

महानगर नेटवर्क
बंगलूरू

भारतीय अंतरिक्ष यात्री (गगनयात्री) शुभांशु शुक्ला, जो इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद हैं, ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अध्यक्ष वी. नारायणन को फोन कर अपनी अंतरिक्ष यात्रा के लिए उनके और पूरी इसरो टीम के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पहुंचे हैं। इसरो ने बताया कि यह फोन कॉल 6 जुलाई की दोपहर को हुआ था। इस बातचीत में इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शुभांशु शुक्ला का हालचाल पूछा और यह जानना चाहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर कौन-कौन से वैज्ञानिक प्रयोग और गतिविधियां चल रही हैं। इसरो प्रमुख ने यह भी कहा कि पृथ्वी पर लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला को सभी प्रयोगों और अनुभवों को विस्तार से दस्तावेज के रूप में तैयार करना चाहिए, ताकि भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए, महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकें। इसरो ने बताया कि गगनयान मिशन का उद्देश्य भारत की यह क्षमता साबित करना है कि वह अपने दम पर इंसानों को लो-अर्थ ऑर्बिट (पृथ्वी की निचली कक्षा) में भेज सकता है। शुक्ला का यह मिशन इसरो और अमेरिकी कंपनी एक्सिओम स्पेस के सहयोग से संभव हुआ है।

इस फोन कॉल के दौरान इसरो के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे, जिसमें (1) डॉ. उन्नीकृष्णन नायर, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) के निदेशक और मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रोग्राम मैनेजमेंट काउंसिल के चेयरमैन; (2) एम. मोहन, लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक; (3) पद्मकुमार ई. एस., इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट (आईआईएसयू) के निदेशक; (4) एम. गणेश पिल्लई, (5) इसरो के वैज्ञानिक सचिव और एलपीएससी के पूर्व निदेशक एन. वेदाचलम भी शामिल रहे। इसरो प्रमुख वी. नारायणन से बातचीत के दौरान शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष स्टेशन पर चल रहे तमाम प्रयोगों की प्रगति की जानकारी भी साझा की और बताया कि ये किन वैज्ञानिक लक्ष्यों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं और किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

दुनिया में किरकिरी के बाद सफाई देते फिर रहे आसिम मुनीर

चीन-तुर्किये के समर्थन की बात से भी मुकरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इन दिनों जहां-तहां सफाई देते घूम रहे हैं। वजह है मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कथित तौर पर चीन और तुर्किये से मिले समर्थन की खबरें। पूरी दुनिया में पाकिस्तान की इस बात को लेकर जमकर किरकिरी हो रही है कि वह अकेले भारत का सामना नहीं कर सकता और उसे चीन-तुर्किये जैसे देशों की मदद लेनी पड़ी। अब जनरल मुनीर इन आरोपों को खारिज कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने अकेले दम पर भारत का मुकाबला किया, किसी बाहरी देश की कोई मदद नहीं मिली। इस्लामाबाद में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में जनरल आसिम मुनीर ने कहा कि भारत का यह कहना कि पाकिस्तान को किसी बाहरी देश से समर्थन मिला, पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सैन्य ताकत उसकी अपनी मेहनत और रणनीतिक क्षमता का नतीजा है, जिसे दशकों में विकसित किया गया है। जनरल मुनीर की ये सफाई भारत के उस बयान के बाद आई है जिसमें भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को हर तरह से समर्थन दिया। भारत ने यह भी कहा था कि तुर्किये ने भी पाकिस्तान को सैन्य साजो-सामान मुहैया कराया। मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान की कामयाबी उसकी अपनी क्षमता और मजबूत संस्थागत ढांचे की वजह से है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सैन्य ताकत किसी पर निर्भर नहीं है और भारत को यह बात स्वीकार करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने भारत पर 'कैम्प पॉलिटिक्स' यानी गुटबाजी करने का आरोप भी लगाया। मुनीर ने साफ चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान की सीमाओं, आबादी या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया गया तो तुरंत और करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि युद्ध सिर्फ मीडिया में बयानबाजी और दिखावटी हथियारों से नहीं, बल्कि भरोसे, पेशेवर क्षमता और राष्ट्रीय जज्बे से जीते जाते हैं। भारत ने मई में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इस दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए।

अभी जेल में रहेगी ज्योति मल्होत्रा

कोर्ट ने बढ़ाई न्यायिक हिरासत | वकील बोले- जमानत याचिका दायर करेंगे

महानगर नेटवर्क
हिसार

सोमवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति मल्होत्रा की न्यायिक हिरासत को कोर्ट ने 14 दिन और बढ़ा दिया है। ज्योति को जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। हिसार पुलिस ने 'ट्रैवल विद जो' नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा को 16 मई को गिरफ्तार किया था। हिसार की रहने वाली इस यूट्यूबर को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि उनकी न्यायिक हिरासत को 14 दिन और बढ़ा दिया गया है और अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई निर्धारित की गई है। 33 वर्षीय यूट्यूबर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश हुई। 9 जून को यहां एक अन्य अदालत ने

उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पुलिस ने जमानत का विरोध करते हुए तर्क दिया था कि इस मामले की जांच अभी जारी है। 16 मई को गिरफ्तारी के बाद ज्योति को अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद पुलिस ने उनसे और पूछताछ के लिए चार दिन की अतिरिक्त हिरासत मांगी, जिसे अदालत ने मंजूर किया। 26 मई को अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा, जिसे बाद में बढ़ाया गया। हिसार पुलिस ने पहले कहा था कि ज्योति के पास सैन्य या रक्षा से संबंधित कोई जानकारी होने का कोई सबूत नहीं मिला है, लेकिन दावा किया कि वह कुछ लोगों के संपर्क में थी और उसे पता था कि वे पाकिस्तानी खुफिया एजेंट हैं। पुलिस सूत्रों ने पहले बताया था कि ज्योति नवंबर 2023 से पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थी। भारत ने 13 मई को दानिश को जासूसी के आरोप में निष्कासित कर दिया था। पुलिस ने मई में दावा किया था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंट ज्योति को एक एसेट के रूप में विकसित कर रहे थे।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा को 7 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सिविल जज ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सुनील कुमार की अदालत में पेशी हुई, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

ब्रिटेन की मदद से स्वर्ण मंदिर में चला ऑपरेशन ब्लू स्टार

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

निशिकांत दुबे का बड़ा दावा

बीजेपी के झारखंड से सांसद निशिकांत दुबे ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 1984 में अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में ऑपरेशन ब्लू स्टार को भारत ने अकेले नहीं,ब्रिटेन की मदद से अंजाम दिया था। उन्होंने अपने एक एक्स पोस्ट में यह दावा किया है। दुबे ने लिखा कि कांग्रेस ने सिख समुदाय के साथ बार-बार राजनीतिक छल किया है। पार्टी ने सिखों को केवल राजनीतिक खिलौना समझा है। एक्स पोस्ट में दुबे ने लिखा कि 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ब्रिटेन की मदद से स्वर्ण मंदिर परिसर में सैन्य कार्रवाई करवाई थी। ब्रिटेन की सेना के अधिकारी उस समय अमृतसर में मौजूद थे। निशिकांत दुबे ने आगे कहा कि 1960 में पाकिस्तान को करतारपुर साहिब देने का फैसला तत्कालीन मंत्री सरदार स्वर्ण सिंह द्वारा एक समझौते के तहत किया गया, जिससे सिखों के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल विदेशी जमीन पर चला गया। बीजेपी सांसद ने आरोप लगाया कि 1984 में स्वर्ण मंदिर पर हमले और निर्दोष श्रद्धालुओं की मौत के समय कांग्रेस ने जानबूझकर ज्ञानी जैल सिंह को राष्ट्रपति बनाया था।

जंग के बाद ईरान का लाखों अफगानों को अल्टीमेटम

देश छोड़ो या अरेस्ट

तेहरान। इजरायल के साथ 12 दिनों तक चले भीषण युद्ध और अमेरिका द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद ईरान ने अपने देश के भीतर सख्ती शुरू कर दी है। इस क्रम में ईरान सरकार ने लाखों अफगान शरणार्थियों और प्रवासियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। तय समयसीमा 6 जुलाई को खत्म हो चुकी है, जिसके बाद देश में रह रहे वाले अवैध अफगानों को कभी भी गिरफ्तार कर निकाला जा सकता है। ईरान में इस समय करीब 40 लाख अफगान नागरिक रह रहे हैं, जिनमें से कई वर्षों से वहीं बसे हुए हैं। लेकिन अब सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए उन पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है।

ईरानी सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहाजरानी ने कहा, "हम हमेशा अच्छे मेजबान बनने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। अवैध रूप से रहने वाले लोगों को वापस जाना ही होगा।" अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल के साथ हालिया तनाव के बीच ईरान ने "ऑपरेशन मिडनाइट हैमर" के बाद अवैध विदेशियों के खिलाफ कदम तेज कर दिए हैं।

'आप मंत्री हैं राजा नहीं.. संवैधानिक पद पर हैं सिंहासन पर नहीं...'

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रिजिजू पर भड़के ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के एक बयान पर जोरदार पलटवार किया है। रिजिजू ने कहा था कि भारत अकेला ऐसा देश है, जहां अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों से ज्यादा फायदे और सुरक्षा मिलती है। ओवैसी ने रिजिजू के इस बयान को गलत बताते हुए आरोप लगाया कि भारत में अल्पसंख्यक अब दोयम दर्जे के नागरिक भी नहीं हैं, बल्कि बंधक हैं। ओवैसी और रिजिजू के बीच यह बहस एक अखबार में छपे इंटरव्यू के बाद शुरू हुई। ओवैसी ने सोशल मीडिया पर रिजिजू के बयान को शेयर करते हुए अपनी बौखलाहट जाहिर की है।

दरअसल, रिजिजू ने एक इंटरव्यू में कहा था कि भारत में अल्पसंख्यक को बहुसंख्यकों से ज्यादा सुविधाएं मिलती हैं। इस पर हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या हर रोज पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, जिहादी या रोहिंग्या कहलाना 'फायदा' है? क्या लिंचिंग होना 'सुरक्षा' है? क्या भारतीय नागरिकों को अपहरण करके बांग्लादेश में धकेल दिया जाना 'सुरक्षा' है? बता दें कि खुद केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू भी अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं। रिजिजू ने अपने इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत की बात की थी। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने 'भागीदारी से भाग्योदय' के मंत्र को अपनाया है। इससे शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और समावेश पर ध्यान दिया जा रहा है। रिजिजू ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों से ज्यादा फंड और मदद दे रही है। उन्होंने कहा, 'हिंदुओं को जो मिलता है, वह अल्पसंख्यकों को भी मिलता है। लेकिन अल्पसंख्यकों को जो मिलता है, वह हिंदुओं को नहीं मिलता।'

अब्राहम अकॉर्ड वाले दांव से टूट रहा फिलिस्तीन!

महानगर नेटवर्क
येरूशलम

बड़ा गुट बोला- हम इजरायल संग जाने को तैयार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अब्राहम अकॉर्ड की बात कर रहे हैं। इसके जरिए इजरायल को इस्लामिक देशों से ही मान्यता दिलाने की कोशिश है। 2020 में संयुक्त अरब अमीरात, सूडान, बहरीन और मोरक्को ने इजरायल के साथ अब्राहम अकॉर्ड पर साइन किए थे। अब चर्चा है कि सीरिया और लेबनान भी इसका हिस्सा बन सकते हैं। यही नहीं इस बीच फिलिस्तीन के भी एक बड़े गुट ने कहा है कि हम इजरायल के साथ अब्राहम अकॉर्ड में जाने के लिए तैयार हैं। यह गुट है, शेख वादी अल जाबारी के नेतृत्व वाला हेब्रोन गुट। जाबारी को अबू सनद के नाम से भी जाना जाता है। जाबारी का कहना है कि हम शांति के साथ रहना चाहते हैं। येरूशलम से दक्षिण में स्थित हेब्रोन शहर के सबसे प्रभावशाली गुट का नेतृत्व करने वाले जाबारी गुट का कहना है कि वह इजरायल के साथ शांतिपूर्ण ढंग से रहना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि हम सह-अस्तित्व चाहते हैं। जाबारी ने कहा कि हम नहीं चाहते कि दोनों तरफ से एक-दूसरे को खत्म करने की कसमें खाई जाएं। फिलिस्तीन का हेब्रोन दूसरा सबसे बड़ा शहर है, जबकि सबसे बड़ी आबादी वाला इलाका गाजा है। गाजा पर हमास का शासन है, जबकि फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक इलाके में फिलिस्तीन अथॉरिटी का प्रशासन काम करता है।

शेख जाबारी के अलावा 4 और हेब्रोन शेखों ने प्रस्ताव पर साइन किए हैं। इन लोगों का कहना है कि हम यहूदी मुल्क के तौर पर इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि हम तो चाहते हैं कि हेब्रोन वेस्ट बैंक से अलग हो जाए और अपना अलग अमीरात बना ले। फिर हम अब्राहम अकॉर्ड में शामिल हो जाएं।

पार्टी आफिस के लिए किराए की मांग के खिलाफ AAP की याचिका

हाईकोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के विट्ठलभाई पटेल हाउस में पार्टी कार्यालय के लिए किराए की मांग के खिलाफ AAP की याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार से जवाब मांगा। जस्टिस सचिन दत्ता ने AAP की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

आम आदमी पार्टी ने अपने कार्यालय के लिए सुइट के आवंटन को रद्द करने को चुनौती दी है। अदालत ने अधिकारियों से दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। आम आदमी पार्टी के वकील ने अदालत से 20 जून को किराए की मांग करने वाले रिमाइंडर नोटिस पर रोक लगाने की गुजारिश की। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील ने कहा कि अगली सुनवाई तक इस बारे में कुछ नहीं होगा। केंद्र सरकार के वकील ने अपनी दलील में कहा कि मामले में कोई जल्दबाजी नहीं है क्योंकि यह केवल एक नोटिस है। सरकार सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम के तहत ही आगे बढ़ेगी। आम आदमी पार्टी का दावा है कि आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के संपदा निदेशालय का निर्णय एकपक्षीय था।

हिजबुल्लाह हथियार छोड़ सरेंडर करे...

महानगर नेटवर्क
लेबनान/वाशिंगटन

अमेरिका को 17 दिन बाद मिला ऐसा जवाब, बढ़ेगा तनाव

बीते 19 जून से अमेरिका लेबनान सरकार और ईरान समर्थित आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से कह रहा है कि अगर लेबनान को आर्थिक मदद चाहिए, तो हिजबुल्लाह को हथियार छोड़ने होंगे। अब 17 दिन बाद, लेबनान ने अमेरिका को उसका जवाब सौंप दिया है। सात पन्नों की इस रिपोर्ट को अमेरिका ने संतुलित और संतुष्ट भरा बताया है। अमेरिका इस जवाब से खुश है। लेकिन दूसरी तरफ, हिजबुल्लाह अभी भी जिद पर अड़ा हुआ है। उसने कहा है कि जब तक इजरायल लेबनान से पीछे नहीं हटता, हम हथियार नहीं छोड़ेंगे। अमेरिकी विशेष दूत टॉम बैरक ने सोमवार को कहा कि उन्हें लेबनान सरकार से हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर मिले जवाब से गहरा संतोष है। उन्होंने इसे "शानदार और जटिल परिस्थिति में मिली अहम प्रतिक्रिया" बताया। टॉम बैरक ने पिछले महीने लेबनान को एक प्रस्ताव सौंपा था, जिसका मकसद था- हिजबुल्लाह को हथियार डालने के लिए तैयार करना, साथ ही लेबनान को आर्थिक सुधारों की राह पर लाना, ताकि वह 6 साल से जारी सबसे बड़े आर्थिक संकट से उबर सके। हिजबुल्लाह की ओर से हथियार न छोड़ने का संकेत मिलने के बाद क्षेत्र में फिर से इजराइल-लेबनान युद्ध छिड़ने की आशंका है। नवंबर में हुए अमेरिका-प्रायोजित संघर्षविराम के बावजूद तनाव बना हुआ है। हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच युद्ध में लेबनान में 4,000 से ज्यादा मौतें हुई हैं। करीब 11 बिलियन डॉलर की तबाही हुई।

इच्छा जताने में तो कोई बुराई नहीं है

सीएम बनाने की मांगों पर बोले डीके शिवकुमार

नई दिल्ली। कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की रेस फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। अब राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि वह संतों और पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा का सम्मान करते हैं। दरअसल, रंभापुरी पीठ के संत राजदेशीकेंद्र शिवाचार्य ने कहा कि कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत के बाद शिवकुमार को और अधिक प्रमुख भूमिका मिलनी चाहिए थी।

वहीं, शिवकुमार ने संयमित रुख अपनाते हुए कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं और संतों की इच्छाओं का सम्मान करते हैं लेकिन वह कांग्रेस आलाकमान के निर्णय का पालन करेंगे। शिवकुमार कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। राजनीतिक हलकों, विशेष रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कुछ समय से इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद में बदलाव हो सकता है। इसका कारण मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के बीच हुए कथित सत्ता साझाकरण समझौते को बताया जा रहा है।

बांग्लादेश संकट जैसे हालात

म्यांमार में आपसी झड़प के बाद भारत में घुसे हजारों शरणार्थी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में चल रहे संकट के बीच कई हजार शरणार्थी सीमावर्ती राज्य मिजोरम में घुस आए हैं। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक पड़ोसी देश में दो जुंटा विरोधी सशस्त्र समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद हजारों की संख्या में शरणार्थी पूर्ववर्ती राज्य मिजोरम की सीमा में दाखिल हो गए। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि म्यांमार में संकट बढ़ रहा है क्योंकि वहां पर उत्तर-पश्चिमी चिन राज्य में रणनीतिक नियंत्रण के लिए लगातार दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच में संघर्ष चल रहा है। चिन नेशनल डिफेंस

फोर्स और चिनलैंड डिफेंस फोर्स लगातार एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं। एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि दोनों समूहों के बीच लड़ाई शुरू होने के बाद से अभी तक करीब 4 हजार शरणार्थी सीमा पार करके भारत में आ चुके हैं।

आपको बता दें मिजोरम में सीमावर्ती क्षेत्रों में चिन समुदाय की संख्या अधिक है और यह लोग म्यांमार में रहने वाले चिन लोगों से जातीय संबंध साझा करते हैं। 2021 में हुए तख्तापलट के बाद भी कई हजार शरणार्थी शरण लेने के लिए इस क्षेत्र में आ गए थे और यहां उनके समुदाय ने उनकी मेजबानी की थी।

इस मामले को लेकर मिजोरम सरकार के आंतरिक मंत्री के सपदंगा ने शरणार्थियों के नए जत्थे के आगमन की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यहां पर करीब 3 हजार शरणार्थी आ चुके हैं। उन्होंने कहा, "वहां पर जारी लड़ाई हमारे नियंत्रण से बाहर है। लोग संकट से बचने के लिए, यहां आ गए हैं और मानवीय आधार पर हम उन्हें पानी, भोजन और आश्रय उपलब्ध करा रहे हैं।" वहीं सैन्य अधिकारी ने कहा कि रविवार रात तक राज्य के चंफई जिले के दो गांवों जोखावथर और सैखुम्फई में 3980 लोगों के नाम लिखे गए थे, यह वह लोग हैं जो यहां पर आ चुके हैं।

एक और सोनम रघुवंशी!

आसिफ की आशिकी में दिशा ने पति को मारा, बिस्तर पर ली जान

नई दिल्ली। नाजायज संबंधों की खातिर पति की हत्या का एक और मामला सामने आया है। घटना महाराष्ट्र के नागपुर की है। खबर है कि यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर गंभीर रूप से बीमार पति का कत्ल कर दिया। हालांकि, महिला ने पहले तो पुलिस को काफी गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन कड़ी पूछताछ के सामने वह टूट गई और सारी सच्चाई उगल दी। पुलिस का कहना है कि 30 वर्षीय महिला दिशा रामटेक ने बिस्तर पर पड़े पति चंद्रसेन रामटेक की आसिफ उर्फ राजाबाबू टायरवाला की मदद से हत्या कर दी। मामला ताराेड़ी खुर्द इलाके का है। खबर है कि लकवा का शिकार होने के बाद से ही रामटेक बिस्तर पर था और उसका इलाज चल रहा था। पुलिस का कहना है कि पति की बीमारी के चलते ही दिशा और आसिफ का प्यार परवान चढ़ा। शुक्रवार को दिशा ने चंद्रसेन को कथित तौर पर बिस्तर पर पकड़ा और आसिफ ने तकिया लेकर उसका चेहरा दबा दिया। पुलिस ने बताया है कि महिला शुरुआत में दावा करती रही कि पति की मौत बीमारी के चलते हुई है, लेकिन पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट में गला घोंटे जाने की बात सामने आई। पुलिस की पूछताछ में दिशा ने जुर्म कबूल कर लिया।

भौम प्रदोष व्रत के दिन संध्या पूजन का विशेष महत्व

इस साल जुलाई के महीने में भौम प्रदोष का व्रत रखा जाएगा। मंगवार के दिन प्रदोष व्रत पड़ने से इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाएगा। भौम प्रदोष व्रत के दिन संध्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। ये व्रत महादेव को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, हर महीने के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर भक्त प्रदोष व्रत रखते हैं। मान्यतानुसार प्रदोष व्रत पर भगवान शिव की पूजा करने पर आरोग्य का वरदान मिलता है, जीवन में खुशहाली आती है, वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि आती है। ऐसे में यहां जानिए जुलाई के महीने में किस दिन रखा जाएगा। प्रदोष व्रत और कैसे की जा सकती है भगवान शिव की पूजा।

भौम प्रदोष व्रत कब है

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 7 जुलाई देर रात 11 बजकर 10 मिनट पर शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 9 जुलाई की रात 12 बजकर 38 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। ऐसे में 8 जुलाई, मंगलवार के दिन प्रदोष व्रत रखा जाएगा। मंगलवार के दिन पड़ने के चलते इसे भौम प्रदोष व्रत कहते हैं।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सुबह उठकर स्नान पश्चात महादेव का स्मरण किया जाता है और व्रत संकल्प लिया जाता है। इस दिन भक्त भगवान शिव के मंदिर सुबह के समय भी जाते हैं, लेकिन प्रदोष व्रत की असल पूजा रात के समय ही संपन्न की जाती है। प्रदोष व्रत की पूजा के लिए दिनभर व्रत रखा जाता है और शाम के समय शिवलिंग पर गंगाजल से अभिषेक किया जाता है और शिवलिंग के समक्ष धतूरा, भांग, सफेद फूल और फल आदि अर्पिक किए जाते हैं। भोग में महादेव को फल और मिठाइयों का ही भोग लगाया जाता है। प्रदोष व्रत की कथा पढ़ी जाती है, मंत्रों का जाप किया जाता है और आरती करके पूजा का समापन होता है।

भौम प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्रत की पूजा रात के समय प्रदोष काल में की जाती है। ऐसे में भौम प्रदोष व्रत के दिन शाम 7 बजकर 23 मिनट से 9 बजकर 24 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त बन रहा है। इस मुहूर्त में पूजा संपन्न की जा सकती है।

घर के लिए लकी हैं ये 7 पेंटिंग्स

नया-नया घर लिया है? अब सोच रहे हैं कि किस तरह की पेंटिंग्स ली जाए जिससे घर के हर एक कोने में जान सी आ जाए? अगर आप घर के लिए पेंटिंग्स लेने वाले हैं तो एक बार वास्तु शास्त्र के नजरिए भी जान लें कि क्या करना ठीक होगा। नीचे हम आपको कुछ ऐसी तस्वीरें दिखाएंगे जो वास्तु के लिहाज से बहुत सही हैं। अगर आप ऐसी पेंटिंग्स घर में लगाएंगे तो ना सिर्फ घर की खूबसूरती ही बढ़ेगी बल्कि आपको इसके खूब फायदे भी मिल जाएंगे। तो चलिए जानते हैं कि आखिर वो तस्वीरें कौन सी हैं?

वाटरफॉल की तस्वीर

अगर आप जिंदगी में नई शुरुआत करना चाहते हैं तो वाटरफॉल की तस्वीर घर में लगा लेंगे तो खूब फायदे मिलेंगे। इस तस्वीर को आप उत्तर दिशा में लगाएंगे तो बेहतर होगा। यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि ऐसे वाटरफॉल की तस्वीर ही खरीदें जिसमें पानी शांत दिख रहा हो।

7 घोड़े वाली तस्वीर

7 घोड़े वाली पेंटिंग आपके घर के सारे दोष खत्म कर सकता है। 7 घोड़ों का एक साथ होना काफी शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इसे मजबूती और तरक्की प्रतीक माना गया है। इस तस्वीर को घर में लगाने से हर चीज का बैलेंस बना रहेगा। साथ ही घर में सुख शांति का भी एहसास होगा।

पहाड़ों की तस्वीर

घर में पहाड़ों की तस्वीर भी रखना शुभ है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस भी घर में ऐसी तस्वीर होगी, वहां के सभी सदस्यों के बीच अच्छे संबंध होंगे। ऐसी तस्वीरों को आप अपने लिविंग एरिया में लगा सकते हैं।

कामधेनु की तस्वीर

वास्तु शास्त्र में कामधेनु की तस्वीर का खास महत्व है। माना जाता है कि जिस भी घर में कामधेनु की तस्वीर होगी, वहां पर सभी सदस्य शांति और सुख से रहेंगे। उनकी जिंदगी में आने वाली कोई भी बाधा समाप्त हो जाएगी। बता दें कि कामधेनु को मनोकामना पूरी करने वाली गाय माना गया है। घर में अगर आप इसे उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएंगे तो इसके अनेक फायदे होंगे।

ट्री ऑफ लाइफ की तस्वीर

ट्री ऑफ लाइफ का मतलब है जीवन वृक्ष। इसका जिक्र कई जगह है। माना जाता है कि ये हर तरह की कामना को पूरी करता है। घर के लिविंग एरिया में आप इसे पश्चिम दिशा की ओर ही लगाइए। सानी से पूरे हों।

सरस्वती मां की तस्वीर

अगर फोकस की कमी है तो मां सरस्वती की तस्वीर को घर में लगाइए। इसे पश्चिम दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इस तस्वीर को बच्चों की स्टडी रूम में लगाएंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। इससे बच्चे एक्राग होकर अपना काम कर सकेंगे।

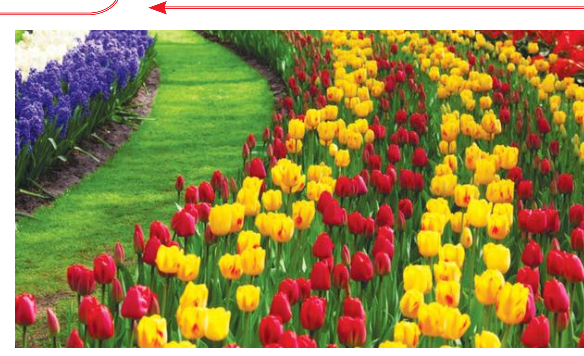

फूलों की तस्वीर

अगर फूलों वाली रंग बिरंगी तस्वीर लगा देंगे तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इसे लिविंग एरिया या फिर अपने बेडरूम में लगा सकते हैं। इस तस्वीर को घर की पूर्व दिशा में लगाएंगे तो खूब बरकत मिलेगी।

सोने से पहले भूलकर भी ना करें ये काम

दिन भर थक हारने के बाद आप अपना दिन कैसे खत्म करते हैं? घंटों फोन पर स्क्रोलिंग कर हुए या अपना मनपसंद टीवी शो देखते हुए? यह जानना इसलिए बेहद जरूरी है क्योंकि नाइट टाइम रूटीन का सीधा असर हमारी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर पड़ता है। कई बार हम जाने-अनजाने ऐसी चीजें कर रहे होते हैं, जो धीरे-धीरे हमारी हेल्थ को काफी नुकसान पहुंचा रही होती हैं। फेमस गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट के अनुसार हमारी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर उन्होंने ऐसी चार चीजों का जिक्र किया है जो वो रात में सोने से पहले अवॉइड करते हैं। ये आदतें डाइजेशन के साथ स्लीप क्वालिटी को भी प्रभावित करती हैं। चलिए इन्हीं के बारे में जानते हैं।

भारी-भरकम खाना खाने से बचें

गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट बताते हैं कि वो कभी भी रात में ज्यादा भारी-भरकम खाना नहीं खाते हैं, खासतौर से सोने से ठीक पहले। जब आप बेडटाइम के पहले हेवी मील लेते हैं, तो इससे पाचन खराब होता है।
इंसुलिन का लेवल स्पाइक होता है, साथ ही स्लीप क्वालिटी भी प्रभावित होती है। सोने से पहले हर हाल में दो या तीन घंटे पहले डिनर फिनिश कर लेते हैं।

सोने से पहले फोन स्क्रॉल करना

रात को सोने से पहले बेड पर लेट कर फोन चलाने में बेशक मजा आता हो, लेकिन ओवरऑल हेल्थ के लिए ये आदत बिल्कुल अच्छी नहीं है।
सोने से ठीक पहले अगर आप फोन पर स्क्रॉल करते रहते हैं, तो इससे निकलने वाली ब्ल्यू लाइट मेलाटोनिन के प्रोडक्शन को प्रभावित करती है। फिर होता यूं है कि घंटों करवटें बदलने के बाद भी आपको नींद नहीं आती, जिसका असर आपकी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर पड़ता है। डॉक्टर बताते हैं कि वो सोने से कम से कम एक घंटा पहले ही फोन चलाना बंद कर देते हैं।

देर रात कैफीन का सेवन करना

कुछ लोगों को रात में चाय या कॉफी पीने की आदत होती है ,लेकिन हेल्थ के लिहाज से ये आदत बिल्कुल सही नहीं है। गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट के अनुसार कैफीन की हाफ लाइफ पांच से छह घंटे की होती है। इसलिए वो सोने से कम से कम छह घंटे पहले चाय या कॉफी पीना अवॉइड करते हैं। ऐसा करने से स्लीप की क्वालिटी भी प्रभावित नहीं होती।

तनाव ले कर सोना

लाइफ में थोड़ा बहुत स्ट्रेस होना नॉर्मल है लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें। कभी भी किसी बात का ज्यादा स्ट्रेस ले कर सोने ना जाएं। डॉक्टर सेठी बताते हैं कि मेंटल स्ट्रेस का सीधा असर आपकी गट हेल्थ पर पड़ता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा तनाव ले कर बेड पर जाते हैं, तो गट हेल्थ भी खराब होती है। इसका असर आपकी ओवरऑल मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर पड़ता है। डॉक्टर बताते हैं कि वो दिमाग को शांत रखने के लिए सोने से पहले डीप ब्रीदिंग और योग निद्रा का सहारा लेते हैं।

बारिश के मौसम में वॉर्डरोब में करें बदलाव

बरसात का मौसम दस्तक दे चुका है। बारिश की फुहारें तपती गर्मी के बाद बेहद सुहानी लग रही हैं। अब तो अदरक वाली गर्मागर्म चाय और कुरकुरे पकौड़ों की खुशबू से घर महका करेगा। बारिश के मौसम का इससे शानदार स्वागत भला और क्या हो सकता है! वैसे क्या आपने इस मौसम के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर ली हैं? अलमारी में से छतरी और रेनकोट तो निकाल ही लिए होंगे, लेकिन क्या आपका वॉर्डरोब भी मानसून के लिए तैयार है? अगर आपको लगता है कि बरसात के मौसम में भी गर्मियों वाले वॉर्डरोब से काम चल जाएगा, तो ये आपकी गलतफहमी है। वैसे भी गर्मियों में जब सूरज आग उगलता है, तो बेहद हल्के रंग और कॉटन जैसे फैब्रिक से बने कपड़े पहन कर ही राहत मिलती है। वहीं मानसून में जब हर तरफ कुदरत रंग बिखेर रही होती है, तो कपड़े भी शोख और चटकीले रंग के ही अच्छे लगते हैं। मानसून के लिए आपका वॉर्डरोब कैसा हो, आइए जानें :

फैब्रिक हो ठीक :- बरसात के मौसम में उमस बढ़ जाती है, जिससे कपड़े शरीर पर चिपकने लगते हैं। ऐसे में यदि बारिश में भीग जाएं तो कपड़े पारदर्शी भी लगने लगते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए ऐसा फैब्रिक चुनें जो जल्दी सूख जाएं और भीगने पर पारदर्शी भी न लगे। इस लिहाज से पॉलिएस्टर और जॉर्जेट जैसे सिंथेटिक कपड़े अच्छे रहते हैं क्योंकि ये बहुत जल्दी सूख जाते हैं। यदि कॉटन पहनना हो तो थोड़ा मोटा कॉटन चुनें, ताकि भीगने पर भी वह पारदर्शी न लगे।

चुनें शोख और चटक रंग :- मानसून में चारों ओर हरियाली छा जाती है और पेड़-पौधों पर भी रंग-बिरंगे फूल खिलने लगते हैं। ऐसे में आपके कपड़ों का रंग भी प्रकृति की खूबसूरती से मेला खाता होना चाहिए। इस मौसम में चटक हरा, शोख गुलाबी, फिरोजी, कोबाल्ट ब्लू, सनी येलो और नारंगी जैसे नियॉन रंग विशेष रूप से आकर्षक लगते हैं। यदि ये रंग आपके हिसाब से ज्यादा चटक हैं तो इन्हें अपनी ऐक्सेसरीज या किसी एक कपड़े में शामिल करें। जैसे सॉलिड कलर के प्लेन सूट के साथ चटक रंग का दुपट्टा या बेसिक ब्लू जींस के साथ कोई शोख रंग की टॉप पहनी जा सकती है।

मोनोक्रोम लुक लगेगा अच्छा

आजकल सिर से पांव तक एक ही रंग के कपड़े पहनने का चलन भी बहुत जोरों पर है। जिन महिलाओं को अपने कपड़ों में बहुत सारे रंग इस्तेमाल करना पसंद नहीं, उनके लिए यह ट्रेंड बहुत काम का है। उदाहरण के लिए डेनिम की जींस के साथ डेनिम की ही शर्ट या एक ही रंग का को-ऑर्ड सेट आपको भीड़ से अलग दिखाने के लिए काफी है। थोड़ा और बोल्ड लुक पाने के लिए आप अपने ऑउटफिट के रंग से मेल खाते फुटवियर और साथ में उसी रंग का छाता भी कैरी कर सकती हैं।

पुराने फैशन की वापसी

मौसम की तरह पुराना फैशन भी लौटकर आता है। अस्सी के दशक में बोल्ड स्ट्राइप्स, चंकी ज्लेवरी और हाई वेस्ट जींस खूब पहना जाता था। यही स्टाइल दोबारा लौट आया है। अपने लुक में थोड़ा ड्रामा डालने के लिए छतरी की बजाय ओवरसाइज्ड रेनकोट का चुनें। कपड़ों में भी बड़े और बोल्ड प्रिंट्स, धारियां और पैटर्न चुनें। लुक को पूरा करने के लिए लेयर्ड नेकलेस और बड़े-बड़े हूप्स इयररिंग पहनें।

बच्चों के साथ जरूर टाइम स्पेंड करें पैरेंट्स

अच्छी परवरिश के लिए सिर्फ यही जरूरी नहीं है कि बच्चे को सही-गलत का फर्क और सामाजिक तौर-तरीके सिखाए जाएं। इसमें पैरेंट्स और बच्चों के बीच की बॉन्डिंग भी आ जाती है। अगर दोनों के बीच के रिश्ते ही सही ना हों, तो फिर कुछ और मायने ही नहीं रखता। अक्सर देखा जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ बच्चों और पैरेंट्स के बीच दूरियां आने लगती हैं। ज्यादातर मामलों में ऐसा बातचीत की कमी और साथ में समय ना बिताने के चलते ही होता है। हालांकि अगर बचपन से ही बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड किया जाए तो पैरेंट्स और बच्चों के बीच के रिश्ते बहुत गहरे हो सकते हैं। आइए जानते हैं दिन के वो कौन से नौ मिनट हैं, जब पैरेंट्स को बच्चों के साथ जरूर टाइम स्पेंड करना चाहिए।

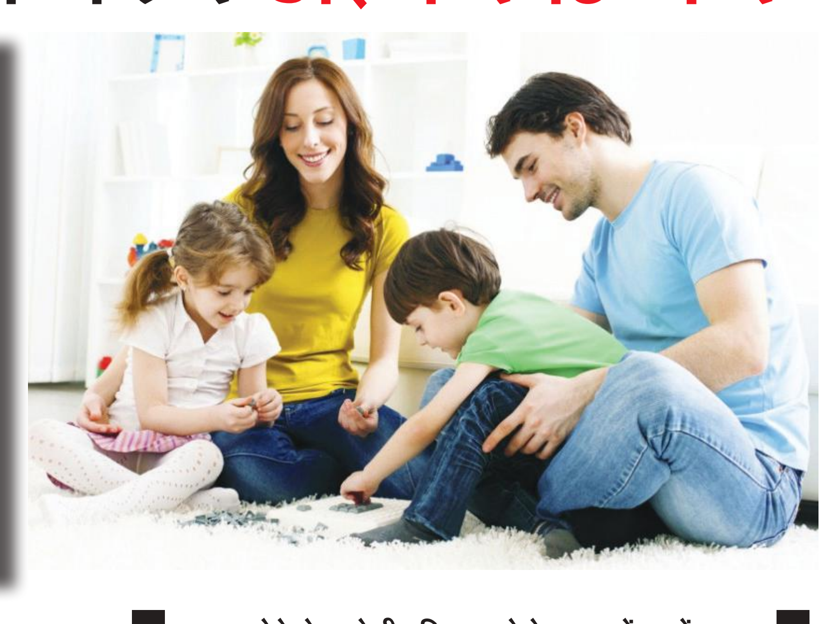

सुबह उठने के बाद बच्चे के साथ बिताएं 3 मिनट

अक्सर पैरेंट्स बच्चों को सुबह हड़बड़ी में उठाते हैं और फिर तुरंत उन्हें स्कूल के लिए रेडी करना शुरू कर देते हैं। जबकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर दिन की शुरूआत बेहतर तरीके से की जाए तो उसका असर सारे दिन पर पड़ता है। इसलिए हमेशा बच्चे को सुबह उठाने के बाद कम से कम तीन मिनट उनके साथ बिताएं। इस दौरान उन्हें ढेर सारा प्यार दें, कुछ पॉजिटिव बातें उनसे कहें। इससे बच्चे के दिन की शुरुआत भी बेहतरीन होगी और उसका माइंडसेट भी पॉजिटिव होगा।

स्कूल से आने के बाद वाले 3 मिनट

बच्चा जब स्कूल से आए या आप ऑफिस से आएं तो कुछ देर बच्चे के साथ जरूर टाइम स्पेंड करें। दरअसल इस दौरान जब बच्चा आपसे काफी देर के लिए दूर रहता है तो उसके पास आपसे कहने को ढेर सारी चीजें होती हैं। ऐसे में आपका भी फर्ज बनता है कि आप उनसे उनके दिन के बारे में पूछें और उन्हें बताएं कि आपने उन्हें कितना मिस किया। इससे बच्चा आपके साथ कंफर्टेबल होगा और आपके बीच की बॉन्डिंग भी मजबूत होगी। बच्चे का चिड़चिड़ापन और थकान दूर करने का भी ये एक अच्छा तरीका है।

सोने से पहले तीन मिनट बच्चे के साथ स्पेंड करें

अक्सर पैरेंट्स बच्चों को जल्दी-जल्दी सोने के लिए भेज देते हैं। जबकि सोने से ठीक पहले का समय काफी इंपोर्टेंट होता है। बच्चे के साथ इमोशनली कनेक्ट करने के लिए ये समय बेस्ट होता है। इसलिए सोने से पहले कम से कम तीन मिनट तक बच्चे के साथ स्पेंड करें। उन्हें बताएं कि आप उन्हें कितना प्यार करते हैं, वो आपके लिए कितना मायने रखते हैं। इसके अलावा उनके मन की बात सुनें और कुछ पॉजिटिव बातों से दिन खत्म करें। इस तरह बच्चे के साथ आपकी बॉन्डिंग भी मजबूत होगी और बच्चे आपके साथ इमोशनली भी खुल पाएंगे।

मानसून में घर पर बनाएं आलू वाले समोसे

समोसे का आटा बनाने के लिए सामग्री

मैदा- 1.5 कप, नमक आधा छोटा चम्मच, अजवाइन आधा छोटा चम्मच, तेल 2 टेबलस्पून (मोयन के लिए), पानी आवश्यकतानुसार (गूंथने के लिए), भरावन के लिए, उबले हुए आलू 3 मीडियम साइज (मसले हुए), उबले मटर आधा कप, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, अदरक एक छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ, धनिया पाउडर एक छोटा चम्मच, लाल मिर्च आधा छोटा चम्मच, अमचूर पाउडर आधा छोटा चम्मच, गरम मसाला स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया 1 टेबलस्पून (कटा हुआ), तेल एक टेबलस्पून (भरावन भूनने के लिए), समोसा तलने के लिए तेल

समोसा बनाने की आसान विधि

सबसे पहले मैदे में नमक, अजवाइन और तेल डालकर अच्छे से मिला लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर कड़ा आटा गूंथ लें। आटे को ढककर 20 मिनट के लिए अलग रख दें। इसके बाद एक कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें। अब उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद उसमें उबले हुए आलू और मटर डालें। फिर सभी मसाले डालें और 4 से पांच मिनट तक अच्छे से भून लें। हरा धनिया मिलाकर इसको ठंडा होने के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। इन्हें बेलकर ओवल यानी कि अंडाकार शेप में काट लें। ध्यान रहे कि इसे बीच से काटकर दो आधे भाग बनाना हैं। अब एक हिस्सा लेकर कोन बनाएं और उसमें फिलिंग भरें। किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर समोसे को सील कर दें। सारे समोसे इसी तरह बना लें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। समोसों को धीमी आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। आपका समोसा तैयार है। आप इसे हरी चटनी, इमली की चटनी या चाय के साथ गरमा-गरम परोस सकती हैं।

एशियाई पैरा चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहा भारत

हरविंदर ने जीते दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर ने दो स्वर्ण पदक के साथ पदक की हैट्रिक पूरी की जिससे भारत रविवार को यहां बीजिंग 2025 एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप की पदक तालिका में मेजबान चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। भारत ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक जीते। चीन 10 स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर रहा। पुरुष रिकर्व क्वालीफाइंग दौर में 663 अंक के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और नए चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर रहे हरविंदर ने इससे पहले भावना के साथ मिलकर रिकर्व ओपन मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। प्रतियोगिता के अंतिम दिन हरविंदर ने रिकर्व पुरुष ओपन खिताब भी जीता जिससे प्रतियोगिता में उनके नाम तीन पदक रहे। हरविंदर और भावना ने चीन के झिहान गाओ और जुन गेन को फाइनल में 5-4 (14-8) से हराकर खिताब जीता। गाओ शूट ऑफ में चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। रिकर्व पुरुष ओपन फाइनल में हरविंदर ने थाईलैंड के हेनरुचाई नेतसिरी को 7-1 से हराकर भारत को प्रतियोगिता का तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। भारत ने एक और स्वर्ण कंपाउंड महिला टीम स्पर्धा में जीता जहां शीतल देवी और ज्योति ने ल्यु झेंग और जिंग झाओ की चीन की जोड़ी को 148-143 से हराया। चीन की जोड़ी अंतिम अंतिम चरण में चूक गए जिसमें ल्यु एक निशाना लगाने में नाकाम रहीं। इससे पहले हरविंदर और विवेक चिकारा ने रिकर्व पुरुष युगल ओपन में रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी को जुन गेन और लीशुइ झाओ की चीन की जोड़ी के खिलाफ फाइनल में शूट ऑफ में 4-5 (17-18) से हार झेलनी पड़ी। राकेश कुमार और श्याम सुंदर स्वामी को भी रजत पदक से संतोष करना पड़ा जब यह जोड़ी कंपाउंड पुरुष युगल ओपन में आइ शिनलियांग और यिचेंग झेंग की चीन की जोड़ी से करीबी मुकाबले में 155-156 से हार गई। भारत के लिए तीसरा रजत कंपाउंड मिश्रित ओपन टीम स्पर्धा में राकेश कुमार और ज्योति ने जीता। इस जोड़ी कने जिंग झाओ और आइ शिनलियांग की चीन की जोड़ी के खिलाफ 150-153 से हार झेलनी पड़ी। पूजा और भावना ने रिकर्व महिल युगल में कांस्य पदक जीता।

ICC ने लिया बड़ा फैसला

संजोग गुप्ता को सौंपी गई बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट कौंसिल (ICC) ने संजोग गुप्ता को अपना नया चीफ एक्जीकेटिव ऑफिसर (CEO) नियुक्त करने की घोषणा की है। वो आधिकारिक तौर पर 7 जुलाई, 2025 को कार्यभार संभालेंगे। जिसके साथ गुप्ता इस पद को संभालने वाले सातवें व्यक्ति बनेंगे। संजोग की नियुक्ति ICC द्वारा मार्च में शुरू की गई वैश्विक भर्ती प्रक्रिया के बाद हुई है। इस पद के लिए 25 देशों से 2,500 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जो इस पद की अंतरराष्ट्रीय अपील और महत्व को दर्शाता है। बता दें कि संजोग गुप्ता वर्तमान में JioStar में स्पोर्ट्स और लाइव एक्सपीरियंस के CEO के रूप में कार्यरत हैं। कंटेंट, रणनीति और संचालन में दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्हें भारत में आधुनिक खेल प्रसारण परिदृश्य को आकार देने का श्रेय दिया जाता है। ICC के चेयरमैन जय शाह ने संजोग गुप्ता के नए सीईओ बनने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संजोग गुप्ता को ICC का CEO नियुक्त किया गया है। संजोग के पास खेल रणनीति और व्यावसायीकरण का व्यापक अनुभव है, जो ICC के लिए अमूल्य होगा। उन्होंने ये भी कहा, 'वैश्विक खेल, मीडिया और मनोरंजन के बारे में उनकी गहरी समझ, साथ ही तकनीक और क्रिकेट प्रशंसकों के दृष्टिकोण के प्रति उनके जुनून के बारे में उनकी निरंतर जिज्ञासा आने वाले वर्षों में खेल को आगे बढ़ाने की हमारी महत्वाकांक्षा में आवश्यक साबित होगी। हमारा लक्ष्य पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ना और ओलंपिक में क्रिकेट को एक नियमित खेल के रूप में स्थापित करना है।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर जीती सीरीज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला टेस्ट तीन दिन के अंदर खत्म करने के बाद दूसरे टेस्ट में भी अपनी जीत की लय जारी रखी और ग्रेनेडा में घरेलू टीम वेस्टइंडीज को 133 रनों से हराया। वेस्टइंडीज के सामने 277 रनों का लक्ष्य रखने के बाद मेहमान टीम ने कैरेबियाई बल्लेबाजी लाइनअप को ध्वस्त कर दिया और उन्हें 34.3 ओवर में 143 पर ढेर कर दिया और 133 रनों से मैच जीतकर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। चौथे दिन की शुरुआत शमर जोसेफ (4-66) और अल्जारी जोसेफ (2-52) ने 45 मिनट के भीतर ऑस्ट्रेलियाई पुछल्ले बल्लेबाजों को ढेर कर की। वेस्टइंडीज के लिए 277 रनों का लक्ष्य रखा गया था और ऐसी पिच पर जहां गेंदबाजों के लिए काफी कुछ था, यह एक चुनौतीपूर्ण काम होने वाला था। जॉन कैंपबेल शून्य पर आउट हो गए क्योंकि जोश हेजलवुड ने उन्हें दूसरे ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इसके बाद मिशेल स्टार्क ने कीसी कार्टी को 10 रन पर आउट कर दिया, जबकि ओपनर क्रेग ब्रैथवेट 7 रन बनाकर ब्यू वेबस्टर की गेंद पर कैच आउट हो गए, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर 29/3 हो गया। ऑस्ट्रेलियाई पारी में विकेट गिरते रहे, जबकि शाई होप (34) और कप्तान रोस्टन चेस (17) ने कुछ रन बनाकर हिम्मत दिखाई। लेकिन वो भी वेस्टइंडीज के पतन को रोकने में सक्षम नहीं थे। मेजबान टीम 143 रन पर ऑल आउट हो गई और सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच हार गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच अर्धशतक लगाए गए। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का मिलकर टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने मैच में 286 और 243 रन बनाए।

नाथन लियोन ने हासिल किया खास मुकाम

नाथन लियोन ने दूसरी पारी में तीन विकेट लिए और उन्होंने जेडन सील्स को आउट करके मैच का अंत किया। उन्होंने दूसरी पारी में 3/42 के गेंदबाजी आंकड़े के साथ मैच का अंत किया। उन्होंने 562 टेस्ट विकेट का मील का पत्थर भी छू लिया है और वे ग्लेन मैकग्राथ से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शेन वॉर्न के बाद दूसरे नंबर पर हैं।

दूसरे टेस्ट में हार के बाद आया कोच मैक्कुलम का बयान

बताया कब हुई बड़ी गलती

बर्मिंघम। भारत ने एजबेस्टन में इंग्लैंड पर 336 रनों की शानदार जीत हासिल की जिससे 5 मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। हार के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने उन्होंने बल्लेबाजी के अनुकूल ट्रैक पर पहले बल्लेबाजी का फैसला न चुनकर बड़ी गलती की। मैक्कुलम ने कहा, 'मुझे लगता है कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, हमने उस टॉस पर विचार किया और कहा कि क्या हमने वहां कोई अवसर खो दिया और यह उचित भी है।' मैकुलम ने कहा, 'हमें उम्मीद नहीं थी कि विकेट इतना अच्छा खेलेगा और इसलिए हम शायद थोड़ा गलत हो गए। लेकिन हमने उन्हें 200 रन पर 5 विकेट गंवाने दिए और हम उस स्थिति का फायदा नहीं उठा पाए और जब आप टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हैं तो आप उम्मीद नहीं करते कि विपक्षी टीम 580 रन बनाएगी और फिर उस स्थिति से हम मैच में पीछे हो जाते हैं।' गौर हो कि भारत ने पहली इनिंग में शुभमन गिल के दोहरे शतक (269) की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद सिराज के 6 विकेट और आकाशदीप के 4 विकेट की बदौलत इंग्लैंड को 407 पर ढेर कर 180 रन की बढ़त बनाई। दूसरी इनिंग में गिल (161) ने एक बार फिर बड़ी पारी जिससे टीम ने 427/6 का स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड के सामने 608 रन का लक्ष्य रखा। गेंदबाजों ने एक बार फिर शुरू से ही दबाव की रणनीति अपनाई और इस बार आकाश दीप के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 271 रन पर ढेर कर 336 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

तिरुपुर की टीम पहली बार TNPL की चैंपियन बनी

32 छक्के मारे, 24 साल के बल्लेबाज का धमाल, अश्विन की टीम फाइनल में हारी

नई दिल्ली। तमिलनाडु प्रीमियर लीग में अश्विन की कप्तानी वाली डिंडीगुल ड्रैगन्स अपने खिताब को डिफेंड करने में नाकाम रही। इस टीम को TNPL 2025 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 6 जुलाई को खेले फाइनल मुकाबले में डिंडीगुल ड्रैगन्स को तिरुपुर की टीम ने 118 रनों के बड़े अंतर से हराया। इस बड़ी जीत के साथ ही तिरुपुर की टीम पहली बार TNPL की चैंपियन बनी है। इस टीम को चैंपियन बनाने में सबसे बड़ी भूमिका उसके 24 साल के ओपनर तुषार रहेजा की रही है, जिन्होंने लीग में 32 छक्के मारे हैं। TNPL 2025 के फाइनल में टॉस जीतकर डिंडीगुल ड्रैगन्स से पहले तिरुपुर को बल्लेबाजी के लिए उतारा। तिरुपुर के दोनों ओपनर- अमित सात्विक और तुषार रहेजा- ने टीम को जोरदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़े। अमित सात्विक ने 34 गेंदों पर 3 छक्के की मदद से 65 रन बनाए। जबकि 24 साल के तुषार रहेजा ने 10 छक्के-चौके उड़ाते हुए 46 गेंदों में 77 रन ठोके. दोनों ओपनर की दमदार पारी की बदौलत तिरुपुर की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डिंडीगुल ड्रैगन्स की टीम सिर्फ 102 रन पर ही सिमटकर रह गई। वो पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सके। इस तरह डिंडीगुल ड्रैगन्स TNPL में अपने खिताब को डिफेंड नहीं कर पाई. डिंडीगुल ड्रैगन के खिलाफ TNPL 2025 के फाइनल में तिरुपुर की जीत के हीरो 24 साल के तुषार रहेजा बने। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. हालांकि, सिर्फ फाइनल में ही अपनी टीम को जिताने में तुषार का योगदान नहीं रहा। बल्कि वो इस पूरे सीजन में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। तुषार रहेजा ने TNPL 2025 में खेले 9 मैचों में 32 छक्कों के साथ 61 की औसत से 488 रन बनाए हैं। वो इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने सीजन में 30 से ज्यादा छक्के मारे हैं और 450 से ज्यादा रन बनाए हैं। तुषार के इसी दमदार खेल का असर है कि उनकी टीम TNPL की नई चैंपियन बनी है।

विश्व मुक्केबाजी कप

साक्षी ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारत की मुक्केबाज साक्षी ने दूसरे विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को फाइनल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अमेरिका की योसलाइन पेरेज को सर्वसम्मत फैसले में हराया। इस तरह साक्षी ने इस टूर्नामेंट को भारत को पहला स्वर्ण दिलाया। भारतीय दल ने विश्व मुक्केबाजी कप में अच्छा प्रदर्शन किया है और कुल 11 पदक पक्के किए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ने गति और सटीक पंच के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

ग्रैंड चेस टूर में कार्लसन की खास उपलब्धि

जगरेब। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक दौर शेष रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश तीसरे स्थान पर रहे। नौ दौर के रैपिड टूर्नामेंट में गुकेश से चार अंक पीछे रहने के बाद कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में इसका पूरा फायदा उठाया और पहले चरण में नौ में से 7.5 अंक हासिल किए। दूसरे चरण में पहले आठ बाजियों में से चार अंक हासिल करना ही उन्हें टूर्नामेंट में एक और जीत दिलाने के लिए पर्याप्त था। गुकेश ने रैपिड वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए 14 अंक हासिल किए थे लेकिन ब्लिट्ज वर्ग में अपने पहले नौ गेम में से केवल 1.5 अंक हासिल करके लय खो बैठे। कार्लसन ने 22.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया और वह अमेरिका के वेस्ली सो से 2.5 अंक आगे थे जो दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश अंततः 19.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने 17,5000 अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार पूल में से 40,000, वेस्ली ने 30,000 और गुकेश ने 25,000 हासिल किए। भारत के आर प्रज्ञानानंदा 15 अंक के साथ नौवें स्थान पर रहे।

एक दौर रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट जीता

वियान मुल्डर ने तोड़ा 67 साल पुराना रिकॉर्ड

डॉन ब्रैडमैन समेत इन दिग्गज क्रिकेटरों को छोड़ा पीछे

बुलावायो। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। केशव महाराज के चोटिल होने के बाद टेस्ट टीम की कमान संभाल रहे 27 वर्षीय वियान मुल्डर ने मैच में नाबाद 367 रनों की पारी खेलकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। मुल्डर अब टेस्ट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड हाशिम आमला के नाम था, जिन्होंने 2012 में 311 बनाए थे। इसके अलावा वो एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज भी बन गए हैं। इससे पहले ये कारनामा 2003 में एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ ग्रीम स्मिथ ने अंजाम दिया था। उन्होंने एक मैच में कुल 362 (277 और 85) रन बनाए थे। इस बीच वियान मुल्डर ने टेस्ट क्रिकेट में विदेशी धरती पर सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के हनीफ मोहम्मद को पीछे छोड़ दिया।

वुशू एशिया कप

महक ने जीता सिल्वर

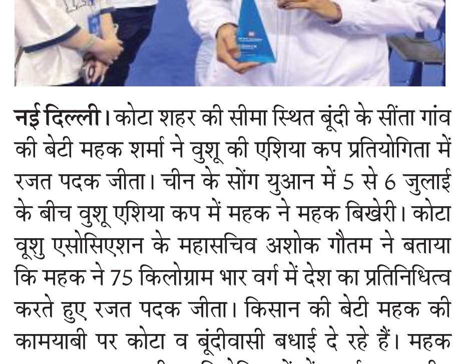

नई दिल्ली। कोटा शहर की सीमा स्थित बूंदी के सींता गांव की बेटी महक शर्मा ने वुशू की एशिया कप प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। चीन के सोंग युआन में 5 से 6 जुलाई के बीच वुशू एशिया कप में महक ने महक बिखेरी। कोटा वूशु एसोसिएशन के महासचिव अशोक गौतम ने बताया कि महक ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता। किसान की बेटी महक की कामयाबी पर कोटा व बूंदीवासी बधाई दे रहे हैं। महक इस साल चार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

लगातार असफलताओं के बावजूद मौका मिल रहा

माइकल वॉन ने की इंग्लैंड के ओपनर की आलोचना

बर्मिंघम। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह भाग्यशाली हैं जो उन्हें लगातार असफलताओं के बावजूद टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने इसके साथ यह भी सुझाव दिया कि क्रॉली को भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी की रणनीति से सीख लेनी चाहिए और अपने खेल में सुधार करना चाहिए। वॉन ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने प्रशंसकों को निराश किया है। इनमें मैं भी शामिल हूं लेकिन वह (क्रॉली) सबसे ज्यादा निराश करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें मैं याद कर सकता हूं।

केवी आईआईटी पवई ने जीता इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट

मुंबई। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय आईआईटी पवई मुंबई ने इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट ट्रॉफी (अंडर 12 ब्वॉयज) जीतने में सफलता हासिल की है। एसएम शेट्टी हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज द्वारा 5 जुलाई 2025 को पवई में आयोजित एक दिवसीय इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 9 टीमों ने सहभागिता की थी। केवी आईआईटी पवई ब्वॉयज टीम ने पहले मैच में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्कूल मालाड को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि सेमीफाइनल में केवी आईआईटी ने पवार पब्लिक स्कूल को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना लिया। टूर्नामेंट के फाइनल मैच में केवी आईआईटी ने भक्ति वेदांता स्कूल को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट को अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट में बेस्ट स्ट्राइकर का खिताब हरि माधव को मिला जबकि बेस्ट गोलकीपर का खिताब गौतम को मिला। एसएम शेट्टी हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज के प्रबंधकों द्वारा विजेता को ट्रॉफी के साथ टीम के सभी खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनकी इस सफलता पर स्कूल के प्राचार्य विनोद वानखड़े, कोच छगन चौहान/जगन/दीपक/क्रिश, आदि ने सभी खिलाड़ियों-कृषिभ यादव, श्रेयांश रंजित, अलताफ आलम, आश्रित शेट्टी, गौतम पी., हरिमाधव जे, मेधांश गावडे, हर्ष शिंगाडे, स्वराज जाधव, सिद्धांत सुजोय, आदित कानिंदे को मैच में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है।

एजबेस्टन में भारत की ऐतिहासिक टेस्ट जीत पर बोले विराट कोहली

इन दो खिलाड़ियों का किया विशेष जिक्र

बर्मिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट में भारत ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर की। इस पर महान टेस्ट खिलाड़ियों में शामिल विराट कोहली ने प्रतिक्रिया देते हुए शुभमन गिल को जीत का विशेष श्रेय दिया। साथ ही उन्होंने सिराज और आकाश की भी प्रशंसा की। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट की पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक (269) की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद सिराज के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 407 पर ढेर कर 180 रन की बढ़त बनाई। दूसरी इनिंग में गिल (161) ने एक बार फिर बड़ी पारी जिससे टीम ने 427/6 का स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड के सामने 608 रन का लक्ष्य रखा। एक बार फिर गेंदबाजों ने शुरू से ही दबाव की रणनीति अपनाई और इस बार आकाश दीप के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 271 रन पर ढेर कर 336 रन से बड़ी जीत दर्ज की। विराट ने भारत की जीत पर सोशल मीडिया पर लिखा, 'एजबेस्टन में भारत की शानदार जीत रही।

एयरपोर्ट पर रोती दिखीं नोरा फतेही

फोटो क्लिक करने वाले को बॉडीगार्ड ने दिया धक्का

नोरा फतेही का रीसेंट वीडियो उनके फैन्स को परेशान कर रहा है। उन्हें एयरपोर्ट पर रोते देखा गया। कुछ लोग उनके पीछे कैमरा लेकर दौड़े जिन्हें नोरा के बॉडीगार्ड ने धक्का दिया। नोरा ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई है जिससे किसी के इंतकाल की हिंट मिल रही है। नोरा या उनकी टीम की तरफ से ऑफिशियली कुछ पता नहीं चला लेकिन कुछ लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं कि नोरा की चाची नहीं रहीं।

नोरा फतेही की एक क्लिप पपाराजी ने शेयर की है जिसमें वह अपने आंसू पोछती और परेशान दिख रही हैं। वह एयरपोर्ट पर थीं और रोती जा रही थीं। पीछे से उनको क्लिक करने की कोशिश की गई जिस पर उनके बॉडीगार्ड ने गुस्से में फोटो खींचने वाले को धक्का दे दिया। नोरा ने इंस्टा स्टोरी पर ब्लैक बैकग्राउंड में लिखा है, 'इन्ना इलाही वा इन्ना इलाही राजिउन'। इसका मतलब है, हम अल्लाह के हैं और हमें उनके पास ही लौटना है। यह किसी दुखद घटना या किसी के निधन पर लिखा जाता है। नोरा के इस वीडियो पर कई लोगों के कमेंट्स हैं। एक ने लिखा है, 'किसी का निधन हुआ है, मैंने नोरा की इंस्टा स्टोरी चेक की है।'एक कमेंट है, 'नोरा की आंटी का निधन हुआ है।' कुछ लोगों ने पैप्स पर गुस्सा निकाला है कि अभी भी नोरा की तस्वीरें खींच रहे हैं।

प्राइम वीडियो ने किया 'पंचायत सीजन 5' का ऐलान

भारत की सबसे पसंदीदा वेब सीरीज में से एक 'पंचायत' से जुड़ा अपडेट आया है। प्राइम वीडियो ने आधिकारिक तौर पर 'पंचायत सीजन 5' की घोषणा कर दी है। इतना ही नहीं, उन्होंने ये भी बताया कि वे इस सीरीज को कब रिलीज करने वाले हैं। अनाउंसमेंट करते हुए प्राइम वीडियो ने लिखा, 'नमस्ते 5! फुलेरा वापस आने की तैयारी शुरू कर लीजिए। पंचायत का नया सीजन जल्द आ रहा है।''पंचायत सीजन 5' की घोषणा ने सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त हलचल मचा दी है। फैंस ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए मीम्स और रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी है। सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि 2026 में फुलेरा में फिर से रौनक लौटे और अभिषेक, प्रधान जी, प्रधान पत्नी और विकास की टीम उन्हें फिर से हंसाए।

अभिनेता राजा गुरु की फिल्म आराध्य का ट्रेलर मचा रहा धमाल

बॉलीवुड में तेजी से अपनी पहचान बना रहे अभीनेता राजा गुरु की 18 जुलाई को प्रदर्शित होने वाले नए अवधि भाषा का फ्लेवर लिए हिंदी फिल्म आराध्य का ट्रेलर पिछले दिनों आउट कर दिया गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्रेलर में अभिनेता राजा गुरु का गंभीर लुक, शानदार एक्शन और परफॉर्मेंस दर्शकों को काफी प्रभावित कर रहा है।

तीन मिनिट्स दो सेकंड का ये ट्रेलर पूरी तरह से दर्शकों को अभिनेता के शानदार परफोर्मेंस की वजह से बांध कर रखने में कामयाब है। ट्रेलर की शुरुआत वॉयस ओवर में संस्कृत के एक श्लोक से शुरू होती है जिसमें राजा गुरु की साउथ के स्टाइल में शानदार एंट्री होती । ट्रेलर के पहले सीन में ही राजा गुरु की एंट्री जिज्ञासा पैदा करती है कि आखिर मामला क्या है। धीरे धीरे ट्रेलर अभिनेता का फिल्म के अंदर उनके अलग अलग शेड्स को रिवील करता है।शानदार संवाद अदायगी और शानदार एक्शन और परफोर्मेंस से अभिनेता राजा गुरु फिल्म के ट्रेलर में अपनी जबरदस्त छाप छोड़ने में कामयाब होते दिखते है। बता दें कि राजा गुरु बॉलीवुड में पिछले कुछ वर्षों से सक्रिय है और बहुत तेजी से अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो रहे हैं। राजा गुरु ने इससे पूर्व धारावाहिक अंखियों के झरोखे से , किसके रोके रुका है सवेरा तथा दिल आसना है के साथ साथ कई रीजनल फिल्म आन बान और शान, औलाद, तथा फिल्म धप्पा में भी अपने अपने दमदार अभिनय से सबको प्रभावित कर चुके हैं । इसके अलावा अवॉर्ड विनिंग शॉर्ट फिल्म कंफर्ट गोज ऑन तथा द लॉन्ग ड्राइव में भी सबको अपने अभिनय से चौंकाया है।

कुकिंग मास्टर बनीं परिणीति चोपड़ा

फैंस की डिमांड पर शेयर की दाल पराठे की स्पेशल रेसिपी

परिणीति चोपड़ा की अभिनय प्रतिभा से दर्शक वाकिफ हैं। उन्होंने 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' से इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद कई दमदार फिल्मों में काम किया है। परिणीति कुकिंग में भी माहिर हैं। इसकी झलक उन्होंने आज सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शेयर की है।

फैंस ने की गुजारिश

परिणीति चोपड़ा ने स्पेशल दाल परांठा बनाया है। फैंस की गुजारिश पर उन्होंने इसकी रेसिपी भी शेयर की है। परिणीति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। इसमें प्लेट में परांठे रखे हैं। परिणीति ने इसके साथ लिखा है, 'बहुत सारी गुजारिशों के बाद रेसिपी हाजिर है'।

बची हुई दाल से बनाए पराठे

परिणीति ने आगे लिखा है, 'कल की बची हुई दाल को आटे के साथ मिलाएं। पानी नहीं डालना है। इससे आटा तैयार करें और परांठे बनाइए'। परिणीति ने बताया कि दाल परांठा उनका फेवरेट है। अभिनेत्री ने फैंस से पूछा है, 'और किसको दाल परांठा पसंद है'?

ओटीटी सीरीज में नजर आएंगी परी

परिणीति चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अपनी आगामी सीरीज की तैयारियों में व्यस्त हैं। वे एक्शन थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके जरिए परिणीति ओटीटी सीरीज में पहली बार काम कर रही हैं। रेंसिल डिसिल्वा द्वारा निर्देशित इस सीरीज में परिणीति के अलावा सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी और ताहिर राज भसीन नजर आएंगे। इस साल फरवरी में सीरीज का एलान किया गया था।

सैफ अली खान ने बड़ी मुश्किल से की थी यह फिल्म

स्पोर्ट्स कार में बैठते ही चढ़ने लगती थी सांस

साल 2007 में आई फिल्म 'ता रा रम पम' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। फिल्म को बनाने में महज 28 करोड़ रुपये की लागत आई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसने 70 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। फिल्म में सैफ अली खान लीड रोल में थे और रानी मुखर्जी ने फीमेल लीड रोल प्ले किया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह फिल्म बन ही नहीं पाती अगर एक प्रो कार रेसर ने उन्हें एक मशवरा देकर उनकी कार रेसिंग वाले सीन करने में उनकी मदद नहीं की होती।

फिल्म में सैफ अली खान ने एक कार रेसर का किरदार निभाया था जो एक एक्सीडेंट के बाद अपना आत्मविश्वास खो बैठता है, लेकिन फिर कैसे परिस्थितियां उसे इस फील्ड में वापस लौटने पर मजबूर करती हैं और कैसे उसका परिवार उसका सपोर्ट सिस्टम बनता है, यही फिल्म की कहानी है। फिल्म को IMDb पर एवरेज रेटिंग मिली थी, लेकिन इसे जनता ने खूब प्यार दिया। लेकिन फिल्म में जितने भी रेसिंग कार वाले सीन थे, वो करने में सैफ अली खान की हालत खराब हो रही थी। वजह था उस गाड़ी में बैठकर उन चीजों को महसूस करना जो कार रेसर फील करता है। सैफ अली खान ने खुद अपने एक इंटरव्यू में इस बारे में बताया। सैफ अली खान ने कहा, "वो एक भारी सा हेलमेट देते हैं आपको और काफी सारे कपड़े। बहुत जोर से आपको बांध देते हैं पूरे शरीर पर। जब यह सब हो रहा था तो मेरी सांस चढ़ने लगी। उस गाड़ी में दो ही ड्राइवर थे, एक मैं और एक दूसरा ड्राइवर। जब मैंने इंजन ऑन किया तो वो पूरा पैट्रोल का भाप आता है। मैं सांस ही नहीं ले पा रहा था।"

22 साल की अनुष्का सेन ने रिवीलिंग ड्रेस में दिखाया बोल्ड अंदाज

टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी दिलकश अदाओं से कहर ढाती रहती हैं. उनके एक से बढ़कर एक फोटोशूट अक्सर फैंस को ध्यान खींचती हैं. अनुष्का सेन ने एक बार अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और अपने कातिलाना अंदाज से लोगों के घायल किया है. एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. अनुष्का सेन के तमाम चाहने वाले फैंस उनकी तस्वीरों को पसंद करने के साथ ही उन पर प्यारे कमेंट कर रहे हैं. यहां पर उनकी तस्वीरें देख सकते हैं.

अनुष्का सेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों के साथ अनुष्का सेन ने बताया है कि ये जून में क्लिक की गई फोटोज है.

अनुष्का सेन ने फ्लॉन्ट किया फिगर

अनुष्का सेन ने रेड कलर की रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है और जमकर अदाएं दिखाई हैं. अनुष्का सेन ने इस ड्रेस में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का मौका नहीं छोड़ा है. अनुष्का सेन ने अपने फोटोशूट के दौरान अपने बालों को खोल रखा है. इन तस्वीरों में देख सकते हैं कि अनुष्का सेन के खुले बाल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं. अनुष्का सेन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही फैंस उन्हें पसंद कर रहे हैं. इसके साथ ही अनुष्का सेन के तमाम चाहने वाले फैंस उन पर कमेंट भी कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा है, 'आपको कहीं नजर ना लग जाए.' एक फैन ने लिखा है. 'आप कितनी खूबसूरत हो.' एक फैन ने लिखा है, 'रेड हॉट.'

जैकी श्रॉफ के लिए पत्नी आयशा ने बेच दिया था अपना घर

जैकी श्रॉफ और आयशा की लव मैरिज थी। दोनों ने अपने रिलेशन में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। आयशा जहां अच्छे परिवार से थीं, वह अमीर थीं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जैकी श्रॉफ चॉल में रहते थे। अब जैकी ने बताया कि कैसे आयशा ने अच्छी खासी लाइफ को छोड़कर जैकी के साथ रहने का फैसला किया और इस दौरान उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

जैकी ने कहा, 'मेरा घर 30 रुपये में चल रहा था और मैं चॉल में रहता था। मुझसे किसी को कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी पत्नी मेरे साथ चॉल में रही, वह वॉशरूम के लिए लाइन में लगती थीं। मैं 33 साल तक चॉल में रहा था।' जैकी ने बताया कि आयशा के पिता वीर चक्र अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके थे। वह एयर वाइस मार्शल थे। आयशा ने जैकी के स्ट्रगल के दिनों में उनकी फाइनेंशियल मदद की थी। जैकी ने कहा, 'मेरी पत्नी ने अपना घर बेच दिया था ताकि मैं घर ले सकूं। उन्होंने मेरा हमेशा ध्यान रखा है।' जैकी से पूछा गया कि क्या आयशा के पिता को उनकी शादी से दिक्कत थी तो जैकी ने कहा, 'नहीं, उन्हें कोई दिक्कत नहीं थी। उन्हें शायद पता था कि मेरे इरादे गलत नहीं थे। उन्होंने मुझपर विश्वास दिखाया और मैं कभी उनको विश्वास तोड़ा भी नहीं है।' जैकी ने आयशा के साथ अपनी मुलाकात के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें आयशा से पहली नजर में प्यार हो गया था। जैकी ने कहा, 'आयशा बस से जा रही थीं और मैं बाइक में था। वो मेरे दोस्त की बाइक थी और मैं उसके बिल्डिंग में जा रहा था क्योंकि उसके पास पूल टेबल था। मैंने रास्ते में आयशा को देखा। आयशा बस में बैठी थी और उनके हाथ में फ्लैग था। वह मार्च पास्ट से आ रही थीं। उस वक्त शायद वह 14-15 साल की थीं और मैंने तभी खुद से कहा कि यही मेरी लेडी हैं और मैं इससे ही शादी करूंगा।'

श्रद्धा कपूर का बॉयफ्रेंड संग फ्लाइट क्रू ने छिपकर बनाया वीडियो

श्रद्धा कपूर काफी समय से राहुल मोदी के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया जाता है। श्रद्धा ने खुद भी सोशल मीडिया पर राहुल के साथ फोटो शेयर की हैं। अब हाल ही में श्रद्धा और राहुल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे दोनों से छिपकर बनाया गया है। इस वीजियो को देखकर रवीना टंडन भड़क गई हैं। दरअसल, श्रद्धा और राहुल फ्लाइट में एक-दूसरे के क्लोज बैठे हुए हैं। इसके अलावा किसी ने श्रद्धा के फोन पर लगे राहुल और उनकी फोटो के वॉलपेपर को भी कैप्चर किया। ऐसा कहा जा रहा है कि कैबिन क्रू मेंबर ने अपने फोन से इस वीडियो को रिकॉर्ड किया है।

रवीना बोलीं- उम्मीद नहीं थी कि...

बता दें कि दोनों के रिलेशन की खबरें साल 2024 में आने लगी थी। दोनों को कई जगह पर साथ देखा गया, लेकिन श्रद्धा ने कभी इस पर रिएक्ट नहीं किया। हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में रिलेशनशिप में होने का हिंट दिया था। श्रद्धा ने कहा था, मुझे अपने पार्टनर के साथ टाइम स्पेंड करना काफी अच्छा लगता है। उनके साथ फिल्में देखना, डिनर करना और ट्रैवल करना पसंद है। मैं उनके साथ टाइम स्पेंड करती हूं चाहे साथ में कुछ भी काम ना करें। राहुल के बारे में बता दें कि वह स्क्रीनराइटर हैं। इसके अलावा वह श्रद्धा कपूर की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार फिल्म के को राइटर भी थे। राहुल ने लव रंजन की कई फिल्मों को लिखा भी है जिसमें प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2 और सोनू के टीटू की स्वीटी भी शामिल है। वैसे कुछ समय पहले खबर आई थी कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है और दोनों ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है, लेकिन फिर श्रद्धा ने राहुल के साथ फोटो शेयर कर उन खबरों को बंद कर दिया था।